

SUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41]

नई विल्ली, शनिवार, अक्तूबर 13, 1979 (आश्विन 21, 1901)

No. 41 ]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 13, 1979 (ASVINA 21, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

# PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

गृह मंत्रालय

(प्रशाससिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1979

सं० ए०-12024/2/78-प्रशासन-5--राष्ट्रपति श्रपने प्रसाद से श्रो श्रनिल सुदको दिनांक 10-9-79 के पूर्वाह्म से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में तकनीकी श्रधिकारी (लेखा) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> की ० ला ० ग्रोवर प्रणासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रोय श्रन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्लो-110001, दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० घो० दो-1032/75-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सनाबाई नायक को 30-8-1979 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए 1--276GI/79 श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

REGISTERED NO. D-(D)-73

सं० म्री०-दो-1443/7-9-स्थापना——महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर राज सिंह को 5-9-1979 के पूर्वाह्न से केवल छ: माह के लिए प्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा मधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ग्रो०-दो-1444/79-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) इफ्तेखारुनिमा बेगम को 3-9-1979 के पूर्वीह्न से केवल छः माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारोख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ कष्प में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

(7877)

# महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110029, दिनांक 21 सितम्बर 1979

सं० ई०-38013(3)/5/79-कार्मिक—कोरबा (म०प्र०) से स्थानांतरण होने पर श्रा पी० पी० सहजपाल ने श्री एस० प्रार० शर्मा, सहायक कमांडेंट के स्थान पर 20 प्रगस्त, 1979 के प्रपराह्न से के० ग्री० सु० ब० यूनिट डी० एम० पी० पन्ना (म० प्र०) के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया और श्री शर्मा ने उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड विया।

सं ० ई०-38013(3)/5/79-कार्मिक--पन्ना (म० प्र०) से स्थानांतरण होने पर श्री एस० ग्रार० गर्मा ने 29 ग्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्न से के० ग्री० सु० ब० यूनिट बालको कोरबा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। सु० नाथ महानिरीक्षक के० ग्री० पु० ब०

# श्रम मंद्रालय (श्रम स्प्रो)

शिमला-171004, दिनांक 6 अक्तूबर 1979

सं• 23/3/79-सी• पी० आईं०--अगस्त, 1979 में बौद्गोगिक श्रमिकों का अखिल मारतीय उपभोक्ता मूक्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) जुलाई, 1979 के स्तर से सात अंक बढ़ कर 360 (तीन सौ साठ) रहा है। अगस्त 1979 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किए जाने पर 438 (चार सौ अठतीस) आसा है। तिभुवन सिंह उप-निवेशक श्रम ब्यूरो

#### वित्त मंत्रालय

(भ्राधिक-कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 19 सितम्बर 1979

सं० 870/एम० निम्नांकित अधिकारियों को चलार्थ पत मुद्रणालय में उप नियंत्रकं अधिकारी के पद पर मूल क्षमता के रूप में उनके नाम के सामने अंकित दिनांकों से नियुक्ति की जाता है।

नाम नाम			दिनांक
ा. श्रो एम ० ग्रार ० कुट्टी	-·-		23-2-1976
2. श्री टो०एन०वलवी			23-2-1976
3. श्रीविशिष्स०बेन्द्रे			17-8-1978
4 श्रोजी ०एन० मुर्ती			17-8-1978
<ol> <li>श्री एन०जे०धिवरे</li> </ol>		•	17-8-1978
6. श्रीएम०टी०पवार	٠		17-8-1978

सं ० 871/एम ०-- निम्नांतित अधिकारियो को भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में उप नियन्नक अधिकारी के पद पर मूल क्षमता के रूप में उनके नाम के सामने अंकित दिनांकों से नियुक्ति की जातो है।

1. श्री एम ० जे ० माकसक	र	•	23-2-1976
2. श्री की ०एम ० मंडक			17-8-1978
3. श्री वी ०श्रीनिवासन			17-8-1978
4. श्रीवी० जी० साने	•	•	17-8-1978

डी ० सी ० मुखर्जी महाप्रबन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

# भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्लो, दिनांक 19 सितम्बर 1979

एम ० एस ० ग्रोधर उपनिदेशक (वाणिज्यिक)

#### रक्षालेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 20 सितम्बर 1979

सं० 86016(16)/78/प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के निम्नलिखित श्रधिकारी को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (रुपये) 1500-60-1800-100-2000) में स्थानापन्न के रूप में कार्य करने के लिए, उनके नाम के समक्ष दर्शायी गई तारीख से श्रागामी श्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

(1) श्रां ग्रमण सेदवाल 1-9-1979 (पूर्वीह्न)

भार० एल० बच्छी रक्षा लेखा ग्रपर महानियंतक (प्रशासन)

#### रक्षा मंत्रालय

#### ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

## कलकत्ता, विनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 15/79/ए०/६०-1 (एन० जी०) — डी० जी० ग्री० ग्री० एफ० महोदय, निम्नलिखित प्रफसरों को प्रत्येक के सामने दर्शाए गए पदों पर ग्रीर तारीखों से वर्तमान रिक्स स्थानों के प्रति स्थानापन्न रूप में ग्रागामी श्रादेश न होने तक, बिना वरिष्ठता पर प्रभावित हुए, प्रोन्नत करते हैं:—

श्री नित्यानन्द चन्नवर्ती स्थानापन्न दिनांक स्थानापन्न सहायक स्टाफ सहायक स्टाफ 1-8-79 से भ्रफसर (ग्रुप 'बी' श्रागामी म्रफसर (ग्रुप 'बी' राजपन्नित) (तदर्थ राजपन्नित) भ्रादेश होने घाधार पर) ---वही--श्रीमती लोलादास, –वही**–**– स्थानापन्न सहायक म्रफसर (मूप 'बी' राजपन्नित) (तदर्थ श्राधार पर)

# डी ० जी ० भ्रो ० एफ ० मुख्यालय सिविल सेवा

सं० 16/79/ए/ई-1 (एन० जी०) म्डी० जी० श्रो० एफ० महोदय निम्नलिखित व्यक्तियों को तदर्थ श्राधार पर प्रत्येक के सामने दर्शाए गए पदों पर श्रीर तारीखों से वर्तमान रिक्त स्थानों के प्रति स्थानापन्न रूप में प्रोन्नत करते हैं:---

(1) श्री हृषिकेश दास, स्थानापन्न सहायक दिनांक स्थायी सहायक स्टाफ अफसर 1-8-79 से (ग्रुप 'बी' तीन महीने राजपन्नित) तक या जब तकयु ०पी० एस ० सी ० उम्मीदवार नियुक्त नहीं किए जाते हैं, इनमें से जो पहले हो ।

(2) श्री निहार रंजन पाल, —वही— — बही— स्थायी सहायक

> डी० पी० चक्रवर्ती ए०डी०जी०भी०एफ० (प्रशासन) कृते महानिदेशक भ्राईनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1979

सं ० 46/79/जी ०---वार्धक्य निवृत्ति म्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री एस० एन० देवधर, स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक्/मौलिक एवं स्थायी फोरमैन, विनोक 30-6-1979 (भ्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

### विनांक 19 सितम्बर 1979

सं० 45/79/जी०—-वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु (58 वर्ष)
प्राप्त कर, श्री वी० के० वत्ता, स्थानापन्न ए० डी० जी०
श्री० एक० ग्रेड-II मौलिक एवं स्थायी सीनियर डी०
ए० डी० जी० श्रो० एक०/प्रबन्धक दिनांक 30 श्रप्रैल, 1979
﴿ (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता सहायक महानिदेशक ग्रार्श्वनेन्स फैक्टरियां

#### उद्योग मंद्रालय

## (भ्रौद्योगिक विकास विभाग)

निकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई विरुली-110011, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० 12 (259)/61-प्रणासन (राजपितित) — संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के मधिन इथोपिया में एक वर्ष की भ्रवधि के लिए विशेषज्ञ के रूप में प्रतिनियुक्ति हो जाने पर, श्री के० भ्रार० शेट्टी ने दिनांक 17 भ्रगस्त, 1979 (भ्रपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में उप निदेशक (यांत्रिक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

### दिनांक 13 सितम्बर 1979

सं ० ए०-19018(398)/79-प्रशासन (राजपित्रत) — राष्ट्रपित जी, श्री काहन सिंह को दिनांक 8 ग्रगस्त, 1979 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रावेश तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, ग्रगरतला में सहायक निदेशक, ग्रेड-<sup>⊥</sup> (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं ० ए०-19018 (418)/79-प्रशासन (राजपितत) :—
राष्ट्रपति जी, श्री सुरेग बहल को दिनांक 31 ग्रगस्त, 1979
(पूर्वाह्र) से ग्रगले ग्रावेग तक, विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग)
नई दिल्ली के कार्यालय में प्रोग्रामर के रूप में नियुक्त करते
हैं।

#### दिनांक 14 सितम्बर 1979

सं० 12 (241)/61-प्रशासन (राजपितत)— राष्ट्रपित जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के उपनिदेशक (यांत्रिकी) श्री एस० सी० मुखर्जी को दिनांक 10 झगस्त, 1979 (पूर्वाह्म) से झगले झादेशों तक, तदर्थ झघार पर, लघु उद्योग सेवा संस्थान, पटना में निदेशक, ग्रेड-Ц (यांत्रिकी) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं ० 12 (685)/71-प्रशासन (राज०)---राष्ट्रपति जी, विकास ग्रायुक्त (लधु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक निदेशक, ग्रेंड-II (ग्रा० अन्धेषण) श्रा एस० पी० मिश्रा को दिनांक 24 अगस्त, 1979 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेशों तक, तदर्थ ग्राधार पर, इसी कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेंड-I (ग्रा० अन्धेषण/उत्पादन सुचकांक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं ० ए ०-19018/81/73-प्रशासन (राजपितत) --- राष्ट्र-पित जो, विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ला के कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-II (श्राधिक अन्वेषण) श्री जो ० एस ० उप्पल को दिनांक 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, तदर्थ भ्राधार पर, इसो कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेड-I (श्राधिक अन्धिपण/ उत्पादन सुचकांक) के रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018 (99)/73-प्रशासन (राजपितत)— राष्ट्रपति जी, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ला के कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेंड-II, (श्राधिक श्रन्वेषण) श्री के० धार० पंडित को दिनांक 3 सितम्बर, 1979 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक, तदर्थ श्राधार पर, इसे कार्यालय में सहायक निदेशक, ग्रेंड-I (श्राधिक अन्धेषण/ उत्पादन सुचकांक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

> महेन्द्र पाल गुप्त उपनिवेशक (प्रशासन)

## इस्पात श्रौर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत्ता-100016, दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० 5992-बीं ०/ए०-12025 (11-ए० पीं० ग्री०)/
78-19ए०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के श्रधीक्षक (प्रका-शन) श्री प्रमीद रंजन चौधुरी को सहायक प्रकाशन श्रधि-कारी के रूप में उसी विभाग में वितन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र०के वितनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, श्रागामी ग्रादेण होने तक, 14 श्रगस्त, 1979 के पूर्वाह्म से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

> वी ० एम ० कृष्णस्वामी महा निदेशक

# भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 20 सितम्बर 1979

सं० ए०-19012 (115) 79-स्था० ए० — विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिण से डा० जे०सी० अग्रवाल स्थायी वरिष्ठ तकनीकी सहायक (श्रयस्क प्रसाधन) को ध्नांक 3-9-1979 के पूर्वाह्म से भ्रागामी भ्रादेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसंधान भ्राधिकारी (भ्रयस्क प्रसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रवान की जाती है।

> एस ० बालागोपाल कार्यालय भ्रध्यक्ष

# विज्ञान श्रौर श्रौद्योगिकी विभाग भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण नियेगक का कार्यालय

हावडा-711109, दिनांक 17 सितम्बर 1979

> की ० एन ० सेनगुप्ता, वरिष्ठ प्रशासकीय म्रधिकारी

### स्वास्थ्यं सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 17 सितम्बर 1979

सं० ए० 38013/1/79 भण्डार I—मेवा निवर्तन की ग्रायु के हो जाने पर सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, डियो, बम्बई के सहायक डिपो मैनेजर सर्व श्री ग्रो० पी० मथायी तथा जे० ग्रार० नाबर ने 31 ग्रगस्त, 1979 ग्रप-राह्म की रिटायर हो गये हैं।

#### दिनांक 22 सितम्बर 1979

सं० ए० 19011/6/78 भण्डार I—सेवा निवर्तन की आसु के हो जाने पर सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार मद्रास के उप महायक महानिदेशक श्री पी० एस० देसिकन 31 श्रगस्त, 1979 के श्रपराह्म को सर्विस से रिटायर हो गर्ये हैं।

पी० के० घई विशेषकार्य ग्रधिकारी (भण्डार)

# कृषि श्रोर सिचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

#### विस्तार निवेशालय

### नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर, 1979

सं० 2 1/79 स्था० (1)—श्री घ्रोम प्रकाण गुप्त की सहायक सम्बादक (हिन्दी) के पद पर तदर्थ नियुक्ति 1-9-1979 से आगे 31-10-1979 तक बढ़ा दी गई है।

बद्रीनाथ चडढा, निदेशक प्रशासन

# ग्रामीण पूर्नीनर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० ए० 19023/60/78-प्र०-III—तवर्थ आधार पर उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी (वर्ग-1) के पद पर पदोक्षति होने के उपरान्त श्री श्रार० सी० बनर्जी ने कलकत्ता में तारीख 31-8-79 के श्रपराह्म में विपणन श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

### दिनांक 22 सितम्बर, 1979

सं० ए०-19023/41/78-प्र०-III—संघ लोक सेवा श्रायोग की सन्तुतियों के श्रनुसार श्री सी० वी० नीलग्रीवम, विगणन श्रधिकारी (वर्ग III) को तारीख 16-8-79 के श्राराह्म से ग्रगले श्रादेण जारी होने तक इस निदेणालय में हैदराबाद में स्थानापन्न विपणन श्रधिकारी (वर्ग-1) नियुक्त किया जाता है।

2. विषणन श्रधिकारी (वर्ग-1) के पद पर नियुक्ति होने के उपरान्त श्री नीलग्रीवम ने हैदराबाद में तारीख 16-8-79 के श्रपराह्न में विषणन श्रधिकारी (वर्ग III) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

मं० ए०-19025/65/78-प्र०-III—सहायक विपणन भ्रधिकारी (वर्ग 1) के पदों पर निम्नलिखित श्रधिकारियों की भ्रत्पकालीन नियुक्ति को 31 श्रक्तूबर, 1979 तक या जब तक कोई नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है:——

#### सर्वश्री

- 1. ग्रार० एस० सिंह
- 2. बी० एन० के० सिन्हा
- 3. ए० एन० राव
- 4. भार० बी० एस० यादव
- 5. एम० पी० सिंह
- 6. एच० एन० राय
- 7. डी० एन० राव
- 8. एस० पी० शिन्दे
- 9. स्नार० सी० मुंगी

- 10. के० के० तिवारी
- 11. एस० के० मलिक
- 12. एस० डी० काथलकर
- 13 स्नार० के० पांडे
- 14. एम० के० मोहन राव
- 15. के० के० सिरोही
- 16 श्रीमती श्रनुसूया शिवराजन
- 17. वी० ई० इडविन
- 18. एस० पी० सक्सेना
- 19. एन० जी० शुक्ल
- 20. ग्रार० सी० सिघल
- 21. एच० एन० शुक्ल
- 22. के० जी० बाघ
- 23. एम० सूर्यनारायण मूर्ति
- 24. वी० एल० वैराधर
- 25 एस० भ्रार० मुक्स
- 26. एम० सी० बजाज
- 27. एन० एस० चेलापति राव
- 28. के० जयनन्दन
- 29. सी० एम० गिरधर
- 30. एस० ए० शमसी
- 31. एस० एस० आर० शर्मा

# दिनांक 24 सितम्बर, 1979

सं० ए० 19024/2/79-प्र०-III — निम्नलिखित प्रधि-कारियों की मुख्य रसायनक्त के पद पर ग्रल्पकालीन नियुक्ति को 31 दिसम्बर, 1979 तक या जब तक पद नियमित रूप से भरे जाते हैं, जो भी पहले घटित हो, बढ़ाया गया है:—

#### सर्वश्री

- 1. चन्द्र प्रकाश
- 2. ए० ए० एस० प्रकाश राव
- 3. एन० कासी राव

बी० एल० मनिहार निदेशक प्रशासन कृते कृषि विषणन सलाहकार

## भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्नद्र

(कार्मिक प्रभाग)

# बम्बई-400085, दिनांक 24 जुलाई, 1979

सं० व्ही०/32/लेखा/स्था०-II/2891—श्री वसंत बलवंत व्यापारी, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रधिकारी की बदली ऋय तथा भंडार निदेशालय में हो जाने के परिणाम स्वरूप उन्होंने इस श्रनुसंधान केन्द्र में पूर्वाह्म तारीख 11 जून, 1979 से महायक लेखा ग्रधि-कारी का कार्यभार छोड़ दिया।

# दिनांक 31 जुलाई, 1979

सं० 5/1/79-स्थापना-II/3014— नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सेवा के लिए उनके नाम के सामने की श्रवधि तक, सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

%तम नाम तथापद	स्थानापन्न सेवा के लिए नियुक्त किए गए	भ्रवधि	
सं०			(भ्रयराह्न) तक
<ol> <li>श्री एफ० डी० मूजा, सहायक लेखाकार</li> </ol>	सहायक लेखा भ्रधिकारी	4-3-79	11-7-79
<ol> <li>श्रीमती एस० पी० महेरजी, सहायक लेखाकार</li> </ol>	सहायक लेखा <b>प्र</b> धिकारी	1-2-79	11-7-79

## दिनां क 2 ग्रगस्त, 1979

सं० 5/1/79-स्थापना-II/3043—नियंत्रक, भाभा पर-माणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित कर्मचारियों को तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सेवा के लिए उनके नाम के सामने की श्रवधि तक प्रणासनिक अधिकारी-II/सहायक सामिन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

ऋम नाम तथापद	स्थानापन्न सेवाकेलिए - नियुक्तकिए गए	भ्रवधि	
सं०		से (पूर्वाह्न)	तक (श्रपरा <b>ह्न</b> )
<ol> <li>श्री डी०पी० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी</li> </ol>	प्रशासनिक ग्रधिकारी-II	28-5-79	2-7-79
2. श्रीसी०ए० देशमुख, सहायक	सहायक कामिक ग्रधिकारी	28-5-79	2-7-79
3. श्री एस० जी० सपालिगा, सहायक	11	26-3-79	5-5-79
4ः श्री एन० के० र सहायक	तूर्वे ,,	9-5-79	30-6-79
5. श्रीयू० ग्रार० मेनन, सहायक	"	7-6-79	7-7-79

1 2	3	4	5
6. श्री जे० ए० लसने, सहायक	सहायक कामिक अधिकारी	11-6-79	13-7-79
7. श्री एम०ग्रार० खातू, व० लि०	,,	30-4-79	8-6-79

#### विनांक 20 ग्रगस्त, 1979

सं० 5/1/79-स्था० II/3221— नियंत्रक, भाभा परमाणु प्रमुसंघान केन्द्र. निम्नलिखित प्रधिकारियों को स्थानापन्न सेवा के लिए, तदर्थ ग्राधार पर लेखा ग्रधिकारी II/सहायक लेखा ग्रधिकारी उनके नाम के ग्रागे दी गई ग्रवधि तक नियुक्त करते हैं।

क्रम	नाम स्रोर	स्थानापन्न	श्रव	धि
सं०	पव	सेवा के लिए - नियुक्त किए गए	से (पूर्वाह्न)	तक (ग्रपरा <b>ह्न</b> )
1. वे स	र्विश्री ६० जे० जार्ज हायक लेखा धिकारी	लेखा ग्रधिकारी II	14-5-79	16-6-79
િ ₹	गर० बी० पेल्लै हायक लेखा गर	सहायक लेखा ग्रिधकारी	14-5-79	16-6-79

कु० एच० बी० विजयकर, उप स्थापना ग्रधिकारी

# राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना बरास्ता कोटा, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० रा० प० वि० प०/भर्ती/3(2)/79/स्थ०/444--राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्नलिखित अराजपितत तकनीकी स्टाफ को प्रस्येक के नाम के सामने लिखे गए ग्रेड में व उनके मामने दर्शायी गई तारीखों से अगले आदेश होने तक के लिए इसी परियोजना में अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं:---

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	पद जिस पर नियुक्त हुए हैं	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री किशन चन्द्र तनेजा, फोरमैंन	वैज्ञानिक श्रधि कारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	1-2-79

1 2	3	4
•••	क अधिका री/ प्रग्रेड एस०बी०	1-1-15
<ol> <li>श्री महोम्मद णरीफ,</li> <li>फोरम न</li> </ol>	11	1-2-79
कारन प 4. श्री प्रकाश चन्द वैष्य फोरमैन	, ,	1-2-79
5. श्री सुख सागर शुक्ल, वैज्ञानिक सहायक सी०	11	1-2-79
6. श्री दुर्गेश चन्द्र शर्मा, वैज्ञानिक सहायक सी०	7.1	1-2-79
7. श्री श्रीकान्त लक्षमन काशीकर,	***	1-2-79
वैज्ञानिक सहायक सी० 8. श्रीरमेश कुमारशर्मा, फोरमैन	,,	1-2-79
9. श्रीहरी प्रकाश गुप्ता, वैज्ञानिक सहायक सी०	"	1-2-79
10. श्री लेखराज धौला वैज्ञानिक सहायक सी०	"	1-2-79
11. श्री सुरेश पंघार्जनाथ वैज्ञानिक सहायक सी०	,,,	1-2-79
12. श्री भ्रोम प्रकाश मेहता भ्रापफ्टम न"सी"	3.1	1-2-79
7 13. श्री किशन प्याल घौबे वैज्ञानिक सम्रायक सी०	,,,	1-2-79

गोपाल सिंह, प्रणासन ग्रिधकारी (स्था०) इस्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

# परमाण् ऊर्जा विभाग

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद 500016, दिनांक 17 सितम्बर, 1979

सं० प० ख० प्र० 1/13/78 प्रशामन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निवेशक एतदहारा श्री प्रजय कुमार श्रीवास्तव को परमाणु खनिज प्रभाग में 30 ग्रगस्त, 1979 की पूर्वाह्म से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/श्रभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० प० ख० प० 1/6/79 प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक उसी प्रभाग के स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी (तवर्ष) श्री मुकुन्द सिंह को 1-9-1979 के पूर्वाह्न से ग्रागामी आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

> एम० एम० राव वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्रधिकारी

# तारापुर परमाणु बिजलीघर ठाणे, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

सं० टी० ए० पी० एस०/1/19 (3)/76 म्रार०— महालेखापाल कार्यालय, राजस्थान से रिपोर्ट करने पर, मुख्य म्रधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री वसन्त खांडेकर, भ्रनुभाग ग्रधिकारी, महालेखापाल कार्या-लय, राजस्थान को तारापुर परमाणु बिजलीघर में र० 650—30—740—35—880—द० रो०—40—960 के वेतन-मान में दिनांक 27-8-1979 (पूर्वास्त्र) से दो वर्ष के लिए प्रतिनियुक्ति श्राधार पर सहायक लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> ए० डी० देसाई, मुख्य प्रशामनिक श्रधिकारी

# श्रन्तरिक्ष विभाग भारतीय श्रन्तरिक्ष श्रनुसंधान संगठन शारकेन्द्र

श्रीहरिकोटा-524124, विनांक 27 जुलाई, 1979 सं एस० सी० एफ०/पी० एण्ड जी० ए०/स्थापना/1.72 ---शार केन्द्र के निदेशक इंजीनियर एम3 बी० श्री सी० थोमस का सेवा से त्यागपत्र दिनांक 13-2-1979 से स्वीकार करते हैं।

> श्चारः गोपालरस्तम प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रशासन प्रभाग **कृते** निदेशक

## श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-38005 ३, दिनांक 1 श्रगस्त, 1979

सं० स्थापना/भ्राई० एस० सी० ई० एस०/22—निवेशक, भ्रन्तिरक्ष उपपयोग केन्द्र/भारतीय श्रन्तिरक्ष श्रनुसंधान संगठन/ श्रन्तिरक्ष विभाग में श्री के० डी० ग्राचार्य को इंजीनियर एंस० बी० के पद पर श्रस्थायी रूप में दिनांक 7 जून, 1979 के पूर्वाह्म से 30 जून, 1980 तक की अविध के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० स्थापना/ग्राई० एस० सी० ई० एस०/23—निदेशक, ग्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र/भारतीय ग्रन्तरिक्ष ग्रनुसंधान संगठन ग्रन्तरिक्ष विभाग में श्री वीरेन्द्र कुमार सी० जैन को इंजीनियर एस० बी० के पद पर श्रंस्थायी रूप में विनांक 15 जून, 1979 के पूर्वाह्न से 30 जून, 1980 तक की श्रवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 2 ग्रंगस्त, 1979

सं० सैंक/स्थापना/ब्राई० एस० सी० ई० एस०/18/79— अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक इस केन्द्र में अस्थायी इंजीनियर एस० बी० श्री सुधीर दस्तानेय एरान्डे का सेवा से त्यागपन्न दिनांक 27 जुलाई, 1979 के अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

> एस० जी० नायर प्रधान, कार्मिक तथा सामान्य प्रणासन

# महानिदेशक: नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिसांक 13 सितम्बर 1979

सं० ए० 32014/3/79 ई०ए०— महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित प्रधिकारियों को 1 सितम्बर, 1979 से श्रीर अन्य श्रादेश होने तक नियमित श्राधार पर सहायक विमानक्षेत्र ग्रिधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर नियुक्त किया है:—

ऋम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन
1. श्रीए	<b>ग</b> ० एस० संधू	श्रम् तसर
2. श्रीके	० सी० झारिया	जबलपुर
3.श्रीएच	<b>ा</b> ० डी० घोसाल	बेलगाम
4. श्रीवी	० एस० झार० राव	विजयवाड़ा
5ःश्रीपी	० के० दास	पटना
6.श्रीपी	० राघवन	मद्रास
7. श्रीएर	<b>न० सी० चन्दवानी</b>	जुहू (बम्बई)
8.श्रीपी	० के० दे	नागपुर
9. श्रीके	» भ्रार० पाण्डुलै	त्नि <b>वै</b> न्द्रभ
10 श्रीगो	<b>पाल सिंह</b>	<b>ग्र</b> मृतसर
11. श्रीएम	ि ग्रार० नायडू	नागपुर
12. श्रीएम	ा० के० राय <b>चौ</b> धुरी	दम दम
13, श्रीए	) सी० सरकार	दम दम
14. श्रीएस	ा० डी० सिन् <b>ह</b> ा	दम द <b>म</b>
15 श्रीजे०	श्चार० सोनी	वाराणसी
16.श्रीपी	० एन० धर	पालम
17ःश्रीएस	।० भ्रा <sup>५</sup> ० दास शर्मा	दम दम
18 श्रीश्रा	र० डी० बाजपै	दम दम
19. श्रीजे	० एल० कपूर	पालम
20 श्रीएम	।० जी० थोराट	नागेपुर
21 श्रीप्रेम	कुमार	पालम

1 2	3
22. श्री एम० गोंपाल	मद्रास
2.3. श्री सी० जी० पागे	सान्ताऋुंज
24. श्री वाई ० एल ० सोनी	जयपुर

वीं० वीं० जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

# नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

सं० ए० 32013/1/79-ई० सीं० → इस विभाग की दिनांक 26-4-79 की श्रीधसुचना सं० ए० 32013/7/78-ई० सीं० तथा दिनांक 22-6-78 की श्रीधसुचना सं० ए० 32013/1/78 ई० सो० के कम से राष्ट्रपति निम्नलिखित चार तकनीकी श्रीधकारियों को, जो इस समय विरष्ठ तकनोकी श्रीधकारियों को, जो इस समय विरष्ठ तकनोकी श्रीधकारियों के रूप से तवर्थ श्रीधार पर कार्यरत हैं, दिनांक 3 सितम्बर, 1979 से विरष्ठ तकनोको श्रीधकारी के ग्रेड से नियमित श्रीधार पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने विए गए स्टेशन पर तैनात किया है: →

क्रमसं० नाम	तैनार्ताः स्टेशन
<ol> <li>श्रो विजय पंवार</li> <li>श्रो के ०के ० नारायण</li> </ol>	वैमानिक संचार स्टेशन, पालम वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता
3. श्री ए०के० बंसल	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली
4. श्रीके ०पी० नय्यर	रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली

2. इन प्रधिकारियों को उच्चतर पदोन्नति के लिए वरिष्ठ तकनीकी ग्रंधिकारी/वरिष्ठ संचार ग्रधिकारी की संयुक्त पावता सुक्षी के ग्रंड सें नियमित नियुक्ति की तारीख के ग्रंड सें नियमित नियुक्ति की तारीख के ग्रंड स्थान विया जाएगा बणतें कि वरिष्ठ तकनीकी ग्रधिकारी/वरिष्ठ संचार ग्रधिकारी के ग्रेड की परस्पर वरिष्ठता सुची बनाई जाती है ग्रौर साथ यह भी णतें है कि इंजीनियरी सेवा परीक्षा के ग्राधार पर नागर विमान विभाग में नियुक्त ग्रधिकारियों के मामले में उक्त परीक्षा में उनकी परस्पर वरिष्ठता तकनीकी ग्रधिकारी/संचार कारी के रूप में नियुक्ति के लिए भी संधारित को जाएगी

सं० ए० 32014/3/79-ई० सो०—महानिदेशक नागर विमानन ने म्निलिखित दो तकनीकी महायकों को तदर्थ आधार पर सहायक तकनीकी ग्रिधकारी केग्रेड में नियुक्त

किया है। नियुक्ति की	तारी भने स्थान	<del>2</del>	-3
#	साराज तथा	מתומו	स्टशन प्रत्यक
के नाम के सामने दिय	ा गया है:		

┺═╬╌ <del>╬╌╬╌╬╌╬╌╬┈╬┈╬┈</del> ╬═╒┸╬ <del>╒╬┈╬╴╬┈╬═╠</del> ╼╠╼╠╼┼┈ <del>╬═╏┈╬═╏┈╬═╏╒╘╘</del> ╌╏			
कम नाम सं०	मौजूदा तैनाती स्तेणन	स्टेशन जिस पर तैनात किया गया	कार्यभार संभालने की तारीख
1. श्री ए०पी० सदानस्य	वै ० सं ० स्टेशन, मुजफ्फरपुर	वै ० सं ० स्टेगन, कलकत्ता	27-7-79 (पूर्वाह्न)
2. श्री भ्रार०एस० ं शोखे	वै ० सं ० स्टेशन, चरखीदादरी	वै ० सं ० स्टेशन, नई दिल्ली	30-7-79 (पूर्वाह्न)

# दिनांक 20 सितम्बर, 1979

सं० ए० 32012/3/78-ई० एस०००%। प्रार० श्री-निवासन, प्रणासनिक अधिकारी (तदर्थ), ग्रुप "ख" पद, कार्यालय क्षेत्रीय निवेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास, ने निवर्तन श्रायु प्राप्त कर लेने पर, सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31 जुलाई, 1979 (श्रपराह्न) को श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 32012/3/78-ई० एस अन्महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एम० ग्रो० वर्गीस ग्रधीक्षक, को 1 ग्रगस्त, 1979 पूर्वान्ह से क्षेत्रीय निदेशक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट में, मद्रास के कार्यालय तदर्थ ग्राधार पर प्रशासनिक ग्रधिकारी (समूह "ख" पद) के पद पर नियुक्त किया है।

> एस ० एन ० मोतघानी विशेष कार्य भ्रधिकारी

# विदेश संचार सेवा

# बम्बई, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० 1/98/79 स्था० अी जी० एस० छटवाल को, जिन्हें 2 जुलाई, 1977 से तदर्थ ग्राधार पर नई विल्ली गाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किया गया था, 7 भ्रप्रैल, 1979 के अपराक्ष से उसी शाखा में तकनीकी सहायक के उनके मूल पद पर परावित्त कर दिया गया है।

सं० 1/257/79-स्था० — विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतदबारा बम्बई शाखा के पर्यवेशक, श्री जी० सी० डीलिमा को 18-6-1979 से 5-7-1979 तक (दोनों दिनों समेत) की अवधि के लिए तदर्ध श्राधार पर स्थानापन्न रूप से उसी शाखा में उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

> एच ० एल ० मलहोता उप निवेशक (प्रशा ०) कृते महानिवेशक

# वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 20 सितम्बर, 1979

सं० 16/113/67-स्थापना-1—ग्रध्यक्ष, वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री टी० ग्रार० सोमा-मुन्दरम, अनुसंधान श्रिधकारी, वन श्रनुसंधान केन्द्र, कोयम्बतूर को दिनांक 31-3-1979 के श्रपराह्म से सेवा निवर्तन की ग्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहर्ष श्रनुमति देते हैं।

## दिनांक 22 सितम्बर, 1979

वं० 16/69/66-स्थापना-1--- प्रष्यक्ष, वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, श्री एस० पी० मिश्रा, पुस्तकाध्यक्ष, वन प्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को दिनांक 31-8-79 के अपराह्म से सेवा निर्वतन की आयु होने पर सरकारी क्षेत्रा से निवृत्त होने की सहर्ष ग्रनुमति देते हैं।

> गुरदयाल मोहन कुलसचिव वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

# केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

सं० 11 (7) 2-स्था ०/79/12194 - केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा मुक्क समाहतिलय पटना के स्थानापन्न सहायक समाहति श्री एस० ग्रार०भट्टाचार्यी ग्रपनी सेवा की ग्रायु पूरी कर दिनांक 31/8/79 (श्रपराह्म) को सेवा निवृत्त हुए।

> डी ० के ० सरकार समाहती केन्द्रीय उत्पाद शुस्क, पटना।

# नई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर, 1979

सं० 27-ई/एम० (5)/69-ई० सी०-II (जिल्स II)
श्री महेन्द्र धर्मा, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) जो श्रधीक्षक
निर्माण सर्वेक्षक कार्यालय (उत्तरी श्रंचल), के० लो० नि०
वि०, रामकृष्णपूरम, नई विल्ली में निर्माण सर्वेक्षक III/II
के नाते काम कर रहे हैं, मूल नियम 56 (के) के प्रावधान
के श्रधीन दिनांक 31-8-1979 (दोपपहर बाद) को
सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवानिवृत्त हो गए हैं

सु० सु० प्रकाशराव प्रशासन उपनिदेशक कृते निर्माण महानिदेशक

# पूर्ति ग्रौर पुनर्वास मंत्रालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता, दिनांक 3 सितम्बर, 1979

सं० जीं० 65/बीं० (हिन्दीं) ——निवेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह ग्रंलीपुर कलकत्ता, संघ लोक सेवा श्रायोग की संस्तुति पर श्री सैय्यद महफूज हसन रिजवीं की 21-8-79 (पूर्वाह्न) से राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता से हिन्दी श्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

> के ० सी ० शील उपनिदेशक (रसायन) (1) कृते निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

# विधि, न्याय श्रीर कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कमानी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पर्ना अधिनियम, 1956 और रमानो टूरवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में :—

दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर, 1979

मं० 5190/15956—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण सें एतद्वारा यह सुचना दी जाती हैं कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर रमानी टूरवेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण विश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी आएगी।

जी ० बी ० सक्सेना कम्पनी ज का सहायक रिजस्ट्रार,

कम्पनी श्रधिनियम 1956 की धारा 445 (2) के अधीन सूचना

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के सामने श्रीर मलबार स्टीमणिप कंपनी लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं ० 2844/लिक्यू ०---सिविल धर्जी सं ० : : में : : : स्थित उच्चन्यायालय के तारीख 31-7-78 के आदेण द्वारा मलबार स्टीमिशिप कंपनी लिमिटेड के परिसमापन करने का आदेश विया गया है।

> (ह० अपठनीय) कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार महाराष्ट्र।

कार्यालय प्रायकर प्रायुक्त

(संवर्ग नियंत्रण प्राधिकारी लखनक एवं इलाहाबाद प्रभार)

ग्रायकर विभाग

इलाहाबाद, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

सं० 55- राम नरेश (एस० सी ०) निरीक्षक, ध्रायकर कार्यालय. सुलतानपुर को श्रायकर श्रिधकारी, वर्ग "ख" के पद पर श्राफीसिएट करने के लिए ६० 650-30-740-35-810-द० री०-35-880-40-1000-द० री०-40-1200 के वेतनमान में पदीन्तित किया गया है। पदीन्तित पर उन्होंने दिनांक 17-7-79 को श्रपराह्म में श्रायकर श्रिधकारी, वी-वार्ड, सीतापुर के रूप से कार्यभार संभाला।

शेख श्रब्दुल्ला श्रायकर श्रायुक्त इलाहाबाद प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰————— भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च(1) के सभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षक)

प्रर्जन रेंज I, धिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस ग्रार III/जनवरी I/ 929(20)/78-79—ग्रतः मुझे कु० ग्रंजनी ग्रोजा ग्रायकर ग्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त ग्रिशिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिशिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- पपए से ग्रिक है

भ्रौर जिसकी सं० 279 है तथा जो डिफींस कालौनी नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 8-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृहय से कम के वृश्यमाम प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृश्य उसके वृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भीर यह कि धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविज्ञ कप से स्वित नहीं किया गया है:——

- (इ) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य भाक्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर प्रधिनियम या भ्रन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, क्रियाने में सुविधा के खिए;

प्रतः प्रव, उन्त प्रक्रिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रयत्ः——

- श्री विंग कामाण्ड जयमल सिंह (रिटायर्ड) सी० 279 डिफैन्स कालोनी नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विभु शंकर सी 294 डिफैन्स कालौनी नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीयत सम्पति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राखेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की आरीख से 45 दिन की घषि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की घषित, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितका किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोद्दस्ताकारी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

राब्दो करग: --इसर्ने प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जो सकत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही घर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

मकान नं० सी 279 जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है डिफैन्स कालौनी नई दिल्ली में है रजिस्टर्ड दिनांक 8-1-79।

> कु० श्रंजनी श्रोजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीखा: 12-9-79

## प्रकप भाई•टी•एन•एस•-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269म (1) के मधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज । दिल्ली-1

नई विल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० ग्रार० III/1 जनवरी, I(54)/78-79/951—ग्रतः मुझे कु० ग्रंजनी ग्रोजा आयकर ग्रंथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रश्चिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम श्राधिकारी की, पह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्पए से ग्रंथिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव जोनापुर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 12-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के पूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक कर से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रांब-नियम के बधीन कर वेने के शक्तरक के दायिरव में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाह्रिए था, द्विमाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भीविनियम की धारा 269-ग के भनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री महेन्द्र सिंह, (2) श्री चरन जीत सिंह, (3) श्री मनजीत सिंह, मैसर्स नानक सिंह एण्ड सन्स साझेदार पता 19/11 कालका जी नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रिथी लाल भसीन (2) श्री पोरंद राज सुपुत्र श्री नानक चन्च (3) श्री ग्रंशोक कुमार, (4) श्री सुरेश कुमार सुपुत्र श्री घरगी दास सबका पता: — 54/2 पंजाबी बाग नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजी के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रक्य व्यक्ति द्वारा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त धाध-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस ग्रम्थाय में दिया गया है।

# धनुसूची

कृषि भुमि जो 17 विघा 19 विश्वा गांव जौनापुर, नई दिल्ली में है ।

> कु० श्रंजनी श्रोजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रःयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , नई दिल्ली ।

तारीख: 11-9-79

प्रारूप धाई • टी • एन • एस • -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I विल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०/।/एस० ग्रार० III/971 1-1979/78-79—ग्रतः मुझे कु० ग्रंजनी श्रोजा भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव नेब सराये नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है घोर घन्तरक (घन्तरकों) घौर घन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त घन्तरण जिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अतारण से हुई िहसी प्राय की बाबत उका प्रिवित्यम के प्राचीन कर देते के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धनकर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तिरती बारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निश्निचित्रत व्यक्तियों, अर्थात् :~

- (1) श्री लखमी चन्द पुत्र श्री जुगती, (2) चरण सि
   (3) भरत सिंह, (4) सरदार सिंह पुत्रान, श्री नेकी,
   निवासी नेब सराय, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्ज दुगल इंजीनियरिंग कं० 192, गौल्फ लिंक, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सुबता जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीप :---

- (क) इस मूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ कितो प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रजोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

हराब्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त प्रधिनियम के ध्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ध्रव्याय में विया गया है।

### धनुयूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 118 विघा 17 विसवा स्थित गांव नेव सराये नई दिल्ली है।

> कु० श्रंजनी श्रोजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली।

तारीख 12-9-79 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज- दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यु०/I/एस० श्रार० III/1-1979/987/78-79—श्रतः मुझे, कु० श्रंजनी श्रोजा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव गवईपुर, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबश्च श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफिल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) छोर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रतः भ्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्: --

- श्री श्रशोक दीश पुत्र डा० परशोतम दीश, निवासी डब्स्यू-137, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (ध्रन्तरक)
- श्रीमती प्रेम कौर पत्नी श्री जवाहर सिंह केयर ग्राफ वाधा एण्ड कम्पनी 41, गांधी क्लाथ मारकीट, देहली (ग्रन्तरिती)

को यह सूवता जारी करके पूर्वीका सम्मित्त के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरूक रता हूं।

जनत समाति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (ह) इस सूबता के राजनब में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूबता की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  ग्राधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीहरताक्षरी के पास जिखान में किए जा नकोंगे।

स्वब्दोकरण :--इसमें प्रयुक्त णन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त प्रिवित्रम के प्रश्राय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 22 विषे 7 विसवे है जो गांव गदईपुर नई देहली में स्थित है।

> कु० ग्रंजनी श्रोजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली।

तारीख: 12-9-79

# प्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I विल्ली-1

नई विल्ली, विनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु० I/एस० म्रार० III/963/
जन० II(9)/78-79—म्रतः ममे कु० म्रंजनी म्रोजा
आयकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पण्यात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्यस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६०
से म्रधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 93 ब्लाक सी है, तथा जो डिफैन्स कालौनी नई देहली में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 19-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त धिधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भव, उन्त मधिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- 1. एयर मार्शल श्री बी० एस० एस० बेदी (रिटायर्ड) पुत र्स्वेगीय श्री बी० एम० झार० बेदी पता: 13 बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली (स्नन्तरक)
- श्री जगमोहन बहल पुत्र स्वर्गीय के० एल० बहल पताः
   ए-2, जंगपुरा एक्सटेन्शन नई देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसम प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

2½ मंजिला मकान नं०सी० 93 डिफैन्स कालौनी नई देहली जिसका क्षत्रफल 401 स्का० गंज है। जिसकी बौउन्ड्री निम्न लिखित है।

उत्तर : रोड़ दक्षिण : सर्विस लैंन

पूर्व : साईड रोड़

रू पश्चिम : म० न० सी०-94

> कु० ग्रंजनी भ्रोजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोंज I विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 11-9-79

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, विल्ली-1

नई घिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० ग्रार० III/993 1-1979/78-79--- ग्रतः मुझे कु० ग्रंजनी श्रोजा भायकर भ्रषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है), की घारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है भीर जिसकी संख्या प्लाट एस-160 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II नई देहली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबन श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनिश्रेम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 30-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए प्रन्तरिय की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका संपत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान

प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीव ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त भन्ताण

लिखित में वास्तविक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में क्सी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय पा किसी झन या प्रग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या छन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की बारा 269म के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीतः—

- श्री भ्रोम प्रकाश पुत्त श्री भोलानाथ निवासी ग्रार-47, ग्रेटर कैलाश-I नई देहली । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती उत्तम कौर पत्नी श्री दलीप सिंह ई-306, ग्रेटर कैलाश-II नई देहली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मंपलिके अर्जन के संबंध में कोई भी घाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे , 45 विन की घर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घर्वाध ओ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के
  पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

क्ष्यकोकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्धो का, जो उक्त अधिनियम के प्रक्रमाय 20-क में परि-भाषित हैं, वही धर्म होगा, को उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं॰ एस-160, ग्रेटर कैलाश, नई देहली जिस का क्षेत्रफल 306 वर्ग गज है।

> कु० ग्रन्जनी ग्रोजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I विल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-9-79

प्रेरूप माई∙ टी॰ एन॰ एस०----

शायकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 43) को बारा

269-प(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

सार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रज I दिल्ली-1

नई विल्ली, दिनांक 12 सिसम्बर, 19/79

झौर जिसकी संख्या सी०-567 है तथा जो डिफैंन्स कालौनी नई देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य से कम के यूश्यमान प्रतिकत के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरितो (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तथ पारा गरा प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रम्तरण जिस्सित में वास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है:——

- (त) धन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त प्रक्रियम के प्रक्रीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/वा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिवित्यम या धन-कर भिवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

धत: धव, उनत प्रविनियम को धारा 269-ग के प्रमुपरण में, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-थ की उपछारा (1) के अधीन निकासिकत व्यक्तियों, पर्यात:——
3--276GI/79

1. श्रीमती कुलेन्द्रा कुमारी देवी पताः पो० ग्रा० दोहगर जिला सम्लपुर उड़ीसा, हाल निवासी 3, साउथ एवन्यू नई देहली-I (ग्रन्तरक)

 श्री परस नाथ तिवारी डी॰ 389, डिफैन्स कालौनी, नई देहली, (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाद्वियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ; ∤
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलकड़ किसी अन्य स्थित द्वारा, अन्नोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त भिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उम भ्रद्ध्याय में दिया गवा है।

#### अनुसूची

मकान नम्बर सी० 567 जिसका क्षेत्रफल 325 वर्ग गज है डिफैन्स कालौनी दिल्ली में है रजिस्टर्ड दिनांक 19-1-79 है। जिसकी निम्नलिखित बौउन्डी है:—

उत्तर: सर्विस लैन

पूर्व: प्लाट नम्बर 566

दक्षिण : रोड

पश्चिम : प्लाट नम्बर 568

कु० भंजनी भोजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 12-9-79

मोहरः

प्ररूप प्राई • टी • एन • एस ० -----

प्राविकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रज I दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, विनोक 12 सितम्बर, 1979

निर्वेश सं० ग्राई० ए०सी०/एकपु० I/एस ग्रार III/964/जन II(10)/78-79—ग्रतः मुझे कु० ग्रंजनी श्रोजा अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उनके परवात् "उक्त प्रश्चिनयम' कहा गया है), की खारा 269-ख के प्रशीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी संख्या ई 368 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई देहली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रजिस्ट्री करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 19-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार पूर्य से कम के बृश्यमान प्रतिचल के लिये बन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिय तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण चिवित में वास्तविक क्य से कवित नहीं किया वया है।——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त बाबि-नियम के धाबीन कर बेचे के प्रस्तरक के शांकिस में कभी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के बिक्; और/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-गके प्रमुखरण में, में, उक्त श्रविनिथम की बारा 269-ग की उपवादा (1) के अधीन मिन्नलिबित व्यक्तिकों, अर्थात् —

- 1. श्रीमती सुमिन्ना गुलाटी पत्नी स्वर्गीय श्री एच० सी० गुलाटी जरीया मुखतयार श्रीमती सरला गुलाटी पताः 4/24 बन्त्यू ई० ए० करोल बाग नई देहली (ग्रन्तरक)
- (1) श्री वेद प्रकाश मैहता पुत्र श्री हिर चन्द मैहता
   (2) श्रीमित भारदा मैहता पत्नी श्री वेद प्रकाश के०
   102 कालका जी नई देहली।
   (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जत के लिए कार्यवाह्यां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आसीप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी कसे 4.5 विन की प्रयक्षि या तत्सम्बन्धी अपित्रत्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविश्व, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपित्रयों में से किसी अपित द्वारा;
- (ब) इस सूजना के राजपत में प्रकाशम की तारी ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोड्स्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त शिवनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रयें होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

# अनुतूची

प्लाट नम्बर ई० 368 जिसका क्षेत्रफल 249 वर्ग गण जो ग्रेटर कैलाश II नई दिल्ली में है रजिस्टर्ड दिनांक 19-1-79 है जिसकी बौउन्ड्री निम्नलिखित है।

उत्तर: प्लाट नं० ई० 366

उत्तर : रोड

पश्चिम: प्लाट नम्बर ई 370

विक्षण: सर्विस लेन

कु० प्रन्जनी ग्रोजा, सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 12-9-79

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1979

निर्वेष सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० म्रार० III/1-79/ 920/78-79--मत: मुझे, कु० मंजनी मोजा

श्रायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठितियम कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से श्रिष्ठिक है

श्रौर जिसकी संख्या 27-बी है तथा जो मेफेयर गार्डन, नई देहली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता घधिकारी के कार्यालय नई देहली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिक्षा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः —

- श्रीमती साविक्षी इदनानी, पत्नी श्री एस० बी० इदनानी, व्य.
   शारदा ग्रपार्टमट ए-रोड, चर्च गेट, बम्बई-400020।
   (धन्तरक)
- 2. स्व० श्री राजपाल के वालीवारिस 127 श्रीमित संतोष कुमारी राजपाल 2/34, जंगपुरा एक्स्टैन्शन, नई दिल्ली (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम के भ्रष्ट्याय-20क में परिभाषित है, नहीं प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसची

एक 1-1/2 मंजला मकान नं० 27-बी, मेफेयर गार्डन नई देहली, जिसका क्षेत्रफल 619.44 वर्गगज है भौर जिस की बौउंड्री निम्नलिखित हैं:--

उत्तर: मकान नं० 26-बी

वक्षिण: भारतीय बैंक के क्वाटर

पूर्व : मेन रोड पश्चिम : सर्विस रोड

> कु० श्रंजिनी श्रोजा, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-9-79

ोहर :

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०---

ग्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/1/एस० घार० 111/1-79/960/ 78-79--- मतः मुझे कु० ग्रंजनी घोजा आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-रुपये से भाषिक है म्ल्य बाजार भौर जिसकी संख्या एस०-534 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-I, नई देहली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई देहली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख । 29-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है भीर धन्तरक (प्रन्तरकों) धीर प्रन्तरिती (धन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल मिम्नलिखित

> (क) सन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त, प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या

उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित

महीं किया गबा है :---

(च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों, भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:—

- श्री ग्रार० एस० जामवाल चीफ पायलट इन्सट्रकडर, देहली फलाईना कल्ब, नई देहली। (ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सेशंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.न सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिड में किए जा सकेंगे।

स्वर्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पदों का, जो उक्त भिधिनियम, के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्याय में विया गया है।

## मनुसूची

एक 2-1/2 मंजला मकान नं० एस-534, ग्रेटर कैलिंगि-I, नई देहली, जिसका क्षेत्रफल 499 वर्ग गज है।

> कु० भंजिनी भोजा, सक्षम ग्रिक्षकारी सहाक ग्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा : 21-9-79

प्रकप धाई० टी० एन० एस०---आयकर प्रक्रितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-व (1) के ध्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-1 दिल्ली-1

> 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य० I/एस० ग्रार० III/1-79/976/78-79—मतः मुझे कु० ग्रंजनी ग्रोजा ग्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिक है

मौर जिसकी संख्या वुकान नं० 15 है तथा जो सिनेमा कांपलैक्स बिल्डिंग, ग्रेटर कैलाश-II, नई देहली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई विस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 30-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उखित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उबित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्तह प्रविश्वत से प्रधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया थया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक जिल्हित में बास्तिकल कर से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, सक्त धितियम के धधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, ग्राधन-कर भ्रधिनियम, ग्राधन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, धवत प्रधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उनत प्रधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिवित व्यक्तियों जर्यात्:—

- श्रीमती ग्राज्ञा रानी पत्नी श्री हेतराम गौरी निवासी एफ-13, मयुन्सपल डबल स्टोरी मारकीट लोधी कालोनी, नई देहली। (भ्रन्तरिती)
- 2. डी॰ एल॰ एफ॰ युनाईटिड लि॰ 21-22, नरिन्द्र प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई देहली। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविश्व, जो भी श्रविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण:--इसमें प्रयुक्त प्रक्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के भ्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही खर्च होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं 0 15 (पहली मंजल), सिनेमा कांपलैक्स बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 231 वर्गफुट है।

> कु० ग्रंजनी घोजा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज <sup>I</sup>, विल्ली, नई विल्ली-1

तारीखः 21-9-79

# प्रकप पाई • टी • एन • एस •---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज 🛚 दिल्ली-1

4/14 क, आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनौक 20 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार० III 970/78-79—- अतः मुझे कु० ग्रंजनी ग्रोजा ग्रायकर प्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिप्टिन्यम' कहा गया है), की घारा 269-वा के अधील सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूह्म 25,000/- 50 से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या सी-6 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 29-1-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरितं। (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित छड्डेग्य से उन्त भन्तरण निम्लिखत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के घन्नीन कर वेने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भूविधा के सिए;

अतः पव, उनत अधिनियम की धारा 269ना के अनु-सरण में मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ना की उपचारा (1) के अधीन निकननिष्ठित व्यक्तियों, प्रचीतः—

- श्री भ्रोम प्रकाश सोबती पुत्र डा० श्रमोलक राम सोबती निवासी 1198, सैंकटर 18 सी, अन्डीगढ़ । (भ्रन्तरक)
- (1) श्री गयान चन्द ढांडिया पुत्र श्री ग्रमर चन्द ढांडिया
   (2) श्रीमती मंजु कुमारी ढांडिया पत्नी श्री ग्यान चन्द ढांडिया निवासी 68/6 टालस्टाय मार्ग, नई देहनी । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना अरी करके पूर्वीका सम्पत्ति के सजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विश की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास िखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण :---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथं होगा को उस मध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

एक मंजला मकान नं श्री-6, ग्रेटर कैलाश-1 नई देहली जिसका क्षेत्रफल 560 वर्ग गज है ग्रीर जिसकी बौंडरी निम्नलिखित है:—

पूर्व : प्लाट नं० सी-8 पश्चिम : प्लाट नं० सी-4 उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : भेन रोड़

> कु० मंजनी मोजा सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I विल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ख**: 20-9-79

# प्रकप धाई • टी ० एन • एस •---

भायजर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज I दिल्ली-1
4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली।
नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1979
निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/४/एस० ग्रार० XX/1-79/992/78-79—भ्रतः मुझे कु० श्रंजनी श्रोजा
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्ठीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपए से भ्रष्ठिक है

भौर जिसकी संख्या फ्लैट नं ० 106 है तथा जो पहली मंजल, सनेमा कॉफ्लैक्स, ग्रेटर कैलाश-2 नई वेहली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई देहली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 30-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रम्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दाविस्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा घन्व आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय शायकर घडिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घडिनियम, वा धन-कर घडिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, जियाने में सुविधा के लिए;

सतः प्रव, उक्त भविनियम की घारा 269-ग के मनुनरण में में, उक्त भविनियम घारा 269-थ की उक्तारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- डी० एल० एफ० युनाईटिड लि० 21-22, नरिन्द्र व्लेस, पालियामेंट स्ट्रीट नई देहली । (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री हजारा सिंह पुत्र श्री ईशर सिंह (2) हरवन्स सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह (3) श्रमरीक सिंह पुत्र श्री हजारा सिंह निवासी डी-4, वैस्ट एन्ड नई देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीच से 45 विन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकानन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास जिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्वचीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रम्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उस भ्रम्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फलैट नं० 106 (पहली मंजल), सिनेमा कांपलैक्स, ग्रेटर कैलाग, नई देहली जिसका क्षेत्रफल 1062 वर्गफुट है।

> कु० मंजनी भोजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I, विल्ली, नई विल्ली-1

तारीख: 20-9-79

प्रकप थाई॰ टी॰ एन॰ एस॰———— पायकर मिस्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यातय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I विल्ली-1 4/14 क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली ।

नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर 1979

निर्देश सं० भाई० सी०/एक्यु०/I/एस० भ्रार०/III/973/ 1-1979/78-79—भ्रतः मुझे कु० भ्रंजनी श्रोजा,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रुपए से मिधक है

भीर जिसकी संख्या 225 हैं तथा जो जोड़ बाग नई देहली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखत में बास्तविक रूप ने किया नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिष्ठियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (ख) ऐसी किमो बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त, मधिनियम की घारा 269-न के अनुसरण में, में, उक्त भिष्ठिनियम, की घारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन निम्नलखित व्यक्तियों अर्थात:—

- श्री प्रेम नाथ कपूर, निवासी सी-104, डिफैन्स कालोनी नई देहली (अन्तरक)
- 2. दी जीव प्रकाश विद्यापीढ, 23, राज निवास मार्ग, देहली ।

को यह युचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रतेत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किती सन्य व्यक्ति द्वारा, भधोत्तस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

साब्दोकरणः—इनर्ने गृक्त भन्तें प्रीर नहीं का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अमुसूची

एक 2-1/2 मंजला मकान नं० 225, जोड़ बाग, नई वेहली में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 662.5 वर्ग गज है।

> कु० ग्रंजनी श्रोजा, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज <sup>I</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 21-9-70

# प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰-

प्रायमर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, गहायक भ्रायकर भावुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-िदिल्ली-1 4/14, क, अ।मफअली मार्ग, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देण सं० श्राई० ए० सी० /एक्यु०/I/एस० श्रार० III/1-79/919—श्रतः मुझे कु० श्रंजनी श्रोजा

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन यजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गमाति, जिनका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क्युए मे अधिक है

श्रीर जिसकी मंख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव नेव मराय तहसील महरौली नई देहली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणित है),रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई देहली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1-1-1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान यिकित के लिए प्रतिनित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास हरों का कारण है कि प्रयाप्त्रोंका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिगत से प्रधिक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐपे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण निखित में बास्तिक क्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण में हुई किसी माय की **बाबत** उक्त ग्रिधिनियम के श्रुधीन कर देने के भ्रम्तरक के रापित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, तिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
4--276G1/79

- मैंसर्म रोगर ग्रोवरसीज प्रा० लि०, 109, ग्रन्सल भवन, 16, कस्तुरबा गान्धी मार्ग, नई बेहली (ग्रन्तरवः)
- श्रीमती मुधा जजोदिया पत्नी श्री महेन्द्रा कुमार जजोदिया पत्ताः बी० 62 पिषचमी मार्ग, वसन्त विहार नई देह ती (श्रन्तरितः)

को यर मुबना जारो करके पूर्वोत्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन हे सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों '।र सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो गी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित के किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ----इनम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त ग्रिश्वनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषक भूमि की जमीन जिसका माप 7 बिघा 18 विण्वा गांव नेब सराय तहसील महरोली नई देहली में है।

> कु० ग्रंजनी श्रोजा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज <sup>I</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 22-9-79

# प्रकृष भाई • टी • एन • एस • ----

भायकर बिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायकत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I, विल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० ग्रार० 11I/1-79/956—ग्रतः मुझे कु० ग्रंजनी श्रोजा शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-जा के प्रधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है श्रीर जिसकी संख्या 216 है तथा जो विनोभा पुरी लाजपत नगर, नई देहली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधन तारीख 18-1-1979

के प्रधीन तारीख 18-1-1979
को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिश्वित संदेग्य है उपल अन्तरण चिखित में वास्तविक रूप से विश्वत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के प्रधीम कर देने के धम्सरक के वायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सृष्टिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्त्रयों को जिन्हों भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना साहिए या, खिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत:——

- श्री थारू राम सपुत्र श्री बिहारी लाल, पताः 198 विनौभा पुरी, लाजपत नगर, नई देहली (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री जगदीश चन्द सपुत्र श्री सरवारी लाल (2) बन्ता सिंह सपुत्र श्री रत्न सिंह, पता : 16 विनौभा पुरी लाजपत नगर नई, देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत् सम्पत्ति के अर्जन के यंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकालन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पत्रों का, जो उक्त भिवित्यम के ग्रद्याय 20-क में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भश्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक प्लाट नम्बर 216 विनोभा पुरी, लाजपत नगर, नई देहली जिसका माप 400 वर्ग गज है ।

> कु० भ्रंजनी श्रोजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जन रेन्ज-I, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 29-9-79

# प्रकृष धाई० टी • एन • एस • ----

आयकर अधिवियम, 1861 (1961 का 43) की धारा 239ण (1) के मधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाधक भायकर पायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 20 सतम्बर, 1979

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० श्रार० III/1-79/975—श्रतः मुझे कु० श्रंजनी श्रोजा आग्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रवीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ह कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र ६० से प्रधिक है

भौर जिसकी संख्या एफ-7, है तथा जो ग्रीन मार्ग नई देहली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनमूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम, 1908 (1908 का 17) के भ्रधीन तारीख 27-1-79

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उदित बाबार मून्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के निष् प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और पन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तिरित्ते (प्रस्तिरित्ते ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में बास अवक कय से कथिन नहीं किया परा है।---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी माय की अवत उक्त बिध-िनयम, के भंधीन कर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी कण्मे या उमले बजने में सुविधा के लिए। भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी बाय या कि ते धर या अन्य प्रास्तियों की, निस्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 को 27) के श्रयोजनार्थ प्रस्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, िश्रपान में सुविधा के श्रिए:

अ1: भ्रम, उन्त अधिनियम का प्राप्त 26 श्र-ग के भनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 26 श्र-म की उपवारा 1) के समीन निम्नजिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- ले० कर्नल श्री श्राई० पी० दता पुत्र श्री पी० दत्ता, पताः
   डी० एल० एफ० खेड़ा फेम कार्टर पुरी, जिला गुड़गांव (हरियाणा)
   (श्रत्तरक)
- श्री रणजीत सिंह पताः एफब7 ग्रीन पार्क नई देहली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्तत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी धार्कप :--

- (६) हा नुपात है राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन को अविद्या स्तर्सचंद्यी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की सविद्या, को भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशत की तारी छ से 45 दित के भोतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास बिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण ! -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के झम्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अबंहोगा, जो उस ग्रध्याय में दिया क्या है।

# अनुसूची

एक मंजला मकान जिसमें 2-1/2 स्टोरी भवन नम्बर एफ-1, ग्रीन पार्क, नई देहली जिसका माप 311 वर्ग गज है ।

कु० ग्रंजनी ग्रोजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखा : 20-9-79

प्रस्य श्राई० टी० एन० एस० ---

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज I दिल्ली-1 4/14क, आसफअलो मार्ग, नई दिल्ली । नई दिल्ली, दिनांक 21 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० I/एस० आर० III/1-79/ 982—श्रतः मुझे कु० श्रंजनी ओजा श्राथकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

पश्चात् 'सक्त भ्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिक्षीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- से अधिक है

भौर जिसकी संख्या एमं 239 है तथा जो ग्रेटर कैलाण II नई देहली म स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अन्मूची में पूर्व रूप से विजत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 30-1-1989 को

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुक्यमान प्रतिफल के लिए चन्तरित गई है की मुझे यद्द विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित अजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्त्रलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उनत श्रिध-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया ग्राना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः, ग्रव, उक्त ग्रविनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रविनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रवीन, निक्तिचित व्यक्तियों, ग्रवीत:——

- श्रीमती मधु प्रग्रवाल पत्नी श्री मुदर्शन ग्रग्नवाल पताः एम-16 ग्रीन पार्क एक्सटैन्शन नई देहली (श्रन्तरक)
- श्री सत्यापाल कोहली पुत्री स्वर्गीय डा० नायरयण दास कोहली पता: ए 117 डिफेन्स कालौनी, नई देहली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब अ किसी घन्य व्यक्ति डारा, श्रधोत्नस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दो (2) मंजिला मकान भवन नम्बर एम 239, ग्रेटर कैलाश-II नई देहली जिसका माप 400 वर्ग गज है।

> कु० श्रंजनी श्रोजा, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज <sup>1</sup>, दिल्ली, नई दिल्ली,

सारीख: 21-9-1979

प्ररूप भाई • टी० एन • एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रश्नीन सूचना भारत सरकार •

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज I, दिल्ली-1 4/14क, आसफअली मार्ग, नई दिल्ली । नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1979

निर्देण सं० प्राई० ए० सीः/एक्यु०/I एस० प्रार० III/1-79/953—श्रतः मुझे कु० श्रंजनी श्रोजा

आयकर प्रिव्यमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उका प्रधितियम' कड़ा गका है), की धारा 269-ख के प्रधीत नक्षत्र प्रशिवासों को, यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित जाजार मुल्य 25,000/- स्पण् से प्रधिक है

भौर जिसकी पंख्या दुकान नं 11 है तथा जो खन्ना मार्कीट नई देहली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध भ्रनमूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई देहली में भारतीय है रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 16-1-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल है लिए प्रत्नरित की गई है भौर मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पम्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (प्रन्तरकों) भौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक हुए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त ग्रीधिनियम के प्रश्नीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए: भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिश्रिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रंब, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुररण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखन व्यक्तियों, अर्थात् ——

- श्री चरण जीत लाल सपुत्र श्री देवी दयाल, पताः ई-109, करबाला बी० के० दत्त कालौनी नई देहली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सर्सवती देवी विधवा श्री गंगा प्रसाद, पता: 1192 ग्रर्जन नगर नई देहली । (श्रन्तरिती) का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं ।

उक्त सम्मति हे अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 वित की प्रजिति या तत्नमंबी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीतरण :--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पड़ों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, बड़ी ग्रयं होगा जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक दुकान नम्बर 11 खन्ना मार्किट नई दिल्ली जिसका माप 27.7 वर्ग गज हैं।

> कु० म्रंजनी भ्रोजा, सज्जम म्रधिकारी, सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज <sup>1</sup> दिल्ली, नई दिल्ली

**तारीखः 22-9-7**9

# प्ररूप आई•टी• एन• एस•--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घंघीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, म**हायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० एल डी एव/190/78-79—- श्रतः मुझे भ्रार० के० मलहोता,

पायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- इपये से प्रधिक है भीर जिसकी सं० पलाट जिसका क्षेत्रफल 415.55 वर्ग गजा है तथा जो न्यू लाजपत नगर, पखीबाल रोड़, लुधियाना में स्थित है (शीर इसमें उपाबद अनुसूची में शीर पूर्ण क्ष्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन,

तारीख जनवरी, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के
बृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है और मृशे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और
धन्तरक (मन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच
ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिवक अप से किशत
नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्भरण से हुई किसी श्राय की बाबन उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/धा
- (ख) ऐनो किसी आप या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) ६ प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में वृदिया के लिए;

प्रतः धन, उक्त प्रश्नितियम, की धारा 269•ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की खारा 269•थ की उप-धारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ——

- सर्वश्री मंगत राम, दर्शन कुमार व श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री दुर्गा दास वासी मनसूरां, जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सतीश सोई पुत्र शाम लाल, वासी बी-8-635, पिण्डी स्ट्रीट, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त समासि के घर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीश्व से
  45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,
  जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
  बारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक्ष में प्रशामन की नारीक्ष से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
  में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-भियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

#### **बनुसूची**

पलाट जिसका क्षेत्रफल 415.55 वर्ग गज है और जो न्यू लाजपत नगर, पखोबाल रोड़, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के जिलेख संख्या 4017, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 6 सितम्बर, 1979

मोहरः

प्रकप भाई • टी • एत • एस • ---

# आयकर पाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 म (1) के धंधीन सुचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज ग्रायकर भवन लुधियाना
लुधियाना, दिनाक 6 सितम्बर, 1979

सं० एल डी एच। /107/78--79---ग्रतः मुझे ग्रार० के० मलहोस्ना, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पक्चात् 'तक्त भश्चिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुष 25,000/∼ रु० में श्रक्षिक है भौर जिसकी सं शाप कम गोदाम जिसके पलाट को क्षेत्रफल 177.7/9 वर्ग गज है तथा जो न्यू ग्रेन मारकट, मुल्लापुर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ल्धियाना में, रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजारमूल्य से कम के दूश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्तरण निखित में

(क) जन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उकत प्रधिनियम के भ्रजीन कर देने के ग्रन्टरक के वायित्य में कभी करने मा जससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या

बास्तिकि रूप से कथिय नहीं किया गया है:--

(ब) ऐसी जिसी आप या जिसी वन या भन्य घास्तियों को जिन्हें घायकर घिंवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के घरोजनार्थ धन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, शिवाने में सुविधा के लिए।

बता धन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुतरण में, मैं, उन्त अधिनियम, की बारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती कुलवन्त कौर पत्नी श्री लच्छमन सिंह मारफत मैंसर्ज मेखों कोल्ड स्टोरजा, श्रड्डा मुल्लापुर दाखा, जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री नौ ह्रीया मल मारफत मैनर्ज रधवीर प्रताद मुभाष चन्द, फरटीलाईजर डिलर, मुल्लापुर मण्डी, जिना लुधियाना। (अन्तरिती)
- अो नौ हरोबा मल मारका रववोर प्रमाद सुभाष चन्द, मुल्लापुर मण्डी। (वह व्यक्ति, जिसके प्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के निए कार्यग्रहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंध व्यक्तियों पर सूचना को जामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (वा) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीखी से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताकारी के पा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियन के प्रव्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भव्याय में विचा गया है।

## अनुस्ची

णाप कम गोदाम नं० 71, ग्रेन मारकट, मण्ड़ी मुल्लां-पुर।

(जायदाद जुमािक रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5627, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> भ्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 6 सितम्बर, 1979

प्ररूप आई• टी॰ एन० एस० -----

भायकर अर्घिनयम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269 घ (1) के प्रधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक, 6 सितम्बर, 1979

सं० एल डी एच/आर/108/78-79---श्रतः मुझे श्रार० के० मलहोत्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कपये से प्रधिक है और जिमकी सं० पलाट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा जो ग्रेन मारकट, मुल्लापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्ष्म से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) पौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- क) अन्तरण से हुई किसी भागकी बाबत उक्त ग्राधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसा किसो आथ या किसी बन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविद्या के लिए:

मतः, मन, उत्त प्रधिनियम की धारा 269ना के मनु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269ना की उपकारा के (1) अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् ।→~  श्रोमती कुलबन्त कौर पत्नी श्री लच्छमन मिह मारफत मैंमर्ज सेखों कोल्ड स्टोरज, श्रद्डा मैल्लापुर दाखा, जिना लुधियाना। (श्रन्तरक)

 श्रीमतो रेशमा देवी पत्नी श्री मता राम पुत्र श्री चूत्रश्रीया मल, मारफत मैंनर्ज रघवीर प्रमाद सुभाष चन्द्र, फरटी-लाईजर ड़िलर, मण्डी मुल्लापुर, जिला लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

तकत सम्यानि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राजित :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी श्रवित डारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:---६ पर्ने प्रयुक्त शब्दां और पर्वा का, जो उक्त सिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भ्रनुसूची

पलाट जिमका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है जो ग्रेन मार कट, मुख्लापुर में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रिअस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5628 जनवरी, 1979 में दर्ज है)

ग्नार० के० मलहोत्ना, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

विनांक: 6 सितम्बर, 1979

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक, 6 सितम्बर, 1979

सं० एल डी एच/आर/115/78-79---ग्रतः मुझे ग्रार० के० मलहोझा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के सिधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से सिधक है

श्रीर जिसकी सं० पलाट नं० 3 के, जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है तथा जो सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रिजस्ट्रीकर्रण श्रिधिनियम, 1908 1098 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के निये सन्तरित की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से सिक्षक है सौर अन्तरक (सन्तरकों) सौर सन्तरिक (अन्तरिकों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए तय पाया यया प्रतिकल, निश्निक उद्देश्य से स्वत्त अन्तरक मिक्ति में बाल्यकि कप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के स्थान कर देने के घन्तरक के बाधिश्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; बौर/ग
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी अन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध प्रकारितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा, खियाने में सुविका के लिए;

अदः अव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व के कन्तरच में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, कवीत :——
5—276GI/79

- श्री ग्रमरीक सिंह पुत्र श्री पुरन सिंह,
   वासी सुनेत, तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जोगिन्दर सिंह पुत्त श्री रखा सिंह, वासी 601, फिरोजपुर रोड़, लुधियाना। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति से प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारी खारे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबट किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोद्दस्ताक्षरी के पास विश्वित में किये जा सकेंगे।

स्पाक्तीकरण :----इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यका परिभाषित हैं, वहीं गर्य होगा, जो उस ग्रज्याय में विका गया है।

#### प्रनुसूची

पलाट नं० 3 के, जिसका क्षेत्रफल 800 वर्ग गज है भ्रौर सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि जिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5897, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> ग्नार० के० मलहोस्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 6 सितम्बर, 1979

मोहरः

प्रकृप बाई । टी । एन । एस • ----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269क्ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- व्यये से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 2 मरले है तथा जो गांव राहोन जिला लुधियाना में स्थित है (मौर उपायद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मिश्रित के कार्यालय, खन्ना में, रिजस्ट्रीकरण शिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत से प्रधिक है भीर घन्तरक (घन्तरकों) भीर घन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सेंस्परण विश्व पाया गया। है।

- (क) अन्तरण सें हुई किसी बाय की बाबत स्वक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किती वन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रीधनियम, या धन-कर ग्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में मुविधा के निए;

क्तः प्रव, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, प्रचाँतु:----

- श्री ज्ञान सिंह, हरबन्स सिंह व सन्तोष सिंह पुझ श्री बेला सिंह वासी राहौन, नजदीक खन्ना। (ग्रन्तरक)
- श्री बलजीत सिंह पुत्र श्री श्रमर सिंह,
   पुराना सिनेमा रोड़ खन्ना, तहसील समराला।
   (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भानेन के लिए कार्यवाह्रियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धालेप: --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की धर्विष्ठ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की धर्विष्ठ जो भी भवषि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इत सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की नारोब से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध
  किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकारी के पास
  लिखिन में किये जा सकेंगे।

श्पक्टीकरण :--व्यसमें प्रयुक्त शक्दों श्रीर पदों का, जो उक्प श्रिष्ठित्यम के श्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रक्ष्याय में विया क्या है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 2 मरले है श्रीर ओ गांव राहौन, तहसील समराला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, खन्ना के कार्यी-लय के विलेख संख्या 1654, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक: 6 सितम्बर, 1979

प्ररूप गाई०टी०एन०एस०-

बायकर अधिक्यिम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रायकर लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

निर्देण सं० एल०डी० एच०/193/78-79:----ग्रत० मुझे, ग्रार० के० मल्होत्रा,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व • से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 784 वर्ग है तथा जो तरक सेखेवाल, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिथिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, तारीख को जनवरी, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का वस्द्रह प्रतिश्वत ग्रिधक है, और भन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तिरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त स्थितियम के मधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन मा अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था; खिपाने में पुविधा के सिए;

अतः। सर्व, उक्त अधिनियम की सारा 269-ग के अनुसरण में, में, एक्त प्रधिनियम की सारा 269-व की उपदारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यन्तियों अर्थात् :--  श्रीमती सकन्दरा रानी जैन पत्नी सिरीपाल जैन, मकान नं० 121, घाटीगुजरां, नजवीक डिविजन नं० 4, लुधियाना।

(अन्तरक)

 मैसजं पसरूर जैन दुगड़ बरादरी द्वारा श्री मदन मोहन सेटल, प्रधान सोसाइटी, कटरा नौहरीयां, लुधियाना।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी जबिंध बाद में समाध्त होती हों, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस शुक्ता के राजपद में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में दिवबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्यी वर्णः -- इसमें प्रयुक्त गड्दों भीर पदों का, जो उन्त ग्रांधिनियम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्ष होगा, जो उम भ्रष्ट्याय में विशा गया है।

#### अनुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 764 वर्ग गज है ग्रीर जो तरफ सेखेवाल, जी० टी० रोड, वाई पास, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4020, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> भ्रार० के मलहोसा सक्षम भ्रधिकारी; सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 6 सितम्बर 1979

प्रकप आई• टी• एन• एस•---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के घडीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एल० डी० एच०/192/78-79ः—श्रतः मुझे श्रार० के० मल्होस्रा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र• से स्थिक है

प्रौर जिसकी सं० दो मंजिला मकान तरफ सेखोबाल, हैं तथा जो जी० टी० रोड बाई पास, लुधियाना में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिशत मधिक है मोर मन्तरक (मन्तरकों) चौर धन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए वयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण, निम्लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी जाय को बाबत, उक्त प्रधिक नियम के अधीन कर बेने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी घन या घम्य श्रास्तियों को, जिन्हें धायकर श्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिविनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया या किया जाना चाहिए था, किया में सुविधा के लिए;

अतः ग्रम, उम्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, ज्वर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—  श्रीमती संकदरा रानी जैन पत्नी श्री श्रीपाल जैन, मकान नं० 12 घाटी गुजरां, नजवीक इविजन नं० 4 लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्ज पसंरुर जैन दुगड़ बरादरी द्वारा श्री मदन मोहन सीतल, प्रधान सभा, कटरा नौहरीयां, लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के प्रजंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
  की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
  बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
  में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, धक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुवत शब्दों भीर पदों का, जो उवत अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिकाषित हैं वही अये होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### प्रगतको

मकान जो तरफ सेखाबाल, जी० टी० रोड बाई पास, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियना के कार्यालय के विलेख संख्या 4019, जनवरी, 1979 में दर्ज है।)

> श्चार० के० मल्होता, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज, लुधियाना

तारीख 6 मितम्बर, 1979 मोहर:

# प्रकप भाई । टी । एत । एस -----

# भायकर ग्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात् 'उनत प्रधितियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृस्य, 25,000/- ६० से प्रधिक है

अौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 118 कनाल मरले है तथा जो गांव बेला राम गढ़, तहसील अनन्पुर साहिब में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, आनन्दपुर साहिब, में, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अभ्रतित की गई है भीर मृत्रे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वत से अधिक है भीर अन्तरक (अम्तरकों) भीर अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नकिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति के वास्तिक कर से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) धानतरण से हुई किसी आय की वाक्त उपत विकित्त नियम के प्रशीन कर देने के प्रन्तरक के धारित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिये; और/या
- (ख) ऐसी किता आय या किता धन या धम्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर घिष्टिमम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टिमम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तियती धारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जामा चाडिए था, खिपाने में नुविधा के सिबे;

अतः ग्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के ग्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात् :---

- 1. श्री दरबारा सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह, गांव पलासी तहसील श्रानन्दपुर साहिब।
- श्री गरुदेव सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह, श्री जगतार सिंह, श्री ग्रवतार सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह, वासी बेला राम गढ़ तहसील ग्रानन्वपुर साहिब। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस मूचना के राजपन में त्रकाशन की तारीख से 45 विश के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों की, जो उक्त अधिनियम के घड़वाब 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 118 कनाल 4 मरले है श्रीर जो बेला रामगढ़ तहसील श्रानन्दपुर साहिब में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी, श्रानन्दपुर साहिब के कार्यालय के विलेख संख्या 1702, जनवरी, 1979 में दर्ज हैं)

श्रार० के० मल्होता, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

प्ररूप आई • टी • एन • एस • ----

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एल० डी० एच०/173/78-79:---श्रतः मुझे ग्रार० के० मल्होला

भायकर भ्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीत सम्रम ग्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से भ्राधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी०-838 जिसके पलाट का क्षेत्रफल 330 वर्ग गज है तथा जो कृष्णा नगर, किरोजपुर, रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अपुत्र नो में श्रीर पूर्ण का से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिकृत के जिए अन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पश्चद्व प्रतिशंत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिकृत, निम्निधित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विषित में बास्तविक क्य से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रषीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए भौर/या;
- (ब) एसी किसी प्राय या किसी धन या भन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए;

स्रतः प्रव, उन्त प्रविनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के सम्रीम, निम्मसिखित व्यक्तियों, धर्मात्र्य—  श्री अवतार सिंह पुल श्री सोहन सिंह वासी ई०-37 सराभा नगर, लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती (डा०) ग्रमरजीत कौर पत्नी श्री जगमोहन सिंह, बी०-20-838, कृष्णा नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियान। (ग्रन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के ।लए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशम की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का जो उक्त श्रक्षितियम के श्रश्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस शब्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

मकान नं० बी०-20-838, कृष्णा नगर, फिरोजपुर रोड, लुधियाना जिसके पलाट का क्षेत्रफल 330 वर्ग गज है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3790, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

ग्रार० के० मल्होता सक्षम प्राधिकारी; सद्घायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); भ्रजेंन रेंज, लुधियाना

प्रकृप भाई• टी• एन• एस•-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269व(1) के झसीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एल० डी० एच०/207/78-79:—श्रतः मुझे श्रार० के० मल्होता

आयकर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका खिलत बाजार मूल्य 25,000/-द० से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० पलाट जिसकक्षेत्रफल 3097 वर्गं गज है तथा जो साराभा नगर, लुधियाना में स्थित है ( छौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में छौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के स्थित साजार मूल्य सं कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का क.रण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृह्य, तसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकास से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (प्रस्तरकों) प्रोर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तये पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण जिखित में बाह्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) यस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उनल ग्रिष्ठिक नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुखिझा के लिए। गौर/णा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 को 11) या अनत मिश्रिनियम, या धन-कर भिश्रियम, 1957 (1957 का 27) के जयोजनार्थ सम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए गा, छिपाने में मुक्किश के लिए;

गत: अन; उक्त प्रधिनियम की बारा 269 ग के प्रतृ-सरण में, में, उक्त धिधनियम की खारा 269 व की इक्षारा (1) के खधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्माकृ। ---

- शीमती गुरबचन कौर पुत्नी श्री केहर सिंह, श्री गुरमेल सिंह, गुरदेव सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, वासी 21-फोरट स्ट्रीट, बारले बैस्ट, मिड़ लैंण्ड, इंगलैंड, श्रब गांव बरसल तहसील जगराश्रो जिला लुधियाना। (श्रन्तरिती)
- 2. श्री विजय कुमार, श्री ग्राणिण कुमार व श्री ग्रणोक कुमार मुन्जाल पुत्र श्री दया नन्द श्रीमती पेखा मुन्जल पत्नी विजय कुमार मुन्जल, श्रीमती सोभाना मुन्जल पत्नी श्री ग्राणिण कुमार श्रीमती नीलम मुन्जल पत्नी श्रणोक कुमारआरे वासी-21,सार० माडल टाउन, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की धविध या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचन! की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त स्थक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस शूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवढ़ किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सचेंगे।

## अनुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 3097 वर्ग गण है भौर जी साराभां नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कर्यालय के विलेख संख्या 4065, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> श्चार ०के ०मल्होत्ना मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्चर्णन रेंज, लुधियाना

तारीखः ६ सितम्बर, 1979

मोहरः

प्ररूप ग्राई • टी • एन • एस • ----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनौंक 6 सितम्बर, 1979

सं० एज ० डी ० एच ०/208/78-79:—- ग्रतः मुझे श्रार० के ० मल्होत्रा,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ह॰ से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं उ दुकान सं व बी ०-16/185/8, जिसके पलाट का क्षेत्रफल 77. 1/2 वर्ग गज है तथा जो लिंक रोड, गिल चौक, लुधियाना, से स्थित है (श्रीर इउसे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना से, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्त्रह प्रतिशत श्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भौर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रह्मियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के निए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ झन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधिन नम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—  श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री सुजान सिंह, 177-श्रार, माडल टाउन, लुधियाना।

(म्रन्तरक)

 श्री अवतार सिंहपुत श्री ज्ञान सिंह, 68-टीचर कालोनी शास्त्री नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तस्संबंधी म्यक्तियों पर शूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी श्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

# अमुसूची

वुकान नं वे बी ०-16-185/8, लिंक रोड, गिल चौक, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4074, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> न्नार० के० मल्होस्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 5 सितम्बर 1979

मोहर

प्रस्प माई० टी० एन० एस०-

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा -269 थ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर भायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर 1979

सं० एल ० डी ० एच ०/203/78-79:⊷-अतः मुझे श्रार० के० मल्होता,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है तथा जो निश्रामपुर, तहमील लुधियाना से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, लुधियाना, से, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से तुई किसी थाय की वाबत, उक्त धिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को
  जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त श्रिधितयम,
  या धन-कर श्रिधितियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थ घन्तिस्ती द्वारा प्रकट नहीं
  किया गया था या किया जाना चाहिए था;
  छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रामीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रायीत्:—

- श्री मुच्चा मिंह पुत्र श्री रुलिया व श्रीमती इन्द कौर पुत्री रुलिया वासी गिन्नासपुरा, तहसील लुधियाना (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्ज पी० एस० एण्ड सन्ज, जी०टी०रोड, लुधियाना द्वारा श्री प्रीतम सिंह, गुरचरन सिंह, हरबन्स सिंह, व बलवन्त सिंह।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी प्रस्थ व्यक्ति, द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त श्रिधिनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, बही अथ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है और जो निम्नासपुरा, तहसील लुधियाना सें स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4054, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> श्रारं० कें ० मल्होता सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 6 सितम्बर, 1979

मोहर:

6--276GI/79

青 1--

प्रकप भाई • टी • एन • एस •----

भायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269 व (1) के ग्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 सितम्बर, 1979

सं० एल० डी० एच०/255/78-79:——आतः मुझे आर० के० मल्होता,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रक्षित्रमा' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रुपए मे अधिक है

घौर जिसकी सं ० कोठी नं ० 99-एल, है तथा जो माडल टाउन, लुधियाना, सें स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण, श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोबत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से धिक है भौर अन्तरक (अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उधेश्य से उबत अन्तरण लिखित में वास्तिबक इप से कवित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त शिक्षिममा, के अधीन कर देने के शन्तरक के वाभित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिडिनियम, या धन-कर यिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्लिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मता भव, उक्त मिनियम की घारा 269ना के बब्धरण में, में, उक्त प्रांशंनयम की घारा 269न्य की उपधारा (1) के समीव, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवांत् :---

- श्रीमती सुहागवन्ती पत्नी श्री राम रखा शर्मा, वासी कोठी नं ० 99-एल ०, माडल टाउन, लुधियाना। (ध्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमलेश रानी पत्नी श्री श्रोम प्रकाश, वासी 93-एल ०, माञ्चल टाऊन, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजान के संबंध में कोई भी धाक्षीप--

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धर्वाध, वो भी प्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जकत श्रधिनियम के सध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

### भनुषुषी

कोठी नं० 99-एल जिसका क्षेत्रफल 594.7/9 वर्ग गज है और जो माडल टाउन, लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रेजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 4409 फरवरी, 1979 में वर्ज है)

> भ्रार० के० मल्होसा सक्षम स्रधिकारी, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लुधियाना

प्रकप धाई॰ ही॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ख (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भाषकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

सं० पी० टी० ए०/297/78-79ः—⊷ग्रतः मुझे श्रार० के० मल्होता

धायकर धिवनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त घिवियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घोतिन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि क्यावर सम्पत्ति जिसका अचित बाजार मूक्य 25,000/-२० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो बंडूगर, पटियाला सें स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर ग्रनुसुची सें पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1979
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित्त की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाइ प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में
बास्त्रविक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) चन्तरण से हुई किसी माय को बाबत, उपत भ्राधिनियम के मधीन, कर देने के मन्तरक के बायित्व में कभी करने या इससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त घिष्ठित्यम, या धन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के घ्रयोजनार्थ घन्त्ररिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने के सुविधा के निए;

धतः ग्रव, उस्त ग्रविशियमं की बारा 268-मं के प्रमुसरण में, में, उस्त ग्रविशियमं की बारा 269-मं की उपवारा (1) के अधीन निम्नविश्वित क्यक्तिकों अर्थातः—

- श्री हरी सिंह पुत्र जीवन सिंह, वासी बंडगर, पिटयाला । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राम चन्द वासी बंडूगर रोड, पटियाला (पास मकान राम लोक)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त भिन्निन्म, के भव्याय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा जो उस श्रध्याय में दिया गथा है।

### अनुसूची

मकान जो बंडूगर, पटियाला सें स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 6070, मार्च, 1979 में दर्ज है)

> श्रार० के० मल्होत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

प्ररूप आई • टी • एन • एस •----

अप्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रार्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० पी॰ टी॰ ए०/१/78-79ः—-श्रतः मुझे श्रार०के० मञ्जेला

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इंक पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 बिग्वा (935 वर्ग गज) है तथा जो बंडूगर, तहसील पटियाला सें स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसुचों में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैल, 1979 को

भ्रवान, ताराज अभ्रल, 1979 पा
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल
के लए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से भ्रधिक है
भार मृन्तरक (शन्तरकों) भौर अन्तरिती (भन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किवत नहीं
किया गया है।-~

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्ते अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुकिसा के जिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधि∗ नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए ;

अतः सब, उक्त मधिनियम की धारा 269 ण के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 प की उपधारा (1) के मधीन, भिम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—:

- श्री प्रेम नाथ सेठ पुत्र सोहन लाल जनरल ग्रदारनी श्री विनोद कुमार पुत्र श्री मदन लाल ग्रामोक कुमार पुत्र श्री मदन लाल वासी चिकस होटल, नवां पटियाला (श्रन्तरक)
- 2. श्री निरन्दर सिंह पुत्र जगीर सिंह वासी गांव टोहरा, तहसील नाभा जिला पटियाला।

(भ्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पब्लीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# **अनुसूची**

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 विश्वा (935 वर्ग गज) है ग्रीर जो बंडूगर, जिला पटियाला में स्थित है। (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 192, ग्राप्रैल, 1979 में दर्ज है)।

ग्रार० के० मल्होत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

प्रकप साई• टी॰ एत• एत•----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रधीन सूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)** ग्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं०पी टी०ए/215/78-79:—-अप्रतः मुझे आर० के० मल्होता

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रिभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/॰ र॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा जो न्निपड़ी साईदां, पटियाला, में स्थित है(श्रौर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला, में, रजिस्ट्रीकरण, श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वाक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं भौर मुझे यह विश्थास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:——

- (क) अगरण से दुई किनी आय का बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरक क दायिश्व में कमी करने या उसस बनने म सुविधा के लिए; घीर/या
- (ख) ऐसी किसा आय या किसी धन या मध्य मास्टियों को, जिन्हें साय-कर श्रीव्यतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रवित्यम, या धन-कर ग्रीव्यतियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विद्या के सिए;

अतः सब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल बीवरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री लाल ईन्दर सिंह पुत्र श्री सुखिन्दर सिंह, 27-डी॰ माडल, टाउन, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की शविधि, जो भी शबिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्विस्तरों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोह्स्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः इसमें प्रगुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्याय में विशा गया है।

# अमुसुची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है श्रीर त्रिपड़ी साईवां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी, पटियाला के कार्यालय के बिलेख संख्या 5118, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> म्रार० के ० मल्होत्ना सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज,लुधियाना

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, म्नायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं. 75/55/78-79:— अतः मुझे आर० के० मल्होत्रा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्तात् 'उन्त प्रश्निनियम' कहां गया है), की जारा 269 ख के ब्रजीन सक्षय शिविकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल 8 मरले हैं तथा जो गांव माशीगां, सब-तहसील दुधां सुधां में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, दुधां सुधां में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1979 की

प्वोंकत पर्नाति के उचित बाजार मूल्य से नम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, बसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत प्रधिक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर भन्तरिती (अलरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से चन्त भन्तरण लिखित में बन्दिक कर से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्।रग से तुई कियो आय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए भौर/या
- (आ) ऐसी किसी पाय या किसी घन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या या क्या जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त समिनियमं की भारा 269-गांक सनुसरण में; में, उक्त समिनियम, की भारा 269-ए की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :— 1. श्रो मनीहर सिंह पुत्र श्री राम सिंह वासी 1012/3, खालसा मीहल्ला, पटियाला, जी ० ए० माया सिंह पुत्र गुरदित सिंह, श्रोमतो प्रमेश्वरी कौर पत्नी स्व० हीरा सिंह व विरिन्दर सिंह, निरन्दर सिंह, कुलबोर सिंह, गुरदित सिंह, पुत्र स्व० हीरा सिंह वासी बम्बई।

(ग्रन्तरक)

 श्री प्रेम सिंह पुत्र तुलसा सिंह वासी म्रात्म नगर, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

 मैसर्ज स्लदा राम, नानक चन्द, गांव माशोगां, सब-तहसील दुधां सुधां जिला पटियाला।

--- (वह व्यक्ति, जिसके बारे से प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति से हितबद्ध है)

को यह स्वता जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाषीप :--

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की वारीख से
  45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर
  सूचना की वामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
  धविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी भ्रत्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीक्षरणाः — इसमें प्रयुक्त प्राक्तों भीर पर्दों का जो उकता. भिवित्यम के भव्याय 20-क में परिकाधित हैं, वहीं भवं होगा जो उस अवस्याय में दिमा कथा है।

# वमुसूची ु

भूमि जिसका क्षेत्रफल 51 कनाल 8 मरले है भौर जो गांव माशीगां, सब-तहसील दुधां सुधां, में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी, बुधां सुधां के कार्यालय के विलेख संख्या 719, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> स्रार० के० मल्होता सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० सी एच० डी०/265/78-79:--भातः मुझे भ्रार० के० मल्होसा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र• से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1.1/2 मंजिल मकान नं० 1243 जिसके पलाट का क्षेत्रफल 275 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 19-वी चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्बरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से पिछक है भीर अम्बरक (अन्वरकों) और अन्वरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अम्बरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्बरण जिल्लिस में शस्तिक कप से कवित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ये हुई किसी आय की वाबत, उक्त एक्तियम क प्रधान कर देने के मन्तरक के धायिक में अभी करवे या उससे मचने में मुखिका के लिए; धीरा या
- (ख) ऐसी किसी अप या किसी धन या अस्य सास्तियों को जिन्हों भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में भृतिहा के लिए।

जतः जन, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के बचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्योत्:——

- श्री जी० एलं० नन्दा पुत्त श्री दिवान चन्द नन्दा, वासी मकान नं० 1191, सैक्टर 18-बी०, चण्डीगढ़ (मैंनेजर,न्यू बैंक ग्राफ इण्डिया, सैक्टर 17, चण्डीगढ़) (अन्तरक)
- 2. डा० एच० सी० गुप्ता पुत्र श्री ग्रार० सी० श्रीमती मुदेश गुप्ता पत्नी श्री एच० सी० गुप्ता, वासी 188, सैक्टर 16ए०, चण्डीगढ़। प्रान्तरिती)
- 3. (1) श्री नरिन्दर कुमार गोयल पुत्र श्री सीता राम वासी 259-इण्डस्ट्रीअल एरिया, चण्डीगढ़।
  - (2) डा ० सरिता मल्होत्रा पत्नी श्री भ्रनील मल्होत्रा पहली मंजिल, मकान नं ० 1243, सैक्टर 19-बी ०, चण्डीगढ़। — (वह व्यक्ति, जिमके श्रिधिभोग में सम्मिति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुख्क करता हूं।

ारत नौरित क धार्तन ह लंबीब हैं कोई भी प्राक्षी :---

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की घविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील मे 30 दिन की घविध, जो भी धविध बाद में अमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सफेंगे।

क्षकटीकरण: --- इसमें प्रयुक्त प्रक्तें श्रीर पदों का, जो उक्त श्रीध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रूषें होगा जो उस प्रश्राय में दिस गया है।

# **प्रनुसू**ची

मकन नं ० 1243, सैक्टर, 19-बी ०, चण्डीगढ़। (जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के जिलेख संख्या 808, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

श्रार० के० मल्होत्ना सक्षम प्राधिकारी (सहायक द्यायकर प्रायुक्त, निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-9-79

कार्यालय सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जेन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लिधयाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं०पी०टो० ए०/230/78-79:⊷श्वतः मुझे, श्रार० के० मल्होत्रा,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 च के भिश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि श्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपए से भिष्ठक है

ग्रौर जिसकी सं ० पलाट जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 6 मरले है तथा जो त्निपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (ग्रौर इस से उपाबद्ध ग्रानुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1979 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तिरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) घीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के ग्रग्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रीविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीविनयम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती हारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिखित व्यक्तियों, ग्रंबीत्:--

- 1. श्री गुरिन्दर सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, वासी बीवरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला। (भ्रन्सरक)
- 2' श्रीमती जगबीर कौर, बलबीर कौर पुत्रीयां श्री गुरवचन सिंह बासी कोठी नं० 133, पंजाबी बाग भूपिन्दरा रोड, पटियाला।

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 6 मरले है और जो त्रिपडी साईदों, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5343, फरवरी, 1979 में दर्ज है)

> भ्रार० के० मल्होता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण भ्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11 सितम्बर, 1979

प्रकृप धाई∙ टी∙ एन∙ एस∙----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के धन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायश्व भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पीटीएफ०/259/78-79—यतः मुझे, झार० के० मलहोता

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा वस है), की घारा 269-च के प्रचीन तथाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 4 मरले हैं तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थिति है श्रीर (इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रीवियनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रावीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्वरंभ के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तर्य निक्ति में वास्तिक
स्म से किवा नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी बाव की बावब उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के बावावक के वाभित्व में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा के बिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी माप या किसी वन वा मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय माय-कर मिनियम, 1922 (1922 वा 11) या वन्त मिनियम, या धन-कर मिथिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः, मस, उन्त अधिनियन की बारा 269-न के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-म की उपघारा (1) के सधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---7---276G1/79

- श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, बिवरीयां स्ट्रीट, लाहौरी गेट, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री मनजीत सिंह श्राफ सुनाम, मारफत हरजीत सिंह पुत्र हरदेव सिंह गरेवाल, बीवरीयां स्टीट, लाहौरी गेट, पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उपत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीया से
  45 विन की शब्धि या सम्बंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की शब्धि
  जो भी शब्धि बाद में समाप्त होती हो, के
  भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
  हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रक्षतीकरन:--इसमें प्रयुक्त भड़ों घोर पर्यो का, जो उक्त धिर्मियम के घष्ट्याय 20-क में परिमाधित हैं, नहीं प्रयं होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मगु सुषी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 4 है मरले श्रीर जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5614, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> भ्रार० के० मलहोता सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीखः 11 सितम्बर 1979

प्रकप साई • टी • एन • एस • ----

आयकर प्रविधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीत सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांकः 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० सीएचडी०/279/78 79—ग्रतः मुझे, श्रार० के० मलहोता

आयकर प्रक्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बूथ नं० 11, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 24.97 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 27 डी० चन्ड़ीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चन्ड़ीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारज है कि यवापुर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूक्त, उसके बृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से किंचत नहीं किया गया है:——

- (क) झन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अजिनियम के अजीन कर देने के झन्तरक के वायित्य में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के विए; प्रौर/या
- (क) ऐसी किसी भाग वा किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए चा, छिपानें में सुविद्या के लिए;

भतः सब, उन्त प्रधिनियम की आरा 269न के सनुसरण कें; में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269व की इपयारा (1) के समीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—- 1. श्री कुन्दन लाल पुत्र श्री सुख दयाल, वासी मकान नं० 3592, सैक्टर 37-डी, चन्ड़ीगढ़।

(श्रन्तरक)

2. श्री नरबन्त सिंह बगा पुत्र श्री संतोष सिंह बगा व श्रमरजीत सिंह बगा पुत्र श्री नरबन्त सिंह बगा, वासी मकान नं० 3095, सैक्टर 15 डी, चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

 डा० बी० एस० नन्दा, बूथ नं० 11, सैक्टर 27-डी, चन्डीगढ़।

> (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# चन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाकेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की ग्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की ग्रविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीज सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संपत्ति में द्वितब्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा सजोहस्ताकारी के पास किखात में किए जा सकोंगे।

#### भगुतची

बूथ नं० 11, सैक्टर 27-डी, धन्डीगढ़ जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 24.97 वर्ग गज है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 908, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्चार०के० मलहोद्या सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-9-1979

# प्रकर बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

# प्रायकर मित्रित्यम, 1961 (1961 का क्टें, की भारा 269=व (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० सी एच डी०/277/78-79—श्रतः मृझे, स्नार० के० मलहोता

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिनियम' कहा गया है। की घारा 269-ख है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- २० से भिन्न है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 608, जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 1014 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 36 बी, चन्डीगढ़ में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता मिश्वकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण मिश्विकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण मिश्विकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण मिश्विकारी, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के छनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत से प्रधिक है और मन्तरक (प्रन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के निए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण सिजित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिश्तियम के सभीत कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी भाग या किसी घन या धन्य भास्तियों को, जिन्हें भायकर भिश्चित्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्चित्रम, या बन-कर मिश्चित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया बाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः श्रम, उत्ततं श्रीवित्यमं की शारा 269-म के श्रमुसरण में, में, उत्ततं अधिनियमं की भारा 269-म की उपवारा (1) व्यक्षीन, विश्वसिक्ति व्यक्तियों, श्रमौत्।---

- 1. श्री करतार सिंह लीली पुत्र श्री गुरिवत सिंह मारफत दी इंडियन पलाई बुड मैं निफैक्चरिंग कम्पनी, डंडेली, नार्थ कानरा (करनाटका) द्वारा श्री बलवेब सिंह नागरा पुत्र श्री हरेबन्स सिंह नागरा वासी मकान नं० 14/3 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
- 2. श्री हरिमन्दर सिंह पुत्र श्री गुरसरन सिंह बाला वासी मकान नं० 453/35 ए, चन्ड़ीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 विन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोद्दस्ताकारी के पास जिक्कित में किए जासकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रबुक्त कन्दों भीर पर्धों का; जो उक्त धिवितयम के घन्नाय 20क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होना, जो उस धन्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसूची

पलाट नं० 608 सैकटर 36-बी, चन्डीगढ़ जिसके पलाट का क्षेत्रफल 1014 वर्ग गज है।

(जायेदाद जैसािक रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, चन्ड़ीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 902, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

ग्नार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-9-1979

प्रकप बाई । टी । एन । एस । ---

सायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के सभीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, आयकर भवन लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० सी० एच० डी०/282/78-79—अतः मुझे, श्रार० के० मलहोत्ना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रसित्यम' कहा गमा है), की घारा 26% ज के घर्षान सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द॰ से प्रधिक है

म्रोर जिसकी सं० पलाट नं० 50 जिसका क्षेत्रफल 500.5 वर्ग गज है तथा जो स्ट्रीट सी० सँक्टर 28-डी० चन्डीगढ़ में स्थित है ( और इससे उपाधव अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी/फरवरी, 1979

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृक्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूस्य, उसके बृक्यमान प्रतिफल से ऐसे दृक्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिगत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (प्रन्तरिक) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तर्ग लिखित में बास्तविक रूप से क्वित नहीं किया यका है।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्रिमिनयम के अप्तीत कर देने के भन्तरक के दाविश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्; औए/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी वन या मध्य मास्तियों को जिन्हें मारतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर मिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एम० एल० खन्ना पुन्न श्री श्राई० डी० खन्ना द्वारा जनरल भटारनी श्री एस० के० कपूर पुन्न स्थमोलक रामं, कपूर स्नाफ होसिंगबोर्ड, हरयाणा, कोठी नं० 64, सैंक्टर 8 ए, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरबीर सिंह चड्डा, पुत्र श्री हरनाम सिंह चड्डा, चड्डा एग्रीकलचर फार्म, गांव बेहलाना, यू०टी० चन्डीगढ़ मब वासी 3068, सैंक्टर 28-डी, चन्डी-गढ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के संबंध में कोई भी बार्केप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशमं की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपव्यक्ति व्यव्यः ---- इसमें प्रयुक्त मन्यों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के घम्याय 20-क में परिचालित है, वही भर्च होगा जो उस भध्याय में विया गया है।

#### अमुसुची

पलाट नं० 50 स्ट्रीट सी०, सैक्टर 28-डी, चन्डीगढ़ जिसके पलाट का क्षेत्रफल 500.5 वर्ग गज है।

(जायेदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डोगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 917, जनवरी/फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

> श्चार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज, लुधियाना ।

तारीख: 11-9-1979

प्रकृष धाई • टी • एन • एस • ---

# भायकर विधिनियम, 1961 (1961का 43) की बारा 269-म (1) के घष्टीन सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, हुलुधियाना

निर्देश सं० पी० टी० ए०/276/78-79— ग्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोन्ना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त धिवियम' कहा गया है), की खारा 269-ध्व के धिवीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/- क्पए से प्रधिक है

स्रोर जिसकी सं० मकान नं० 5170/5-बी० है क्षया जो सेवक कालौनी, पटियाला में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची म स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय,पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख फरवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के बृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पश्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीरः अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निवित उद्देश से उक्त अन्तरण जिचित में वास्तविक का से किया गया है!——

- (क) भन्तरण से हुई किसी धाय की वासत, सक्त धिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिक्षा के शिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या घन्य खास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर घिष्ठिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः सन, उन्त मधिनियम की धारा 269 न के सनुसरक में, में, उन्त मिनियम की धारा 269 न की उपकारा (1) के अजीन, निम्निवित व्यक्तियों, अवॉत् :—  श्री अतिन्दर सिंह पुत्र जगजीत सिंह, द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री जगिमन्दर सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह वासी एन० 149 सैक्टर 8, ग्रार० के० पुरम, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री लेख राज भसम बू पुत्र श्री बिल्ला मल बासी मकान नं० 113 सेवक कालौनी नजबीक स्टेट कालेज ग्राफ एज्केशन, पटियाला ।

(श्रन्त रिती)

को यह मूजना जारी करके पूर्जीकत सम्पत्ति के भर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबद सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की भविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी
  धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा घष्ठोहस्ताक्षरी के पास
  सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्कीकरक :--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों ना, जो उक्त अधि-नियम, के घड़्याय 20-क में परिचावित हैं, वही वर्ष होना, जो उस घड़्याय में दिया गया है।

#### मभुपूषी

मकान नं० 5170/5-बी, सेवक कालौनी, पटियाला । (जापेदाद जैंगाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5757, फरवरी, 1979 में दर्ज है) ।

> श्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-9-1979

मोइ्रः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

# धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० एन० बी॰ ए०/114/78-79—यतः मुझे म्रार० के॰ मलहोस्रा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

श्रीर जसकी सं० पलाट जिसका क्षेत्रफल 177.78 वर्ग गण है है तथा जो नई अनाज मण्डी, नाभा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनस्ची में और पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रश्तरिक के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रश्तरिक के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि प्रश्तरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखत में दास्तिक इप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मिलियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसो धन या भ्रम्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिमाने में सुविधा के लिए;

धतः धन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनसरण में, उन्त पश्चिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित न्यन्तियों, धर्चात् :---  श्री जनेश्वर कुमार पुत्र श्री भ्रमीर चन्द, वासी भ्रमाज मण्डी, नाभा।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री हरी किणन पुत्र चन्ना राम, मारफत मैंसर्ज रुलदू राम जगन नाथ, ग्रीन मार्केट, नाभा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी इपरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (च) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य क्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पच्छीकरण :—इसमें प्रयूक्त शब्दों भीर पदों का; जो 'खक्त खिन नियम', के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही धर्म होगा, जो उस भव्याय में विया गया है।

# अनुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 177.78 वर्ग गण है झौर जे नई भ्रनाज मण्डी नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 2593 फरवरी, 1979 में वर्ज है।)

> आर० के० मलहोत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-9-79

प्रकप माई • टी • एन • एस ०---

प्रायक्षर प्रशिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के प्रधीन सूर

### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भ्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० पी०टी०ए०/214/78-79— अतः मुझे श्रार० के० मलहोत्रा

प्रायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के घिषान सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख 25,000/-रुपए से धिषक है

ग्रीर जिसकी सं० पलाट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 4 मरले हैं तथा जो त्रिपड़ी साईदां, पिट्याला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकारी के कार्यालय, पिट्याला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के निए ग्रन्तरित की गई है और मुझे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्नह प्रतिकृत से ज्ञाबिक है और अन्तरित (ग्रन्तरित में व्यापता ग्रीक के बीच ऐसे भन्तरित (ग्रन्तरित) भीर मन्तरिती (ग्रन्तरितमों) के बीच ऐसे भन्तरिक के विए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निक विवत उद्देश्य से उक्त भन्तरण विचित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है ान्तरित नहीं किया गया है । ज्ञाबित निया से विषय गया ग्रीक किया गया है । ज्ञाबित नहीं किया गया है । ज्ञाबित नहीं किया गया है । ज्ञाबित निया विषय है । ज्ञाबित निया है । ज्ञाबित निया विषय है । ज्ञाबित ह

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्रिय; |और/या:
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बव, उक्त प्रशितियम की धारा 26% में के बनुसरण में; में, उक्त प्रधितियम, की धारा 26% में की उपवारा (1) के बढीन निम्निसित स्थितवों सर्वीत् !---  श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, वासी बीवरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

 श्री जय प्रसाद पुत्र श्री राम स्वरूप, वासी 27-डी, माडल टाउन, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के प्रबंग के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूलना के राजपत में प्रकाशन की वारीय से 45 विन की प्रकृषि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, यो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रश्लोहस्ताक्षरी के भास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त धिविनयम के झड्याय 20-क में परिकाबित हैं। बहो धर्च होगा, जो उस शब्दाय में विया नया है :

### यनुसूची,

पलाट जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल 4 मरले है और जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसािक रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5117, जनवरी, 1979 में वर्ज है)।

> श्चार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

सारी**खः** 11-9-1979

प्रकप पाई• टी• एन• एस•----

सायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी आरा 269-म (1) के ब्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1979

निर्देश सं० पी०टी०ए०/211/78-79—यत: मुझे, श्रार० के०

पायकर धिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रु॰ से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलाट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल है तथा जो तिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूपसे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के जिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिन्निकित छहेश्य से उच्त सन्तरण कि बित में बास्तिक कप से किवत नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त आधि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिशित्यम, या धन-कर भिश्चित्त्यम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

धाः धव उक्त प्रशितियम की धारा 269-ग के प्रनुमरण में, बें, उक्त धिंतियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रष्टीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्णात्:——

- श्री हरदेव सिंह गरेवाल पुत्र हरचरन सिंह गरेवाल, वासी बीबरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला। (ग्रन्तरक)
- श्री जगदीश कुमार पुत्र श्री शाम लाल, वासी बहेरा रोड, पटियाला श्री प्रेम चन्द पुत्र श्री नन्द लाल, वासी भिंडियां स्ट्रीट, पटियाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

बन्त सम्यत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घषधि या तस्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की घषधि, को भी घषधि बाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताकारी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, की उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं धर्ष होगा को उस अध्याय में वियागया है।

#### धनुसूची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल है और जो तिपड़ी साईबां, पटियाला में स्थित है।

(जायेवाव जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5034 जनवरी, 1979 में वर्ज है)।

श्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-9-1079

प्रकृष भाई • टी • एन • एस • --

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन मुचना

#### पारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्देश सं० एस०ग्रो०एल०/21/78-89—श्रतः मुझे, ग्रार० के० मलहोल्ला

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं भूमि जिसका क्षेत्रफल 418 वर्ग मीटर है तथा जो जवाहर पार्क, सोलन में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सोलन में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख मार्च, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फस के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से प्रधिक है और धन्तरक (सन्तरकों) भीर धन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक उप से कविष्ठ नहीं किथा गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त आधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों की, जिल्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उन्त अधिनियम की घारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिधित अधिक्तयों, श्रवीत्:— 8—276GI/79

1. श्री दीवड् राम पुत्र श्री झरकु राम, वासी सोलन तहसील व जिला सोलन (हि॰ प्र॰)।

(ग्रन्सरक)

श्री सुदिप्ता मुखर्जी, पुत्र श्री पी० एन० मखर्जी, वासी
 168, सैक्टर 8, चन्डीगढ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उस्त सम्यत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्त्वंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्थ व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण :- इसमें प्रयुक्त सन्तों भीर पदों का, जो उक्त प्रिक्षित्यम के भध्याय 20क में परिभावित है, वहीं भथं होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

# प्रमुज्ञची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 418 वर्ग मीटर है श्रौर जो जवाहर पार्क, सोलन में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, सोलन के कार्यालय के विलेख संख्या 68, मार्च, 1979 में दर्ज हैं)।

> श्रार० के० सलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11 9-9-197

प्ररूप आई॰ टी॰ एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ(1) के अधीत सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

> ध्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० एस०आर०डी०/195/78-79—यतः मुझे, आर० के० मलहोता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास क्रिने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 5 मरले हैं तथा जो गांव नराहमन माजरा, तहसील सरहिन्द में स्थित हैं (श्रौर इससे जमाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सरहिन्द में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राष्ट्रीन, तारीच जनवरी, 1979

को पूर्विक्त सम्यक्षि के उचित बाजार मूल्य से कम के वृह्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति हा उचित भाजार मूल्य, उसके दृहयमान प्रतिकल से. ऐसे दृहयमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत श्रिधक है और मन्तरक (भन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरं के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरंण लिखिल में धार्निक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अग्निनियम के अधीन कर देने के छन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) य उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिष्ठानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या रिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भविनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत्:—

- 1. श्री कवरजीत सिंह बनाम कवलजीत सिंह पुत्र हरिकरत सिंह गांव कोटला भाई का, तहसील सरहिन्द। (ग्रन्तरक)
- मैसर्स गुरु तेग बहादुर कोल्ड स्ट्रोज व ग्राईस फैक्टरी, बरहामन माजरा, डा० सरिहन्द, तहसील सरिहन्द। (ग्रन्तरिती)

को मह सूपना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसीप :---

- (क) इस पूचना के राजपन्न में न्नकाशन की तारी के 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अविक, जो भी भवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की खारी आ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित नह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रेषोहस्ताकरी के बास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्दीकरण:---इतमें प्रयुक्त शन्धों और वदों का, जो उत्तर प्रधिनियम के आध्याय 20-क में परिभाविर हैं, वही वर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया नमा है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 5 मरले है ग्रौर जो गांव बराहमन माजरा, तहसील सरहिन्द में स्थित है।

(जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सरिह्न्द में कार्यालय के विलेख संख्या 3172, जनवरी, 1979 में दर्ष है)।

> श्रार० के० मलहोत्र सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक बायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ज**: 11-9-1979

प्रकप भाई • टो • एन • एस • -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 थ (1) के ब्रधीन सूचना

मारत सरकार

कावशिय, सङ्ग्यक भायकर मायुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

नर्षेष्ठ सं० पी० टी० ए०/203/78-79-श्रतः मुझे, श्रार० के॰ मलहोसा

बावकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्वन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू॰ से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 5 मरले तथा जो नपड़ी साईवां, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्रमा, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान श्रिक्षक के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके वृश्यमान श्रिक्षक से, ऐसे वृश्यमान श्रिक्षक का पत्त्रह श्रित्रक्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रिक्तक, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्त- विक अप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वाधिरन में कमी करने या उससे बचने में अविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष वा किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भाषकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए।

चतः अन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उन्त ग्रीधनियम की धारा 269-म की उप-धारा (1) के अधीन निम्मसिचित व्यक्तियों अर्थात् 1---  श्री हरजीत सिंह पुत्र हरदेव सिंह, बीवरीयां स्ट्रीट, लाहौरी गेट, पटियाला।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुजलीता कौर पत्नी श्री धनवन्त सिंह श्रीमती श्रभीनास सेठी पत्नी श्री हरमोहन सिंह सेठी, वासी पटियाला।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूबॉक्त संपत्ति के भर्जन के जिए कार्यगाहियों करता हूं।

वक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मां आक्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्क में प्रकाशन की तारांका से
  45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर भूचना
  की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवि।
  बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों
  में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हिनबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी कि पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इनमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, बो रुधिनियम के शब्दाय 20-क म परिभाधित हैं, बही भर्द होगा, बो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षत्रफल 3 कनाल 5 मरले है और जो त्रपड़ी साईदां, पटियाला में स्थत है;।

(जायेदाद जसा कि राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकाी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4921, जनवरी, 1979 में वर्ज है)।

म्रार**्के**० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-9-1979

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० पी०टी०ए०/213/78-79—यतः सुझे, शार० के० मलहोत्ना,

अध्यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल 10 मरले हैं तथा जो वपड़ी साईवां, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणते हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान श्रितिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उसित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (धन्तरितिमों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेच्य से उसत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के जिए;

व्रतः प्रव, उना अधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के बधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- श्रीमती हरवन्स कौर पत्नी श्री हरदेव सिंह, वासी लाहौरी गेट, बीवरीयां स्ट्रीट, पटियाला। (ग्रन्तरक)
  - 2. श्री मनमोहन सिंह भल्ला पुत्र श्री प्रेम सिंह भ्राफ पटियाला श्रीमती सतनाम कौर पत्नी तिरथ सिंह श्राफ चन्ड़ीगढ़, मारफत श्रीमती हरवन्स कौर पत्नी हरदेव सिंह गरेवाल, बीवरीयां, स्ट्रीट, लाहौरी, गेट, पटियाला।

(ब्रन्तरिती)

को यह मुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी
  धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, घघोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पब्बीकरण: - इसमें प्रयुक्त गम्दों भौर पदों का, जो उक्त धिक्षितयम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भध्याय में दिया गमा है।

# वगुत्ची

पलाट जिसका क्षेत्रफल 6 कनाल 10 मरले है श्रीर जो द्रपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसािक रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, पिटयाला क कार्यालय के विलेख संख्या 5116, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

श्चार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 11-9-1979

मोध्रर:

प्रकृष बाई॰ ठी॰ एन॰एक॰-----

# द्यासक्तर अजिनियम 1961 (1961 का 43) की जारा 2694 (1) के घडीन सूचना

# भारत, सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधिमाना लुधियाना, विनांक 11 सितम्बर, 1979

नर्देश सं ०आर०ए०र्जे ०/24/78-79—म्रतः मुझे, म्रार० के० मसहोत्रा

पानकर ध्रविनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अबीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाजार मूश्य 25,000/+ वपने से अबिक है

श्रौर जिसकी सं० दो गोदाम टाऊन शिप, गांधी कालौनी, हैं तथा जो राजपुरा में, टाऊन नं० 2 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के बुवयमान श्रतिकल के निए सम्तरित की गई है सौर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल के प्रमुद्ध, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल के प्रमुद्ध प्रतिशत स्थित है भीर सम्तर्भ (सम्तर्कों) और सम्तरिती (सम्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गंगा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्तर्भ निष्तित में वास्तिक कम से कवित नहीं किया वसा है।

- (क) धन्तरण से हुई किती प्राय की वागत; उक्त प्रश्नियम के प्रजीत कर देते के प्रन्तरक के दायिक में कमी करने या प्रचारे वचने में तुनिचा के लिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाव या किसी वन या अन्य घाक्तियों को, विश्वें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घितियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया वा या किया बाना वाहिए वा, किनावे में सुविधा के किए;

बतः धव, उक्त धिवनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त धिवनियम, की धारा 269-व की उपवास (1) के बजीन निम्नलिकत व्यक्तियों, धर्मात्:—  श्रीमती संतोष रानी पत्नी श्री सुख देव राज कोचर, वासी शाम नगर, राजपुरा।

(ग्रन्तरक)

- श्रीमती कृपाल कौर पत्नी श्री करतार सिंह पुत्र श्री साहिब सिंह, वासी गोपालपुर तहसील राजपुरा। (ग्रन्तरिती)
- 3. मैससं दी पंजाब स्टेट कोपरेटिव सप्लाई व मार्केटिंग फेंडरेशन लि० मारकफेंड ब्रांच म्राफिस, राजपुरा जिला पटियाला।

(बह व्यक्ति , जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जत के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य स्थित द्वारा, अक्षोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यव्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त अध्यों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं घर्ष होता, जो उस घड्याय में दिया कथा है।

## अनुसूची

दो गोदाम टाऊन शिप गांधी कालौनी, राजपुरा टाऊन नं० 2ी

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 3122, जनवरी, 1979 में दर्ज है)

श्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 11-9-79

नोहर:

प्ररूप भाई • टी • एम • ए त • --

आयक्र विधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

# कार्याक्य, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक, 11 सित बर 1979

सं० धार०ए० जे०/21/78-79---ध्रतः मुझे, आर० के० मसहोता,

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा बया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25000/- ६५ए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 विधा 4 विका है तथा जो गांव ग्रजरोर, तहसील राजपुरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद् अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कामिलय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह प्रतिश्रत प्रक्षिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या श्रीकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्नत में वास्त्रविक इप से कृषित नहीं किया गया है।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (था) ऐसी किसी भाष मा किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर श्रीभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीभिनयम, या धन-कर प्रश्लितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उक्त निधितियम की धारा 289-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधितियम की धारा 289-ग की उपधारा (1) के अधीन निक्तिवित व्यक्तियों, प्रवीत् :--

- श्री महताव सिंह पुत्त श्री करतार सिंह वासी एफ 1/21, माडल टाऊन, दिल्ली, मुखतयार-ए-ग्राम, श्रीमती राम दित्ती विघवा सन्त सिंह वासी गांव ग्रजरोर तहसील राजपुरा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री दिवन्दर सिंह, राजिन्दर सिंह, मनजीत सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह पुत्र ब्रात्मा सिंह, हरजीत सिंह, रणजीत सिंह, बलिक्दर सिंह पुत्र दी दिदार सिंह पुत्र श्रात्मा सिंह वासी गांव, श्रजरोर, तहसीम राजपुरा जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह नृचना जारी करक पूर्वाभा मनाति के अर्थन के सिए कार्यमाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाछोप :--

- (क) इस सूत्रना के राजपक्ष में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाजर तम्पत्ति में हित्यब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोशस्ताबारी के पाल निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों सीर पदों का, ना उक्त सिक् नियन के अवसाय 20 क में परिभाषित है बही सर्वे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

#### पनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 विधा 4 विश्वा है श्रौर जो गांव श्रजरोर, तहसील राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 3004, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> भार० के मलहोसा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 11 सितम्बर, 1979

प्ररूप साई• टी• एन॰ एस•-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के छारा 269 च (1) के प्रभीत सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

पायकर प्रिवित्यम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की क्षारा 269-का के अधीन सक्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रू० में अधिक है

श्रीर जिसकी सः भूमि जिसका क्षेत्रफल 91 कनाल 16 मरले है तथा जो गांव माशीगां, तहसील दुधां सुधां में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यलय, दुधां सुधां में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है घीर मृशे यह विश्वास करने का कारण है कि यनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृश्य से उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है, धीर यह कि मन्तरक (जन्तरकों) धीर प्रम्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे प्रन्तरक के लिए तथ पाया थय। प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरक लिखित में वास्तिवह छप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की यायत, उक्त श्रीध-नियम, के प्रशीन कर देने के शक्तरक के दायिक में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य धास्तियों को जिल्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या तकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1857 (1957 का 27) के अधिक्यम, 1857 (1957 का 27) के अधिक्यम, अस्तिकी द्वारा प्रकट नहीं किया का पाय किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वत:, भव उन्त प्रविश्विम की कारा 269ग के अनुसरण में, भैं, उन्त अविभियम की बारा 269 व की उपधारा (1) के बधीन निम्नविकात व्यक्तियों, बर्वात्:---

- श्री माया सिंह पुत्र श्री गुरदित सिंह, श्रीमती प्रमे
   श्वरी कौर विधवा श्री दीरा सिंह, बरिन्दर सिंह,
   निरन्दर सिंह, कुलवीर सिंह, व गुरदीप सिंह पुत्र
   श्री हीरा सिंह वासी मलन्द कालौनी, बम्बई।
   (श्रन्तरक)
- श्री गुरवचन सिंह पुत्र मनोहर सिंह, हरबान सिंह पुत्र राम सिंह, पुराना गङ्डा खाँना पटियाला। (श्रन्तरिती)
- 4. मैसर्ज रुलदा राम नानक चन्द गांव माशीगां, सब-तहसील दुधां सुधां, जिला पटियाला। (वह व्यक्ति जिनके बारे में घ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त अन्यति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राञ्जेय :---

- (क) इस लूबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी सम्य व्यक्ति द्वारा, स्रझोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

हपस्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पर्दो का, जो उन्त धितियम, के घट्याय 20-क में परिचाधित हैं, वहीं धर्म होगा जो उस घट्याय में वियागना है।

# धनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 91 कनाल 16 मरले है भौर जो गांव माणीगां, सब-तहसील दुधां सुधां जिला पटियाला में स्थित है।

(आयदाया जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, दुधां सुधां, के कार्यालय के विलेख संख्या 696, जनवरी, 1979 में वर्ज है)।

> भार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी सहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, लुधियाना ।

दिनांक: 11 सितम्बर, 1979

भोहर :

प्रकृष माई॰ टी॰ एत॰ एन॰---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के प्रधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खके अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वासार मूख्य 25,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 5 मरले है तथा जो विपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्तित बाजार मूल्य से कम से कम बृब्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिवात से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और सन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के निए क्ष्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित संदेश से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया वया है:—

- (क) अभ्तरण ¦से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आज या किसी घन वा ग्रम्य धास्तिवाँ को जिन्हें भारतीय भाध-कर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधनियम, वा धन-कर मिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के निए;

भतः प्रव, उत्तर प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:—

- श्रीमती जसबन्त कौर पत्नी श्री हरिन्दर मिंह गरेवाल, बासी बीवरीयां रोड़, लाहौरी गेट, पटियाला (श्रन्तरक)
- थी रघ नाथ पुत्र श्री प्यारा लाल व श्री मुख्तथार सिंह पुत्र श्री वरथाम सिंह वासी 22 हरगोबिन्द नगर, सरिहन्व रोड, पटियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नी माओप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
  धविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्च किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोइस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे!

स्पब्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्त्रों और पर्वो का, को उक्त विधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिवाधित हैं, वहीं घर्व होना को उस प्रध्याय में दिना नमा है।

### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 कनाल 5 मरले है भौर जो त्रिपड़ी साईदां, पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5024, जनवरी, 1979 में दर्ज हैं)

> श्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर **ग्राय**क्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुधियाना

दिनांक: 11-9-1979

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन मूचना

भारत गरकार

कार्यांत्रय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० पी० ग्राई० ए/215/78-79—ग्रतः मुझे ग्रार० के० मलहोता

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाखार मूस्य 25,000/- २० से प्रधिक है,

और जिसकी सं॰ भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 1 मरला है तथा जो विपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध, धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रत्तिति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल को पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रन्तरकों) और बन्तरिती (प्रन्तरितीं) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल जिल्लामितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल जिल्लामितियों विश्वा ये उसते प्रम्तरण विश्वात में बास्तिबक्क कप से कांचित नहीं किया येथा है।—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त बिध-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वासित्व में क्सी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; धीर/वा
- (ख) ऐसी किसी घाय वा किसी धन वा घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घित्रिनियम, या अन-कर घित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया वा या किया खामा चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए :

- श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह, बीवरीयां रोड़, लाहौरी गेट, पटियाला (भ्रान्तरक)
- 2. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री मनजीत सिंह धाफ सुनाम, मारफत रणजीत सिंह पुत्र हरदेव सिंह, बीवरीयां स्ट्रीट लाहौरी गेट, पटियाला (ध्रन्तरिती)

को यह मूचना बारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उना सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्त में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, को जी ग्रविध वस्त में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, वो उक्त घिषिन-म के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा को उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 1 मरला है और जो तिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा की रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5135, जनवरी, 1979 में दर्ज हैं)

भ्रार० के० मलहोत्रा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रोज, लिधयाना

ता**रीख** : 11-9-79

मोहरः

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰~~

# धामकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की मारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्वायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० डी एस/56/78-79—अतः मुझे धार० के० मलहौता, प्रायकर ग्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रीवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घ्रधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से ग्रीविक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल 14 मरले 1/3 भाग है तथा जो गांव मगीगो, सब तहसील दुधां सुधां में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, दुधां सुधां में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने कम कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर मन्तरक (भग्तरकों) और मन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त मन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भाष-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वागिएव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व प्राप्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, जियाने के सिए।

भतः भव, उन्त भिविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् !---

- भगवान सिंह पुन्न सन्त सिंह वासी इतममान बाजार, जम्मू ब्रारा मनोहर सिंह पुन्न राम सिंह, जी० ए० 1012/3, खालसा मोहल्ला, पटियाला । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेम सिंह पुत्र तुलसा सिंह, बासी श्रात्मा नगर, लुधियाना (श्रन्तरिती)
- 4. मैसर्स रुलदा राम नानक चन्द, गांव मशीगां सब तहसील दुष्ठां सुधां, जिला पढियाला (वह व्यक्ति, जिसके बारे में स्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके ,पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के मीसर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूत्रता के राजपल में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितक कि किसी धन्य क्यक्ति होरा ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो उक्त भवि-नियम के भव्याय 20क में परिमाधित है, वही भर्य होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 25 कनाल 14 मरले 1/3 भाग जो मशीगा, सब तहसील दुधां सुधां, जिला पटियाला में स्थित हैं।

(जायदाद जैसािक रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, दुधांसुधां के कार्यालय के विलेख संख्या 742 जनवरी, 1979 में दर्ज है)

> ग्रार० के० मलहीता, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रजुन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-9-1979 ·

प्रकथ धाई० टी० एन• एस•⊷

भावकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाण 263व (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

का**र्याजय,** सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1979

सं० सीएचडी/261/78-79—अतः मुझे ग्रार० के० मलहौता ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ' 25,000/-रू० मे अधिक है

भीर जिसकी सं० शो रूम प्लाट नं० 25, सैक्टर 26, मध्या मार्ग, हैं तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रितिक्त के लिए प्रस्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरितों (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से हक्षा प्रन्तरण लिखित में बास्तविक का में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपस प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुचि । के सिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी पाय या किसी धन या प्रस्प प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अस्ति काहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अकः बन, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के बनुसरण में, में, एक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, धर्मार:---

- (1) मैसर्स हजारा सिंह इन्दर सिंह, 94 ग्रीन मार्किट, चण्डीगढ़ द्वारा पार्टनर
  - 1. श्री क्रुण्ण कुमार पुत्र इन्दर सिंह,
  - श्री नरन्जन सिंह पुत्र इन्दर सिंह,
  - श्री परणोतम सिंह पुत्र इन्दर सिंह, द्वारा ग्रटारनी श्री कृष्ण कुमार
  - 4. श्री चरनजी लाल पुत्र इन्दर सिंह। (अन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती उषा कपूर पत्नी डा० विनय कपूर,
  - 2. श्रीमती प्रस्ता कपूर पत्नी श्री ए० के० कपूर,
  - श्रीमती रेखा कपूर पत्नी श्री विनोद कुमार कपूर,
  - 4. श्रीमती अनु कपूर पत्नी श्री अनील कपूर
  - 5. श्रीमती शशी कपूर पत्नी श्री राजीव कुमार
  - 6. विनोद कपूर पुत्र श्री श्रीराम कपूर सारे वासी 528 सैक्टर 10डी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारो हरके पूर्वास्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्त संपत्ति के प्रार्वेन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की मवधि, जो भी मवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (भा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पब्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो कत सिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही भ्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रो रूम प्लाट नं० 25, स₹टर 26, मध्या मार्ग, चण्डोगड़ जिसका क्षेत्रफल 762.96 वर्ग गज है।

(जायदाव जिसका रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 797, जनवरी, 1979 में दर्ज है।)

> ग्रार० के० मलहौता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-9-1979

मोहरः

# 

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्तण)

धर्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० लुधियाना/4/181/78-79—यतः, मुझे, प्रार० के० मल्होत्रा, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना,

जायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स धिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-चा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जीवत बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से धिक है,

ग्रीर जिसकी सं० बी-1-1053 है, तथा जो संत रोड़, नजदीक पुराना दयानन्द हस्पताल, लुश्चियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, लुश्चियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूधमाध्य प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दूधमाम प्रतिफल से, ऐसे दूध्यमान प्रतिफल का पन्द्रइ प्रतिशत से अधिक है ग्रीर धन्तरक (धन्तरकों) ग्रीर धन्तरित (जन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर धन्तरित (जन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरक के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण शिक्ति में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उनत श्रक्ति-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अण्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स प्रधिनियम, या वन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया वा या किया जाना वाहिए वा, जिनाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-न के बन्-मरण में मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन, निष्निसित व्यक्तियों,

- 1. श्रीमती तारा बन्ती विश्ववा श्री काली चन्त्र सगड़ बी-1-1053, सन्त रोड़, सिविल लाईन लुधियाना। (भ्रम्तरक)
- 2. श्री प्रेम कुमार चोड़ा पुत्र सत देव चोड़ा बी-1-1053, सन्त रोड़, सिविल लाईन, लुधियाना (धन्सरिती)

को यह सूचना जारी लरके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

़ उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाषोप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन ी तारीज से 45 दिन की धवित्र या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जानील से 30 दिन की धवित्र, जो भी धवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही धर्ष होगा को, उस प्रध्याय में दिया गया है।

### धनुषुची

मकान नं० बी-1-1053, सन्त रोड़, सिविल लाईन, लुधियाना।

(जायदाव जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3912, जनवरी, 1979 में दर्ज है) ।

> आर० के० मल**होता** स**क्षम ग्र**धिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजेंस रेंज, लुधियाना।

तारीख: 13-9-1979

प्रसप आई • ढी • एन • एस •---

आयकर धर्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के धर्षीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना, लिधियाना, विनांक 13 सितम्बर 1979

निर्वेश सं० डी० एस०/57/78-79 -- यतः, मुझे, आर० के० मलहोला, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/-ष्पए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 43 बिघा 13 विश्व है, तथा जो गांव नारन्गवाला, सब-तहसील दुधनं साधां, जिला पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दुधन साघां में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से भिक्षक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण विशिषत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की वावत सकत ध्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम या धन-कर श्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिखित स्यक्तिमों, अर्थात् :---

- 1. श्री मोहिन्दर सिंह मुतबना पुत्र श्री दलीप सिंह वासी नारन्गवाला, सब-तहसील दुधन साधां, जिला पटियाला । (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री शेर सिंह, प्रवतार सिंह, सुच्चा सिंह व गुरमीत सिंह पु जागीर सिंह वासी गांव ननेवाला जिला प्रम्बाला ग्रव वासी गांव नारन्गवाला, सब-तहसील बुधन साधो । (श्रन्तरिसी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रश्रंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन भी तारी असे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पत्रों का, जो उक्त भिष्ठित्यम के भ्रष्ठयाय 20-क में परिभा<sup>तित</sup> हैं, वही भर्ष होगा जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भिम जिसका क्षेत्रफल 43 निधा 13 विश्वा है गौर जो गांव नारन्गलवाला, सब तहसील दुधन साधा, जिला पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, दुधन साधो, के कार्यालय के विलेख संख्या 749, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> भार० के० मलहो**ता,** सक्षम प्राधिका**री,** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 13 सितम्बर 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० राजपुरा/23/78-79—यतः, मुझे, म्रार० के० मलहोत्रा, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 48 बिघा 15 विश्वा है, तथा जो गांव पवाला, तहसील राजपुरा, जिला पटियाला में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजपुरा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-कल लिए सन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर सन्तरक (अन्तरकों) घौर सन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण के लिये लिखित में बास्तविक कप से किखत वहीं किया गया है:——

- (क) सन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत, उक्त साँध-नियम, के बधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने मा अससे क्को में सुविधा के निय; मीर्थ्या
- (ख) ऐसी किसी धाम या किसी धन या घन्य पास्तियों को, जिन्हें पारतीय धामकर घधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत घधिनियम, या बन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धानारिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया खाना खाडिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

भतः सब, उन्त समिनियम, की घारा 269-ग के सनु-सरव में; में, उन्त अधिनियम की बारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थीत् :---

- 1. श्रीमती इन्दरजीत कौर पत्नी श्री सावन सिंह वासी कोटला सुलेमान तहसील सरिहन्द, जिला पटियाला (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्रमरकौर पत्नी श्री ईशर सिंह व सर्वश्री करतार सिंह, सन्त सिंह, बलवन्त सिंह, रणजीत सिंह मंगल सिंह पुत्र श्री रामपत सिंह राय वासी गांव पवाला तहसील, राजपुरा

(श्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहीयां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस प्रवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दित की भवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचता की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि माध् में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकद्व किसी धाम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो एक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 48 विधा 15 विश्वा है भीर जो गांव पवाला, तहसील राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिप्धिकारी, राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 3108, जनवी, 1979 में दर्ज, है)।

> ग्रार० के० मलहोत्ना सक्षम ग्रधिकारी, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख: 13 सितम्बर 1979

प्रारूप माई• टी० एन० एस•------

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 2694 (1) के मिन्नीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भाषकर भाषुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निदश सं० पटियाला/221/78-79—यतः मुझे, भ्रार० के० मलहोत्ना, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- र• से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1/2 भाग भिम जिसका क्षेत्रफल 34 कताल 8 मरले व 1/2 भाग बिलिंडिंग है, तथा जो गांव गलोरी, तहसील व जिला पिटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पिटियाला में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1979 को प्वॉक्त संपत्ति के उचित बानार मूल्य से कम के दृष्यमाम अविज्ञ के सिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उनत भन्तरण सिक्त में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम, के अधीन कर बेने के धन्तरक के बायिस्त में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय का किया वन या सम्य धास्तियों को जिन्हें भारतीय झायकर घिष्टिसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्टियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए का, छिपान में सुविधा के लिए;

मतः धव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन निम्निसिंखत स्पक्तियों, अर्थात्:---  श्रीमती मन्जू बाला पुत्नी धाशा रानी विधवा श्री देव भारत वासी सनौरी रोड़, पटियाला । (ग्रन्तरक)

डा० नापिन्दर सिंह चाहल पुत्र काका सिंह वासी सनीरी
गेट ग्रह्डा, पटियाला ।
(ग्रन्तरिती)

को यह मूलना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी जालेप:---

- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ स्थावत दारा, श्रावीहरू जाक्षरी के पाय जिल्ली में किये वा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त झन्दों प्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिणावित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रच्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/2 भाग भूमि जिसका क्षेत्रफल 34 कनाल 8 मरले हैं व 1/2 भाग बिलंडिंग जो गांव गलोरी, तहसील पटियाला में स्थित है ।

(जायवाद जैंसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5238, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 13 सितम्बर 1979

प्रकप मार्ड- टी- एन- एस---

स्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर ग्रायकत (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० भ्रमलोह/102/78-79—यतः, मुझ, भ्रार० के० मलहोक्षा, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज ल्धियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- उपये से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 45443 वर्ग फुट है, तथा जो मण्डी गोबिन्दगढ़, तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1979 को

तारीख जनवरी, 1979 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिक्षत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की वायत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के भन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अध्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीत, निम्निजिबित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री कृष्ण चन्द्र गुलाटी पुत्र श्री बाब् रल्ला राम, बार्ड नं ०
 त्र मण्डी गोबिन्दगढ़।

(ग्रन्तरक)

- 2. मैंसर्ज सुलेख राम बनारसी दास स्टील रोलिंग मिल्ज, मण्डी गोबिन्दगढ़ (द्वारा श्री ग्रमरजीत सिंह)। (ज्ञन्तरिसी)
- 3. मैंसर्ज सुलेख राम बनारसी दास स्टील रोलिंग मिल्ज, मण्डी गोबिन्दगढ़, जिला पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी बाबेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के पाजपक्ष में अकाकन की तारीब से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भ्रयें होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 45443 वर्ग फुट है और जो मण्डी गोबिन्दगढ़ में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, भ्रमलोह के कार्यालय के विलेख शंख्या 1599, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> ग्नार० के० मलहोद्वा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 13 सितम्बर 1979

प्रकप ग्राई० टी• एन• एस•-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के धंधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

नर्वेश सं० चण्डीगढ़/266/78-79--यत:, मुझे, श्रार० सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन के० मलहोत्रा, रेंज, ल्धियाना,

प्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रूपये से प्रधिक है

थ्रौर जिसकी सं० मकान नं० 2231 है, तथा जो सैक्टर 22सी चण्डीगढ़ में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तप्रपापा गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रम्सरण लिखिन में वास्तविक 👣 से किया नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण ने हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिषीन कर देने के श्रन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसो किसो स्राय या किसी धन या प्रम्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय यायकर अधितियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर प्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने मं सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

10-276GI/79

1. श्री ज्ञान सिंह वासी मकान नं० 2231, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रजमेर सिंह वासी मकान नं० 2231, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ

(भ्रन्तरिती)

- 3. (1) श्री विपन लाल (ग्राउंड फ्लोर),
  - (2) श्री सत पाल गुप्ता (पहली मंजिल),

(3) श्री हरमेण शर्मा (दूसरी मंजिल),

(4) श्री ज्ञान सिंह वासी मकान नं० 2231, सेक्टर 22-सी चण्डीगढ़ (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में मम्पत्ति है)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सुम्पत्ति के मर्जन के सिए कार्यंदाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्रीप--

- (क) इप सूजना के राजनत म प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भवधिया तस्सम्बन्धी स्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त •यक्तियों में से किसी **•यक्ति द्वारा**;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसर्वक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पब्दोकरच:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20 कर्में **परिमाषित** हैं वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुधी

मकान नं० 2231, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 818, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोत्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजॅन रेंज, सुधियानां

तारीख: 13 सितम्बर 1979

#### प्रकृप धाई • ही • एन • एस • ---

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रायकर भवन लुधियाना लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पटियाला/217/78-79—यत:, मुझे, ग्रार० के० मलहोत्ना, सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

सायकर मिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त मिन्नियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मिन्नि सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूस्य 25,000/- कः से मिन्नि है

श्रौर जिसकी सं० 4 मंजिल मकान कम शाप नं० 2145/2 व 2146/2 है, तथा जो मेन सरिहन्दी बाजार, परियाला में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, परियाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्लोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्लोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्त सिक्त है और मन्तरित (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिक्ता; निम्निज्ञित उद्देश्य से अवत अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथिन नहीं किया गया है ——

- (क) अध्वरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के बन्तरक के वास्तिय में कमी करने या उससे बचने में सुति। के सिए; सोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्त्रं धाःस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भाष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया बाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के नियो;

पतः, धन, कन्त पश्चितियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धादा 269-ज की उपद्वारा (1) के सदीन निम्मनिचित व्यक्तियों, धर्माहः—  डा० कृष्ण कुमार पुत्न श्री मुरारी लाल सर हिन्दी बाजार, पटियाला ।

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रशोक कुमार सेठी पुत्त श्री ग्रमृत लाल व श्रीमती राज रानी पत्नी श्री ग्रशोक कुमार वासी 2145/2 व 2146/2, सर हिन्दी बाजार, पटियाला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्जवाहियां करता हूं।

उका सम्प्रति के अर्जन के सम्बन्ध में होई भी साक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्संबंधी क्योक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, श्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, दही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुसूची

शाप कम मकान नं० 2145/2 व 2146/2 जो मेन सर हिन्दी बाजार, पटियाला में स्थित है। (जायेदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5136, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> भ्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना ।

तारीख : 13 सितम्बर 1979

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के प्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना,

ल्धियाना, दिनांक 13 मितम्बर 1979

नर्देश सं० वण्डीगढ़/267/78-79—यतः, मुझे, श्रार० के० मलहोरा, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पिल, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बिघा 3 विश्वा है, तथा जो गांव बधेरी, यू०टी० चण्डीगढ़ में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति ६ उचित बाबार मृल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यदान प्रतिफत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का व्यक्दन प्रतिश्वत से अधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों )गोर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) क बीच ऐसे घरनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त प्रम्तरण लिखित में वास्तविक स्पा से कथित नहीं किया गया 🤄:--

- (क) पस्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रक्ति-नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए। स्वीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारती । प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत मधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपःने में सुविधा के लिए;

बतः प्रव, उत्तन ग्रधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियमं की घारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:——  डा० रिपूदमन सिंह पुत्र खेम सिंह गरेवाल ग्राफ बम्बई द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री जे० एस० ढिल्लों 659/16, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती जसवन्त कौर पनी श्री उजागर सिंह गांव बधेरी,
 यु० टी० चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्र**र्थन** के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 4 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 विधा 3 विश्वा है ग्रीर जो गांव बधेरी, यु० टी० जण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विले संख्या 822, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोत्रा सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लूधियाना

तारीख: 13 सितम्बर 1979

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)
भार्जन रेंज, आयकर भवन लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 13 सितम्बर 1979

निर्देश सं० पटियाला/209/78-79—यतः, मुझे श्रार० के० मलहोता, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज, लुधियाना,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से अधिक है

मौर जिँसकी सं० पलाट नं० 8 जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, तथा जो मेन जगदीण भ्राश्रम रोड़, पटियाला में स्थित हैं (मौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्णक्ष्य से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रिजस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1979

कों पूर्वीक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के वृत्रयमान प्रतिकल के लिए प्रस्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार बस्य, उसके वृत्रयमान प्रतिकल से, ऐसे वृत्रयमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत प्रधिक है और पन्तरक (प्रम्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण निकित में बाक्तिक कप से किवत महीं किया गया है।——

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की वायत, उक्त धिधिनियम के घधीन कर देने के घन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धम्य धास्तियों को जिन्हें धाय-कर धिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवित्यम, या धन-कर धिबित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

जतः धव, उक्त प्रविनियम की घारा 269-ग के पनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपवादा (1) अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अवित्:—  श्री भारत इन्दर सिंह पुत्र श्री पालविन्दर सिंह वासी पटियाला ।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती सन्तोख कौर परनी गुरवियाल सिंह द्वारा श्री मधू सिंह, करतार सिंह स्ट्रीट, मुक्तसर।

(भ्रन्तरिती)

 मह मुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्बत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में काई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामी खसे 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि में हिसबड किसी मन्य भ्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरगः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के घडमाय 20-क में परिचाचित हैं, बही धर्म होगा को उस घडमाय में दिया गया है।

# **भनुस्**चो

भूमि का पलाट जिसका क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है जो मेन जगदीण भ्रासमें रोड़, पटियाला में स्थित है । (जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विले संख्या 5006, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> ग्नार० के० मलहोत्ना सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

क्षारीख : 13 सितम्बर 1979

प्रकप भाई०टी० एन• एस०---

मायभर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, सुधियाना

ल्धियाना, विनांक 7 सितम्बर 1979

निदेश सं० LUD/272/78-79:—यतः मझे, आर० के० मलहोरा, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 2.1/2 मंजिल मकान न० 2652 है, तथा जो सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधियिनम, 1908

(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहे स्थ से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रीविनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी माय या किसी घन मा भ्रय्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर भ्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, धवः, उक्त धिवियम की वारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त धिवियम की धारा 269-ण की अपीरा (1) के अधीर निम्तिविकत व्यक्तियों,भवौतः--

- (1) श्री हरदीप सिंह पुत्र स्व० श्री हरनाम सिंह बासी मकान नं० 2652, सैंक्टर 26-सी, चन्डीगढ़ (भ्रान्तरक)
- 2. श्रीमती हरप खन्ना पत्नी श्री केवल कुमार खन्ना वासी मकान नं० 2652, सैंक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ (मन्सरिती)
- (3) 1 डा० डी० के० राय (होमोपंथ)
  2 श्री सुरजीत सिंह बाजवा व
  3 श्री मोहिन्दर पाल चोपडा वासी
  मकान नं० 2652, सैक्टर 22-सी, चन्डीगढ़।
  (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में
  सम्पत्ति है)।
- 4. दी डारेक्टर, सोसिल व बेलफेयर डिपार्टमेंट, हरियाणा चण्डीगढ़—(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त समात्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हित्बद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पाम निज्जित में किए जा सकेंगे।

स्ववडीकरण: --इतमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधितयम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बढी अर्थ होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भकान नं २ 2652, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 887, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> अ(र० के० मलहोता, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज, लुधियाना

तारीख: 13 सितम्बर, 1979

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहामक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अ(यक्तर भवन लुधियाना, लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० लुधियाना, /174/78-79—यतः, मुझे, म्रार० के० मलहोत्ना, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज, लुधियाना,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

शौर जिसकी मं० बी-6/1082 (पुराना) बी-9-5/495 (नया) है, तथा जो पुराना समराला रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जांबत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकन का पन्दह प्रतिशत अधिक है बोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित मुद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के भंधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व म कभी करने या उससे बचने म सुविधा के शिए; भौर/गा
- (च) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रवीत:→

- श्री हरविन्दर सिंह साहनी पुत्र सुजान सिंह साहनी ग्रार-278, ग्रेटर कैलाश-1, न्यू दिल्ली-48। (ग्रन्तरक)
- श्रीमती जसबन्त कौर पत्नी जीत सिंह मारफत मैंसर्ज सरदार नमकीन व स्त्रीट शाप, बी-4-508, मीना बाजार, लुधियाना 2 मकान नं० बी-9-910, गुलचमन गली, लुधियाना ।

(भ्रन्तरिती)

3. मैंसर्ज विन्टर बूलई हौजरी मिल्ज, पुराना समराला रोड, लुधियाना — (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध म कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की प्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिविनयम, के अध्याय 20-क में परिचाबित है, वहीं भर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भाग जायदाद नै० बी-9-495, सामने श्रहाता शेर अंग, पुराना समराला रोड़, लिधयाना ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख सं० 3791, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

> म्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 15 सितम्बर 1979।

प्रकप भाई • टी • एन • एस ----

नायकर विवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० लुधियाना/2023/78-79--यतः, मुझे, स्रार० के० मलहोत्रा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना, भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा नया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमुख्य 25,000/- वपवे से मधिक है भ्रौर जिसकी सं० बी-6-1082 (पुराना) बी-9-एस-495 (पुराना) है, तथा जो पुराना समराला रोड़, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता म्रधि⊀ारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख, जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की नई है भौर मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बद्द प्रतिशत प्रधिक है भौर मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में शास्तविक

(क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, सकत अधि-नियम, के भ्रष्ठीन कर देने के भ्रष्टारक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ओर/या

का से कवित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या घनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

बद्धः अब, उन्त मधिनियम की बारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त अविनियम की धारा 269-व की उपचारा (1) के सबीम निश्निल्यांबत अमन्तियों, जर्बात्ः—

- श्री जसविन्दर सिंह माहनी पुत्र मुजान सिंह साहनी बी-2-1321, मुजान सिंह स्ट्रीट, बंजमन रोड़, लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जीत सिंह पुत्र लाल सिंह, मारफत मैंसर्ज जीत सिंह चरन सिंह, हलवाई, शाप नं० 304, चौड़ी सड़क, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

3. मैंसर्ज विन्टर बूलई हौजरी मिल्ज, पुराना समराल रोड़, लुधियाना । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिये सार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का सै 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास चिचित में किये वा सकेंगे।

स्वश्वीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के ग्राच्याय 20-क में यथा परिभाषित है बही शर्ष होगा जो उस ग्राव्याय में दिया गया है।

# घनुसूची

भाग जायबाद सं० बी-9-495, पुराना समराला रोड़, लुधियाना । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना में दर्ज है)।

> ग्रार० के० मलहोता सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

**सारीख: 15** सितम्बर 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

, श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० मलेरकोटला/24/78-79—यत:, मुझे, श्रार० के० मलहोत्ना, सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 11. रें मरला है, तथा जो मलेरकोटला में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख जनवरी, 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि त्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है श्रीर शन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर शन्तरिती (शन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण ने हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधितयम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन व भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः श्रव, उक्तं श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन शर्थात:---

- मुहमद इमरान, मुहमद मुणताग, श्रमरान भली पुल उमरदीन, वासी श्रहमदगढ़ (मलेरकोटला) (श्रन्तरक)
- श्री सुखदेव सिंह गरचा पुत्र श्री केहर सिंह, बी-20-658, गरदेव नगर, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की धवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी
  धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपढदीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय म दिया गया है।

#### अनुसूधी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कताल 11.1/2 मरला है ग्रौर जो मलेरकोटला में स्थित है।

(जायबाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, मलेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 103, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

आर० के० मलहोत्ना, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रोंज, लुधियाना

तारीख: 15 सितम्बर: 1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1979

निर्देश सं० मलेरकोटला/23/78-79—यत:, मुझे, ग्रार० के० मलहोत्रा, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना,

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 11.1/2 मरला है, तथा जो मलेरकोटला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मलेरकीटला में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 की (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1979 पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्थित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान श्रतिकल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्थित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का चलाइ प्रतिकत से सिक्ष है और सन्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरक के लिए स्थापा गवा प्रतिकल निम्नलिखित स्थेश्य से स्थन सन्तरक जिल्ला स्थापा गवा प्रतिकल निम्नलिखित स्थेश्य से स्थन सन्तरक जिल्ला स्थापा गवा प्रतिकल निम्नलिखित स्थिय से स्थन सन्तरक जिल्ला स्थापा गवा प्रतिकल निम्नलिखित स्थिय से स्थन सम्तरक जिल्ला स्थापा गवा प्रतिकल निम्नलिखित स्थिय से स्थन सम्तरक जिल्ला स्थापा से स्थापा स्थापति स्थापा स्थापति स

- (क) घस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के घंडीन कर देने के मन्यरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घितियम या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

अंद: अब, उक्त ग्रीधिनयम की धारा 269-म के प्रनुसरक में में, उक्त ग्रीधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात्:----11---276 GI/79

- 1. श्री मुहमद इमरान, मुहमद मुशताग व मुहमद अमरान अली पुत्र उमरदीन वासी अहमदगढ़ (मलेरकोटला) (अन्तरक)
- श्री जगदीश सिंह गरचा पुत्र श्री केहर सिंह बी-20-658, गुरदेव नगर, लुधियाना
  (प्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यधाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाकोपः---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
  किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधितयम के शन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल 11.1/2 मरला है श्रीर जो मलेरकोटला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, मलेरकोटला के कार्यालय के विलेख संख्या 102, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

श्रार० के० मलहोत्ना सक्षम **मधिका**री, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, **लुधियाना** 

तारीख: 15 सितम्बर 1979

प्रकप थाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

# भाषकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

भागीलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्तण)

मर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं० सी० आर० 62/22677/79-80/एक्यू/बी—यतः मुझे, पी० रंगानाथन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,009/- क्पए से घष्टिक है

धीर जिसकी सं० 25, है, तथा जो II कास, मलेशवरम, बेंगलूर-560003, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से बांणत है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय राजाजीनगर, बेंगलूर दस्तावेज सं० 3263/78-79 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह श्रीतगत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण, जिखित में वास्तरिक, कम में कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत जबत भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के वाधिस्य में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए ; भीर/या
- (बा) ऐसी किसी माय या | किसी धन या मन्य मास्तियो, को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुजिशा के लिए ;

पत: प्रव, उक्त धिवियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त धिवियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अक्षीन निम्नलिबित व्यक्तियों, धर्मात्:—  श्री एस० टी० शिवारामय्या पुत्र श्री सूरयानारायनय्या सं० 25 , II क्रास मलेशवरम बेंगलूर-560003 बेंगल्र-560003।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुसतका खान पुक्ष मोहबूब खान, सं० 347, करगमपेट के० सी० एफ०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचत सम्यक्ति के धर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के धर्नन के नम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो की
  भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा :
- (ब) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिवब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइन्ताकरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

हराब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिनियम के भव्याय 20-क में परिभावित हैं, वही भर्च होगा जो उस भ्रभ्याय में दिया गया है।

#### प्रमुखी

(दस्तावेज सं० 3263/78-79 तारीख 3-1-79)
यह सम्पत्ति सं० 25, II क्रास , मलेशवरम बेंगलूर-

चकबंदी पूर्वः श्री रंगाचारी का घर

प: मुनसीपल रोड़

उ: श्री चन्नाबस्सय्या का घर

द: II कास रोड।

पी० रंगानाथन सक्षम प्रःधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 30-7-1979]

प्रकृप भाई • टी • एन • एस • ----

पावसर पश्चितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के प्रधीत सूचना

मारत सरकार

कार्याक्रम, सहामक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 30 जुलाई 1979

निर्देश सं०सी आर 62/23295/79/80/एसी न्यू/बी/— यतः मुक्के, पी० रंगानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात् 'उका प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्भाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1039/14, है, तथा जो 1 मेन रोड़, ब्लाक, राजाजीनगर बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बेंगलूर दस्तावेज सं० 4331/78-79 में र्राजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 2 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल से के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का आरण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशन से मधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फन निस्तलिखा उद्देश से उक्त प्रन्तरण विश्वत में वास्तविक का ने हिंगा नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरत में हुई किसी प्राय की बावत उपत प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनते में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी घन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनयम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-य के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की बारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, ग्रवीत:--- 1. श्री एम० वी० तिप्पास्वामी पुत्र लेट श्री एम० विश्ववानाथय्या श्रीमती एम० पारंवातम्मा पत्नी कुमारी एम० वी० शाशीकाला रीप्रेजेन्ट कर रहे हैं एम० पी० तिप्पास्वामी प्रोप० तिप्पास्वामी द्रान्स्पोर्ट वी० पी० एकस्टेनशन चित्रादुर्गा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० जी० श्रीनिवासन ग्रडवाकेट स० 1039/ 14, मेन रोड़, IV ब्लाक राजाजीनगर, बेंगलूर-560010।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिन-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भन्नोहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो आयकर भिक्षित्यम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिना गया है।

#### वमुसूची

[दस्तावेज सं० 4331/78-79 ता० 2-1-79] घर सम्पित्त सं० 1039/14, 1st मेन रोड़ IV ब्लाक, राजाजीनगर, बेंगलूर-5600101

चकबंदी:--उ: साध्ट सं० 1038

द: कुनडाजी बस्सप्पा की सम्पत्ति पूरव: 80 फीट का रोड प: कनसरवेनसी लेन।

> पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर।

तारी**ख**ः 30-9-7-79

मोहरः

त्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

धायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 2 भगस्त 1979

निर्देश सं० सी आर 62/22893/79-80/एसी क्यू/(बी) यतः मुक्ते, पी० रंगनाथन्

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 9ुराना नं० 7, तथा नया नं० 10 टिरामस्वामी ले आखट III कास, सिद्धया रोड़, बेंगलूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडिं बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी न्नाय की बाबत, उक्त धिंक-नियम के धन्नीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कौर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त घिष्टिनियम, या धनकर धिष्टियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के सिए,

श्रतः सब, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के सन्नीन निम्मतिकित व्यक्तियों, धर्वातः— 1. श्रीमती लक्ष्मीदेवी पत्नी श्री सी० एम० एम० शर्मा, नं० 13/13, पंपामहाकवि राष्ट्र, शंकरपुरम, बेंगलूर-4।

(घन्तरक)

- 2. (1) श्रीयुसफुल्लाखान
  - (2) श्री सविपुल्ला खान
  - (3) श्री औबंदुल्ला खान
  - (4) सीयापुल्ला खान
  - (5) शफियुल्ला खान श्री शियशवान।

सभी निकासी पुराना नं० 7, नया नं० 10, टी० रामस्वामी लेआउट, एम० सिद्दृष्पा रोड़ बंगलूर-27। (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति ने ग्रर्जन ने लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविश्व या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना ने राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, भाषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्होकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों भीर पवों का, जो जनत प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हुआ है।

#### अनुसची

[दस्तावेज सं० 464/78-79 ता ० 27-1-79] पुराना नं० 7, नया नं० 10, टी० रामस्थामी लेखाउट III क्रास एम० सिद्दृष्पा रोड़, बेंगलूर।

उ: श्री एस० इ० वेनुगोपाल का प्रोपर्टी।

वः श्री कुमार और मूर्ति के प्रीपटी

पू: III कास रोड भीर

पः श्री सयद हबीद सञ्जन श्रीर मोहम्मद उसमान्स के प्रापर्टी।

> पी ०रंगानाथन्, सक्तम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, बंगलुर

तारीखाः 2-8-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ----

जानकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के श्रोधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलूर का कार्यालय बेंगलुर, दिनांक 31 जुलाई 1979

निर्देश सं ० सी आर 62/22990/ /79-80/एसी क्यू/ -- यतः, मुझे पी ० रंगनाथन् भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से भ्रधिक है

प्रौर जिसकी सं ० 149, 11 मेन रोड़, है, जो 324 कास, ए ब्लाक जयनगर ईस्ट बंगलूर में स्थित है ( थ्रौर इससे उपाबद्ध धनुसुको में थ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जयनगर , बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 19जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीष्ठक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुनरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) प्रधीम, के निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीतु:---

 श्री एम० बेल्लियन् पुत्र श्री मानीकम चेट्टियार नं० 18/2/215, ग्रशीकनगर, तिरूपति टाऊन, चित्तूर जिस्ट्रिक्ट, (ए०पी०)।

(भन्तरक)

श्री के ० टी ० देशियटपन पुत्र श्री के ० टी ० तिरूमलाइ-स्वामी चेट्टियार, प्लाट नं० 6, फस्ट फ्लोर "नाइन एकसेस"। ( ) का ० कोपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी, 18 मेन रोड़, खार बम्बई-400052।

(भ्रन्तरिती)

3. (1) श्री हमीयुल हुक

- (2) श्री के० वी० पौलरोज
- (3) श्री शंकर प्रभु
- (4) श्री कृष्णजी राव
- (5) श्रो वासुदेव राव
- (6) श्री काशो पी०

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिव्यास के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

[दस्तावेज सं 0 3075/78-79 तारीख 19-1-79] ए०पोर्शन श्राफ दी प्रिमिजेज नं 0 149, 11 मेन रोड, 3 फास, IV ब्लाक, जयनगर इस्टि, बेंगल्-11।

चकबंदी : पू: प्राइवेट प्रापर्टी

वः प्राइवेट प्रापर्टी

प: 11 मैंन रोड़ भौर

उ:क्रांस रोडा

पी० रंगनाथम् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारी**ख**: 31-7-1979

# प्रकृष बाई० टी० एत० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के प्रधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 श्रगस्त 1979

निर्देश सं० CR 62/22854/79-80—Acq./B-श्रत: मुझे, पी० रंगनाथन, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर श्रायकर है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रायक है

श्रीर जिसकी संख्या खाली जगह का नं० 51, है, तथा जो महास स्पेयर आफिर्सस हाऊस बिल्डिंग को-श्रॉपरेटिव सोमाईटी लि० दोडिगुंटा, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय शिवाजीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तां० 19 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृयगमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से प्रश्चिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिकत उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिकक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अबि-नियम के अबीन कर देने के अन्तरफ के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविचा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिवियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर घिवियम, या धन-कर धिवियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध धन्तरिती द्वारा अकट महीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

मतः ग्रव, उक्त धविनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त धविनियम, की बारा 269-य की उपवारा (1) के ग्रवीन निम्नतिवित व्यक्तियों, भ्रवीत्:—

- 1. श्री एस० पी० पूरी, नं० 14, पैलेंस रोड, बंगलूर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री Fr. ए० सी० कोशी एजेन्ट फार (हिज होसिनेस मोरन मार थोमा मैथ्यूज/दि काथोलिक श्राफ दी ईस्ट श्रौर मलामबासी, मेटोंपालिटन), विकार-गली ग्रेगोरियस श्रार्थोडक्स सिरियन् चर्च, हासर रोष्ट, बंगलूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कायवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के धर्फन के सर्वध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध िक्सो प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्राधितियम के भ्रष्टयाय 20-क, में परिकाशित हैं, बही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिवा गया है।

# धनुतुषी

(दस्तावेज सं० 2945/78-79 ता० 19-1-79) खाली जगह का नं० 51, मद्रास स्पेयर श्राफिसर्स हाऊस बिल्डिंग को० श्रापरेटिव सोसाइटी लि० दोडिगुंटा बंगलूर । चकवंदी

पुः खाली जगह का नं० 12,

उ: खाली जगह का० नं० 50,

प: रोड़ श्रौर

द: रोड।

पी० रंगनाथन् सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रापकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 17-8-1979

प्रकप चाई॰ टी॰ एन॰ एम॰----

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269थ (1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 17 ग्रगस्त 1979

निर्देश सं० सी० आर०62/22972/79-80/एसीक्यु०(बी०) —यतः मुझे, प० रंगनाथन्

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वःस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- इपये से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० खाली जगह का नं० 274, है, तथा जो बिन्नायंगला डिफेन्स कालौनी एच० ए० एल० रोड II में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण का वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बगलूर में रजिस्ट्री-करण, ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10 जनवरी 1979

को पूर्वोक्त सम्पति के उधित वाजार मृत्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फत के लिए प्रत्तरित को गई है और गुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से प्रधिक है धीर भन्तरक (भन्तरकों) धीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी याप की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आहितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिवियम, या धनकर भीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रत: ग्रव, उपत ग्रॉबिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उपत प्रविक्तियम की घारा 269-च की उपश्रारा (1) प्रधीत पित्रनिविद्यत स्वस्तियों, प्रचीत् :---  ब्रिगेडियर के० केसवे नायक रिटायर्ड पुत्र लेट के० रामनाथ नायक नं० 190 V क्रास, वसंयनगर, बंगलूर।

(अन्तरक)

- (1) श्री वी० ग्रार० शिवप्रसाद पुत्र श्री रामय्या रूम न'० 56 बी० एम० सी० जेंटस होस्टल पैलेस रोड़, बंगलूर।
  - (2) श्री बी० ग्रार० मुरलीधर पुक्ष रामय्या रूम नं० 27, बी० वी० बी० इंजीनियरिंग -कालेज, विदयानगर, हुबली-20 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्त्रंथी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूजोंक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवढ़ किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाचीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जनत ग्रिधिनियम के शब्दाय 20-क वें परिभावित हैं. वहीं ग्रयं होगा, जो उस ग्रह्माय में विया गया है।

#### अनुसूची

(बस्तावेज सं० 2835/78-79 दिनांक 10-1-79) खाली जगह का नं० 274, विन्नायंगला डिफेन्स कौलोनी, एच० ए० एल० रोड, II स्टेज, बंगलूर। चकबंदी:—

पू: 100 रोड़

प: खाली जगह का नं० 262

उ: प्लाट नं० 275 श्रीर

दः प्लाट नं० 273 भौर 272।

पी० रंगनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख: 17-8-1979

प्रकप माई• टो• एत• एस•---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

बेंगलूर, दिनांक 17 श्रगस्त 1979

निदश सं० सी०आर० 62/22987/79-80/ए०सी०क्यू०बी०/-यतः मुझे पि० रंगनाथन्

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घ्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-क्यमें से घ्रधिक है

मौर जिसकी सं० बिल्डिंग प्रिमिसिज है तथा को घोल्ड नं० 2, नया नं० 23 कनस्ट्रेक्टिंड ग्रान नार्दन हाफ पोर्शन आफ प्लाट नं० 17 केंगल हनुमनथ्या रोड़, (डिवीजन नं० 26) ग्रांती नगर बेंगलूर-27 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद प्रमस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 31 जनवरी 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्रत के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिक्रल का प्रवह प्रतिकृत प्रधिक है घौर धन्तरक (भन्तरकों) घौर प्रस्तरिती (प्रस्तरितयों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत, निम्निस्तित उद्देश्य से उच्त अन्तरण विज्ञत में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्यरण से हुईं किसी भाग की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिमी बन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती दास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने ये सुविधा के लिए;

सतः शव, उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, एक्त मधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- 1. (1) श्री बी॰ जी॰ कृष्णन् पुत्र लेट बी॰ वी॰ गरदाचार
  - (2) श्री बी० के० राम प्रकाश
  - (3) श्री वी० के० ध्रक्त कमार
  - (4) श्री बी० के० उदयकमार

श्री बी० जी० कृष्णन् के पुत्न, नं० 2 व 3 रिप्रेजेन्टेड बाई देअर फादर और पावर आफ अटोरनी हील्डर चिम्का श्रीडोगड़ि बंगलूर के निवासी (ग्रन्तरक)

- 2. श्री डी॰ एच॰ सिवन्द्रय्या सुपुत्र लेट हुच्याबीरप्पा नं॰ 23 केंगल हनुमंथैया रोड़, शांतिनगर, बेंगलूर-27। (म्रन्तरिती)
- 3. (1) मैंसर्स भारती मेडिकल स्टोर्स
  - (2) मैसर्स एरो सिस्टम्स।

(वह व्यक्ति, जिसक भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

क्पक्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### **बनुसूची**

(दस्सायेज 3228/78-79 ता० 31-1-79)

बिल्डिंग प्रीमिसेज बीयरिंग पुराना नं० 2, नया नं० 23, कनस्ट्रकटड श्रान नार्दन हाफ पोर्गन श्राफ प्लाट नं० 17, केंगल हनुमंथैंट्या रोड (डिवीजन नं० 62) शातिनगर बंगलूर-27। चकवंदी:—

पू: दि हौस धाफ लेट रंगास्वामी शास्त्री,

प : केंगल हनुमंधैय्या रोड

उ : वि हौस प्राफ लेट श्री हनुमंधीया बीयरिंग नं० 22

द : हौस नं० 24, श्राफ दी बेंडार्स सोल्ड टु० ए० थर्ड पार्टी।

> पी० रंगनाथन् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 17-8-79

प्रकृप बाई॰ टी॰ एन० एस >---

प्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 18 ग्रगस्त 1979

निर्देश मं०सी०आर० 62/22922/79-80/एक्यू/बी—यतः मुझे पि० रंगानाथन सहायक श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त श्रधिनियम कहा गया है), नी धारा 269 ख

भायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस क्षम इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र• से श्रीधक है

म्रौर जिसकी सं० 4-5-11 म्रौर 4-5-12 हैं, तथा जो झमबालपाडी वारड, मुदानीडमबर गांव उट्टपी, एस० के में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपावद्ध म्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उडपी, दस्तावेज सं० 898/78-79 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख 31-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिशत से अधिक है जोर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) शौर श्रम्तरिती (श्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविद्या के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों की. जिन्हें भारतीय आयक्तर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त ग्रिधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--12-276 GI/79

- (1) श्री ए० एम० मोहन राव चेयरमैन श्रीर डाइरेंक्टर ग्राफ दी शावकर, विट्टाल मोटार कम्पनी लिमिटेड श्रघंता फलनीर मेंगलूर
  - (2) श्री कृष्णमती राव ग्ररूर मयानिष्ण डाइरेष-टर दी० शंकर विटटाल मोटार कम्पनी लिमिटेड गायतरी फलनीर मेंगलूर।
  - (3) श्री ए० श्रीपती राव, जनरल मयानवर श्ररविंद मोटारस श्रलानकार फलनीर मेंगलूर।
  - (4) श्री ए० रामेरा राव गयानेधीग डाइरेक्टर दी शंकर विट्टाल ट्रॉन्सपोरट कम्पनी लिमिटेड, कोपपाटाऊन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० सातीशचन्द्रा हेगडे पुत्र श्री एस० हीरयनना हेगडे ग्रलानकार ग्राजवजरकड़ उडूपी ाऊन। (शन्तरिती)

को यह सूबता जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के म्रर्जंत के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तरीब से 45 विन की ध्रविध या तस्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र पें प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भधोहरताक्षरी के पास विविद्यत में किए जा सकेंगे।

स्पन्दोक्तरण: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, उका अधि-नियम, के घ्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं धर्म होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज 98/78-879 ता० 31-1-79) धर सम्मित तथ जो भ्रमवलपाड़ी वार्ड मेदानीदमबूर गांव, उडपी टाऊन (ए ० के०) में हैं जमीन 68 संटेश भ्रार० सी० सी० का घर "भ्रलानकार" नाम से कहलाता है उसका सं० 4-5-11 भ्रौर टाइलड का घर सं० 4-5-12।

प० रं**गानाथन्** सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रेंज, श्र**ाल्**र।

तारीख: 18-8-79

ोहरः

प्रक्प बाई • टी • एन • च्म •----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 57, रामतीथ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 7 भ्रगस्त, 1979

निर्देश सं० एस०-178/ग्रर्जन/78-79--ग्रत:, मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन, धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- वपये से प्रधिक है भ्रौर जिसकी संख्या 560 तथा 573 है तथा जो ग्राम मनपुरी तथा जिला रामपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिट्टीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, रामपुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-1-79 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घरतरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्ष से मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में

(क) अन्तरण से हुई किसा भाय की बाबत, उक्त भिक्षितमा के भिक्षीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;भीर/या

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या सन्य सास्तियों, की जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया का या किया आना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अव, उक्त प्रविनियम की बारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम को बारा 269-म की उपधारा (1) के बादीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अवित् :—

- श्रीमती प्रखत्तर लका बेगम उर्फ सुरइया बेगम (ग्रन्तरक)
- श्री सय्यद श्रली खांव हूसेन श्रली खां उर्फ सलमान-मियां (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी धाओंप ।---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 किन की घविष्य या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्य, जो भी धविष्य बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ता अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शक्कि-नियम के श्रध्याय 20-स में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

द्याराजी बांके ग्राम वमन पुरी तहसील सदर रामपुर नम्बरी 573 व 569 कुल 24 बीघा पुछता व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37 जी संख्या 134 व सेलडीड में विणित है जो कि सब रिजस्ट्रार रामपुर के कार्या-लय में दिनांक 18∼1∽1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7-8-79

प्रक्ष भाई • डी • एत • एस ० --

आयक्टर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 296-भ (1) के प्रधीन सूचता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-57, रामतीर्थ मार्ग-लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अगस्त 1979

निदेश सं० एन०-28/ग्रर्जन 79-80---ग्रतः, मुझे, ग्रमर सिंह बिसेन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व॰ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाटभूमि है तथा जो ग्राम बस्तोनी लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-1-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिश्वल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिश्वल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिश्वल का वन्द्र प्रतिशत से प्रधिक है धौर धन्तरक (धन्तरकों) घौर धन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाया वया प्रतिश्वल, निम्नकिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण विखित में वास्तविश्व क्या से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत 'उक्त धिसियम' के धिमीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या बिसी धन या सन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय पायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, वा सन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रवः धव, उन्त प्रधिनियम की श्रारा 269-न के अनुसरच में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के प्रशीत, निन्तिविधा व्यक्तियों, श्रवांत् :---

- 1. श्री सुरेश चन्द्र श्रीवास्तव (भ्रन्तरक)
- 2. श्री नन्द किशोर व चन्द्र कलानी (भ्रन्तरिती)
- 3. विकेता (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी सरके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्ये !-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिश के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रष्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्वीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्रव्होक्तरण: -- इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पढ़ों का, जो इक्त श्रीधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्ष होगा, जो उस श्रद्भाय में दिया गया है।

# अनुसूकी

भूमि प्लाट क्षेत्रफल 6 बिस्वा 15 बिस्वांसी स्थित ग्राम परगना व तहसील बस्तोली जिला लखनऊ व संपत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37—जी संख्या 503 व सेल डीड में वर्णित है जो दोनों सब रिजस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 2-1-1979 को पंजीकृत हो चुके हैं।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 6-8-79

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-----

भावकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 18 भ्रगस्त, 1979

सं० ए० सी० स्यू०/23-2-2440(839)/1-1/79-80--शतः, मुझे, एस० सी० परीख श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधीकारी को, यह विश्वास करने का कारण

🕏 कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/--

रुपए से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 19-म्प्र, है तथा जो कालानाला, वादासाहेग मंदिर के सामने, भावनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीनित श्रिधकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीन करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 24-1-1979

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देव के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं, किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत—

- 1. श्री रमेशचंद्र तिभोवनदास तिविदी, कालानाला, दादा-साहेब मंदर के सामने, भावनगर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री: गुणवंतराय जे० तिविदी, श्री: मुकेश गुणवंतराय विभेदी, मुकेश गुणवंतराय एच० यू० एफ० के कर्ता के कुल मुख्तयार, कालानाला, भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बिल्डिंग जिसका प्लाट नं० 19-ए जो 774-10 वर्ग मीटर जमीन पर खड़ा है जो कालानाला, दादासाहेब मंदर के सामने भावनगर में स्थित है तथा बिकी दस्ताधेज नं० 137/24-1-1979 से रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, भावनगर द्वारा रजिस्टर्ड किया गया है यानी उसमें प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस॰ सी॰ पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 18-8-1979

प्रकृप धाई • टी • एम • एस • —

भायकर प्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

सं० पी० ग्रारं० 719 एक्यू० 23-1381/6-1/79-80--ग्रतः मुझे, एस० सी० परिख आयक्तर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर उम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- द० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० पर्नैड नं० 9 है तथा जो इम्पाला हाउम, विश्वास कालोनी, बड़ोदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-1-79

(1908 का 16) के अधान 18-1-79
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत
से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) घौर घन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक क्य से स्थित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्नरण से हुई कियो भाग की बाबत, उसन अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी भन या भन्य श्रास्तियों को जिन्हों भारतीय भायकर भिभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिमित्यम, या भन-कर अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाता काहिए था, शिपामें में मुविधा के लिए।

बतः सब, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269क के प्रमुक् सर्ण में, मै. उन्त प्रधिनियम को द्वारा 269क की स्पक्षारा (1) के बधीन निस्निविखित ग्रांकिनमों, अर्थात् !---

- 1. श्री रामभाइ भाइलाल भाइ फ्लैट नं० 9, इम्पाला हाउस, विश्वास कालोनो, बड़ोदा। (भ्रान्तरक)
- 2. श्री: रिश्म लाल श्रंबालाल फ्लैंट नं० 9, इम्पाला हाउस, विश्वास कालोनी, बड़ोदा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकल जो फ्लैंट नं० 9, इम्पाला हाउस, विण्यास कालोनी बड़ोदा में हैं। श्रौर जो रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, बड़ोदा के कार्यालय में रिजस्टर्ड नं० 88 से ता० 18-1-79 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० परिख, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद।

तारीख: 7-9-1979

मोहरः

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### मारत सरकार

कार्यामय, सहायक बायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

सं० पी० भार० 723 मकेला 23-1382/6-1/79-80--श्रतः मुझे, एस० सी० पारिख भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त घिष्टिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित कारण है म्ह्य 25,000/-रुपये से प्रधिक है बाजार भौर जिसको सं० प्लाट नं० 40 है तथा जो विश्वास कालोनी रेस कोर्स रोड़, बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध **अ**नुसुर्च। में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-1-1979 सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **बुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर** मझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ध्रधिक है घीर धन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच पेसे भग्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (ण) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-णियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः धन, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रतु-सरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्ननिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्ः

- श्रोमती मृदुला बेन भास्करन पाटिल 6, किण्ना हाउसिंग सोसायटी, ग्रानंद जाल्ला खेड़ा । (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरेन्द्र शांतीलाल पटेल श्रौर दूसरे वाडी रंग महल, बड़ौदा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिक्ष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

## अनुसूची

मीलकन जी प्लाट नं० 40, विश्वास रेस कोसं शेड, बड़ौदा में हैं। श्रौर जो मामने 5143/6 चोरस फिट है। ये मिलकन रजिस्ट्रो कर्ता श्राजकल बड़ौदा के दफ्तर में का 17-1-1979 का रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सो० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-ध, म्रहमदाबाद।

तारीख: 7-9-1979

मोहरः

प्रक्ष भाई • टी • एत • एस • — — मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269 वं(1) के ममीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 7 सितम्बर 1979

सं० पी० म्रार० 724 म्रकेला 23-1340/7-5/79-80 -- म्रतः मुझे, एस० सी० पारिख मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मिनियम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्र बाबार मूल्य 25,000/- क्पए से मिक है

श्रीर जिसकी संव सीव एसव नव 751 श्रीर 752 है तथा जो अंबरग्राम जी वलमाड़ में स्थित है (श्रीर इससे-उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पारडी में रजिस्ट्री-करण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 5~1-1979 को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये पन्तरित की गई है और मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से मधिक है और प्रन्तरक (श्रम्तरकों) भीर मन्तरिती (श्रम्तरितीं) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निवित उद्देश्य से उचत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किंवन नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधितियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में सभी करने या उससे भवने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः सवः, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री बदरुद्दीन एच० मसालावाला, मसालावाला निवास जुहु लेन, ग्रंदेरी वस्ट, बम्बई-58। (श्रन्तरक)
- 2. श्री चमन लाल पी० जवेरी सी-1/2, हडन होल, खा० ए० बी० रोड़, लोटस सिनेमा के सामने बरली, बम्बई-400018। (म्रन्तरिती)

को यह पूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्मति के धर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की घवछि या तत्संबंधी स्मित्तयों पर सूचनी की तामील से 30 दिन की घवछि, जो भी घवछि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों से से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी प्रश्य व्यक्ति द्वारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बों घीर पदों का, को उक्त घित्रयम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही मर्थ होगा, को उस प्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन श्रीर मकान जो माप में 3929 चोरस गज है ग्रीर जो ग्रंबर गांव जिला वलसाड में है। जिसका स० सं० नं० 751-ए, ग्रीर 752 है। ग्रीर जो रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पारडा के कार्यालय सं० 5-1-1979 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-U, ग्रहमदाबाद

तारीख: 7-9-1979

प्ररूप भाई। टी। एन। एस।---

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचा।

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, कायलिय धहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर, 1979 सं० पी० श्रार० 725 एक्यु० 23-1340/7-5/ 79-80-ग्रतः मुझे, एस० सी० पारिख भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- 🐠 से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 754 है तथा जो उमरगांव जिला बलसाड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, वलसाड में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रति-फल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रिक है और ग्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) 🥻 के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1) अधीन निम्निक्षित व्यक्तियों अर्थात् —

- श्री बदरुद्दीन एच० मतातावाला मताला वाला निवास, जुट्ट लेन, भ्रन्धेरी वेस्ट बम्बई-58। (अन्तरक)
- 2. श्री चंपकलाल पी० झबरी, सी-1/2, हडन होल, डो० ए० बी० रोड़, लोटस सिनेमा के सामने, वर्ली, बम्बई-4000781 (ग्रन्तरिती)

की यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूबता के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मींतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति न्नारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सर्केंगे।

रपच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका घहर सर्वे नं० 754, जो उमरगांव जिला बलसाड में हैं। ये मिलकन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पाडी के कार्यालय में ता० 5-1-1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारि**ख,** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-<sup>II</sup>, श्रहमदाबाद

तारीख: 7-9-1979

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 व (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-I, अहबदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर, 1979

श्रीर जिसकी सं० खेती की जमीन 4878-3 वर्ग गज है तथा जो नदी के किनारे जुनागढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 8-1-1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञल धायिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरिक धायिक है और धन्तरक (धन्तरकों) को साथ गया प्रतिफल, निश्निलिकत उद्देश्य से उक्त धन्तरण निश्चित में बास्तिविक रूप से किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्षित्यम के अधीन कर बेने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और ग्या
- (ख) ऐसी किसी लाय या किसी वन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविज्ञा के लिए।

बतः धव, उनत बिधिनियम की चारा 269-ग के धनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
13—276GI/79

- 1. श्री भैया बिहारी लाल देवकलीदीन तथा मन्य तलाब दरवाजा के बाहर, जुनागढ़। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री नाथ जी कार्माशयल कार्पोरेशन भागीदार श्री मोहनलाल एल० पटेल के मारफत 4, जयश्रीनगर, जनागढ़। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत संपति के नर्जन के संबंध में अकोई भी जाबीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की कारी वा से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाव म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी प्रज्य क्यक्ति द्वारा घंधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वव्यक्तिस्य :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### बनुसूची

4788-3 वर्ग गज खेती के जमीन जो नवी के किनारे जूनागढ़ में स्थित है तथा सब रिजस्ट्रार जनागढ़ द्वारा विकी दस्तावेज नं० 28/8-1-1979 से रिजस्टर्ड किया गया है यानि प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रोज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 7-9-1979

प्रकर्प प्राई० टी • एन • एस • ----आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 सितम्बर 1979

सं० ए० सी० क्यं० 23—I-2060 (848)/11-1/79-80—- आतः मुझे, एस० सी० पारिख आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात (उक्त अधिनियम, कहा गवा है), की बारा 269-ख के अधीन सक्या प्राधिकारी को, यह विस्थात करने का कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/-द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० खेती की जमीन 4640-01 वर्ग गज है तथा जो नदी के किनारे, जुनागढ़ में स्थित हैं (थ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जुनागढ़ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-1-1979

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के जिलत नाजार मूल्य से कम के वृश्वमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्णोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिस्ति से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तब पावा यथा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सम्तरण जिखित में वास्त्विक उप से किंचत नशी किया गया है:—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी बाय की बावत, पक्त प्रधिनियम के प्रधीत कर देने के प्रग्तरण के दायित्व में कमी करने या अससे वजने के सुविधा के लिए; बौर/मा
- (ख) ऐसी किसी प्राध या किसी वन या अग्य आस्तिकों को, जिन्हें नारतीय प्राय-कर प्रवित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत प्रवित्तियम, या धन-कर प्रवित्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविद्या के सिए;

नतः सन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसर्व में, नें जिन्त प्रविनियम की धारा 269-भ की चपवारा (1) के अबीन, निज्निवित व्यक्तियों, सर्वाव्:---

- 1. श्री भैया विहारीलाल देवकलीदीन तलाब दरवाजा के बाहर, जूनागढ़। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीनाथजी कोर्माशयल कार्पोरेशन, भागीदार श्री मोरनलाल एल० पटेल के मार्फत 4, जयश्रीनगर, जूनागढ़। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

ं उपका कम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी धार्धेप :→-

- (क) इस सूचना के राधपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 विष की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  कूचना की तानीख ते 30 दिन की सर्वाध, जो भी
  खर्यांच बाद में तनाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाबन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उनत स्वावर सम्बद्धि में द्वितबढ़ किसी अन्य स्थित द्वारा सधोद्द्याक्षरी के पास किस्ति में किए जा सकेंग ।

श्यक्तीकरण :---इसर्ने प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिचाचित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गवा है।

# मनुसूची

4640-01 वर्ग गज खेती की जमीन जो नवी के किनारे जुनागढ़ में स्थित है तथा सब रजिस्ट्रार जुनागढ़ द्वारा बिकी दस्तावेज नं० 29/8-1-1979 से रजिस्टर्ड किया गया है यानि प्रापर्टी का पूर्ण वर्णन उसमें दिया गया है।

एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी .सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख: 7-9-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज- ; अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

सं० नं० पी० श्रार०-727/ग्रकेन/23-II/6-1/79-80-श्रतः मुझे, एस० सी० पारिख,

धायकर ग्रांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रांधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-च के ग्रंधीन सक्षम श्रांधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- वपए से ग्रांधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुल्ली जमीन, कारेली बाग, निवृति कालोनी है तथा जो ट्रेनिंग कालेज के सामने में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18~1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्तइ प्रतिकात से प्रधिक है और सम्तरक (सन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितयों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण जिखात में वास्तविक एप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रत्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, चक्य भ्रमिनियम के भ्रमीन कर वेने के भ्रत्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी सन या ध्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिंतियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त प्रधितियम, या ध्रत-कर घंितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया या या किया जाना चाहिए चा, क्रियाने में मुनिधा के लिए;

धतः धन, उन्त प्रधिनियमः की धारा 269-म के धनुसरक में, में, उन्त अधिनियम की धारा 9-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री चन्दुभाई रामभाई पटेल ग्रलकापुरी "रबना" संपारराव कालोनी, बड़ोदा। (ग्रन्तरक)
  - 2. (1) माह चतुरभुज हिरालालं
- (2) रमाधन चतुरभुज महेना पोल, पटवारी रुड़की, बड़ौदा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के भ्रजेंन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शर्वाध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्यो का, जो उक्त भविनियम, के भव्याय 20-क में परिकाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भव्याय में विद्या गया है।

#### ग्रन् सूची

खुल्ली जमीन जो कारेली बाग, निवृती कालोनी ट्रेनिंग कालेज के सामने बड़ौदा में है। जो माप में 3465 चोरस फिट है। श्रौर रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी बड़ौदा के दफ्तर में माह जनवरी 1979 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना मारत सरेकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 सितम्बर, 1979

सं० नं० पी.० म्रार० 728/एक्यू० 23-11/19-2/79-80--मृतः मुझे, एस० सी० पारीख, बायक द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के से अधिक है

धौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 381 है तथा जो विलेज वाब ता० कामरेण में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कामरेण में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-1-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत सम्पत्ति (सन्तरित से) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, खिखित में वास्तविक कप से क्षित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरच से हुई किसी धाय की बाबत, उक्ष भ्रक्षि-जियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या उससे बचने में सुविका के सिए; भ्रीर/या
- (च) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घर्य घास्तियों को जिन्हें घाय-कर घिषित्यम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त धिषित्यम, या धन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा ने जिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रमिनियम की घारा 269-ग के भ्रमुसरण में, में, उक्त भ्रमिनियम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के सम्रीत निम्निवित्त स्पन्तियों, सर्वात्:---

- 1. श्री वसंत राय दाह्यभाइ परीक गांव वाब, ता० कामरेण। (श्रन्तरक)
  - 2. (1) श्री सीगारा सिंग ,मसासिंग,
- (2) श्री श्रमरसिंह भंगलिसह, बड़ोदा रियोन, श्रनाजवाला बिल्डिंग, उधना। (श्रन्तरिती)
- को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियांकरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (था) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्वो का, को उक्त भीध-नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जो गांत्र बाब में है श्रीर जो माप में 16 एकर श्रीर 39 गुंढा है। श्रीर रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कामरेण के कार्यालय में जनवरी, 1979 के महीने रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० एन० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-9-1979

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269व (1) के भन्नीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, अहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 15 सिसम्बर 1979

सं० पी० म्रार० 738/एक्यी० 23/19-7/79-80--

भ्रतः मुझे, एस० एन० परिख,
भायकर भ्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त भ्रिभियम' कहा गया है),
की भारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से भ्रिक है,
भ्रौर जिसकी सं० बंगलो नं० 72 शांति निकेतन सोसायटी

में हैं तथा जो वास्ता देवडी रोड़, लाल दरवाजा सुरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

**प्रधीन, तारीख 8-1-1979** 

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; श्रीर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भ्रम कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिये;

भतः भव, उस्त समिनियम की घारा 269 ग के धनुसरण में, में उस्त समिनियम की घारा 269-च की उपधारा, (1) के क्षभीन, निम्निकिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री नवजीत भाई विजलार मोदी 355, लोकीम रोड़, खार, बम्बई। (अन्तरक)
- 2. श्री शशभाई दुर्लभभाई पटेल 3/585, मोटा शेरा, गाले मंडी, सुरत। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पति के धर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भ्रविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधीहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे!

स्पक्किकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुतूची

जमीन और मकान जो शांती निकेतन मोसायटी सुरत में है श्रीर जिसका सं० नं० 422, वास्ता देवडी रोड़ लाल दरवाजा सुरत है, य मिलकन रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सुरत के कार्यालय में ता० 8-1-79 को रजिस्टड किया गया है।

> एस० एन० परीख मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 15-9-1979

# कार्यातय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

धौर जिसकी सं० घर नं० 36, प्लाट नं० 17 है तथा जो देवका, तालुका वमन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से विणित है), रजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय दमन में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधन , तारीख 31-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत भिवक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं खिया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई निन्धी साम की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के सन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या निस्ती घन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधिनियम, या घन-कर घिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में पुविधा के लिए;

यतः सब, उन्त सिधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त सीधिनियम की घारा 269-ग की उपभारा (1) धीन निम्निविद्यत व्यक्तियों अर्थातः ---

- 1. श्रीमती फरेमी होरमसजी मदरासवाला निरोक्त मेन्सन, नारदेव रोड़, बम्बई-400007। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती पीरोजा सोहराबजी ईरानी लालबाग, 'निर्मल विप' डो॰ मुख रोड़, थाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की घनछि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घनछि, जो भी धनछि, जो भी धनछि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बार;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में दितवह किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पर्यो का, जो उक्त भिवित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

जमीन और मकान जो देवका-दमण में है। जिसका नं० 36 और प्लाट नं० 17 हैं। य मिलकन रजिस्ट्री सं० कर्ता अधिकारी दमण के कार्यालय में ता० 31-1-1979 को रजिस्टर्ड की गई हैं।

ए० एस० परीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 18-9-1979

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर मिलिमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रापुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1979

एफ० सं० पी० भ्रार० 756 एक्यि० 23-11/7-5/79-80-- अतः मुझे, एस० सी० परिख,

ज्ञायकर प्रविभियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें - इसके पश्चात 'उक्त प्रविभियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- व∘ से प्रविक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10, नतन नगर सोसायटी है तथा जो पारडी किलले पारड में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध धनसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, किल्ला पारडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-1-79

1908 (1908 का 16) के अधान 16—1—79
को पूर्वोक्त सम्मति के अचित बाजार मूक्य से कम के वृश्यमान
प्रतिक्रण के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूक्य
चसके वृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिक्रल का पन्त्रह्
प्रतिक्रत से सिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के सिये तय पाया गया
प्रतिक्रण, निश्मविवित उद्देश्य से उक्त अन्तरक सिवित में
वास्त्रविक कम से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत कस्त प्रविभियम के ध्रधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; धौर/या
- (क) ऐसी किसी साम या किसी कन वा सम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय सायकर समिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत समिनियम, या सन कर समिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया वा या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के किए;

धतः धव, उक्त धविनियम की घारा 269-म के धनुसरच में, में एक्त धविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निक्निविद्या व्यक्तियों, प्रयोत् :---

- 1. श्री चंषल कुमार काली परसन मकर्जी किस्ल पारडी जिला बलसार। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती मायाबेन दलसुखभाई पटेल नृतन नगर, हाउसिंग सोसायटी पारडी, जिला बलसार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरकेपूर्वोक्त सम्पक्ति केअर्जुन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अवधि या तस्तंत्री व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो की
  धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी धन्य व्यक्ति दारा, धन्नोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकीकरण ।---इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जो उनत श्रिवितयम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं नहीं भर्य होगा, जो उस प्रश्रद्धाय में दिया गया है।

# **जनुसूर्ची**

जमीन श्रौर मकान जो नतन नगर सोसायटी पारडी में है। श्रौर जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पारडी के कार्यालय में ता॰ 18–1–1979 को रजिस्टर्ड की गई है।

> एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रंज–II, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 18-9-1979

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the

September 1979

No. A-12024/2/78-Ad.-V.—The President is pleased to appoint Shri Anil Sud as Technical Officer (Accounts), Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 10-9-1979.

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E) C.B.I.

#### DIRECTORATE GENERAL, CENTRAL RESERVE POLICE FORCE New Delhi-110001, the 22nd September 1979

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 30-8-1979 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1443/79-Estt,—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Raj Singh as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 5-9-79 (FN) for a period of six months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Iftekhar Unnisa Begum as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 3-9-79 (FN) for a period of six months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY
Assistant Director (Adm.)

# OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 21st September 1979

No. E-38013(3)/5/79-Pers.—On transfer from Korba (MP) Shri P. P. Sahajpal assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DMP Panna (MP) w.e.f. the afternoon of 20th Aug., '79 vice Shri S. R. Sharma Asstt. Commandant who relinquished charge of the said post w.c.f. the same date.

No. E-38013(3)/5/79-Pres.—On transfer from Panna (MP) Shrl S. R. Sharma assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit BALCO Korba w.c.f. the forenoon of 29th August 1979.

S. NATH, Inspector-General/CISF

#### LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 6th October 1979

No. 23/3/79-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960-100 increased by seven points to reach 360 (three hundred and sixty) during the month of August, 1979. Converted to base 1949-100 100 the index for the month of August, 1979 works out to 438 (four hundred and thirty eight).

TRIBHUAN SINGH, Deputy Director

#### MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF E. A.) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 19th September 1979

No. 870/M.—The undersigned is pleased to appoint the following officers of the Currency Note Press, Nasik Road, listed in order of seniority, in a substantive capacity to the posts of Dy. Control Officer in the C.N.P. cadre, with effect from the dates shown against their names:—

- 1. Shri M. R. Kutty, w.e.f. 23-2-1976.
- 2. Shri T. N. Valvi, w.e.f. 23-2-1976,
- 3. Shri B. S. Bendre, w.e.f. 17-8-1978.
- 4. Shrl G. N. Murthy, w.e.f. 17-8-1978.
- 5. Shrl N. J. Dhivare, w.e.f. 17-8-1978.
- 6. Shri S. T. Pawar, w.c.f. 17-8-1978.

No. 871/M.—The undersigned is pleased to appoint the following officers of the India Security Press, Nasik Road, listed in order of seniority, in a substantive capacity to the posts of Deputy Control Officer in the Stamp Press cadre, with effect from the dates shown against their names:—

- 1. Shri A. J. Mauskar, w.e.f. 23-2-1976.
- 2. Shri B. M. Mandal, w.e.f. 17-8-1978.
- 3. Shri V. Sriniyasan, w.e.f. 17-8-1978.
- 4. Shri V. G. Sane, w.e.f. 17-8-1978.

D. C. MUKHERJEA, General Manager

#### INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-2, the 19th September 1979

No. 1702-CA-1/197-69.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has permitted Shri V. V. Orpe, Audit Officer (Commercial) to retire voluntarily from Government service under provision of Government of India, Ministry of Home Affairs O.M. No. 25013/7/77-Estt.(A) dated 26-8-77 with effect from 1-8-1979 A.N.

M. S. GROVER, Deputy Director (Commercial)

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110022, the 20th September 1979

No. 86016(16)/78/AN-I.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer of the Indian Defence Accounts Service, to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that service, until further orders, with effect from the date shown against him.

(1) SHRI ARUN SEDWAL-1-9-1979 (FN),

R. L. BAKHSHI,

Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin.)

# MINISTRY OF DEFENCE ORDNANCE FACTORY BOARD. D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE Calcutta, the 11th September, 1979

No. 15/79/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following officers in offg. capacity in existing vacancies without effect on seniority, in grades and on dates shown against each.

Shri Nityananda Chakraborty, Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted) (on ad-hoc basis) Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted)

Do.

From 1-8-79 until further orders.

Smt. Lila Das, Offg. Asstt. Staff Officer (Group 'B' Gazetted) (on ad-hoc basis) Do.

The above officers will be on probation for two years from 1-8-1979.

No. 16/79/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote the following individuals, in offg. capacity on ad-hoc basis in existing vacancies, in grades and on dates shown against each:

 Shri Hrishikesh Das, Permtt. Asstt. Offg. Asstt. Staff Officer (Group. 'B' Gazetted) 3 months w.e.f. 1-8-79 or till U.P.S.C. appointed is posted which-

ever is carlier

2. Shri Nihar Ranjan Pal, Permtt. Asstt. Do.

Do.

D. P. CHAKRAVARTI, ADGOF/Admin for Director General.

#### Calcutta, the 16th September 1979

No. 46/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri S. N. DEODHAR offg. Assit. Manager (Subst. and Permt. Foreman) retired from service w.e.f. 30-6-79 (A.N.).

#### The 19th September 1979

No. 45/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri B. K. Dutta, Offg. A.D.G.O.F. Gr. II (Subst. & Permt. Sr. ADGOF/Manager) retired from service w.e.f. 30th Apr., 1979/AN.

V. K. MEHTA,

Assistant Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 11th September 1979

No. 12(259)/61-Admn.(G).—Consequent upon his deputation as Expert in Appropriate Technology under U.N.D.P. in Ethopia for a period of one year, Shri K. R. Shetty, relinquished charge of the post of Deputy Director (Mechnical) in Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the afternoon of 17th August, 1979.

#### The 13th September 1979

No. A-19018 (398)/79-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Kahan Singh as Assistant Director (Gr. I) (Mechnical) at the Branch Small Industres Service Institute, Agartala, with effect from the forenoon of 8th August, 1979, until further orders.

14—276GI/79

No. A-19018(418)/79-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Suresh Bahl as Programmer in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi, with effect from the forenoon of 31st August, 1979, until further orders.

# The 14th September 1979

No. 12(241)/61-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shr S. C. Mukherjee, Deputy Director (Mechnical), Small Industries Service Institute, Calcutta as Director (Gr. II) (Mechnical) on ad-hoc basis in Small Industries Service Institute, Patna with effect from the forenoon of 10-8-1979, until further orders.

No. 12(685)/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Misra, Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the Office of the Development Commissioner (Small) Scale Industries), New Delhi, as Assistant Director (Grade. I) (Economic Investigation)/(Production Index) on ad-hoc basis in the same Office with effect from 24th August, 1979 (F. N.), until further orders.

No. A-19018/81/73-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri G. S. Uppal, Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Assistant Director (Gr. I) (EI/PI) in the same office on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 3rd September, 1979 until further orders.

No. A-19018/99/73-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri K. R. Pandit. Assistant Director (Gr. II) (Economic Investigation) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries). New Delhi, as Asstt. Director (Gr. I) (EI/PI) on ad-hoc, basis in the same office with effect from the 3rd September, 1979 (F.N.).

M. P. GUPTA, Deputy Director (Admn.)

#### MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 22nd September 1979

No. 5992B-12025 (ff-PO)/78-19A.—Shri Promode Ranjan Choudhury, Supdt, (Pub) Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Publication Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 14th August, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY, Director General

#### INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 20th September 1979

No. A. 19012(115)/79-Estt. A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Dr. J. C. Agrawal, officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is promoted to the post of Assistant Research Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 3rd September, 1979 (forenoon) until further orders.

S. BALAGOPAL, Head of Office

# DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY BOTANICAL SURVEY OF INDIA OFFICE OF THE DIRECTOR

Howrah-711109, the 17th September 1979

No. BSI-66/120/79-Estt.—On recommendation of the UPSC, the Director, Botanical Survey of India is pleased to

appoint Dr. Krishna Kumar Khanna to the post of Botanist, Hqrts, Botanical Survey of India (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus usual allowances as admissible under rules with effect from the forenoon of 31st August, 1979 until further orders.

B. N. SENGUPTA

# Sr. Administrative Officer

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES (STORE I SECTION)

New Delhi, the 17th September 1979

No. A.38013/1/79-SI.—On attaining the age of Super-annuation S/Sbri O. P. Mathai and J. R. Nabar, Assistant Depot Manager at Government Medical Store Depot, Bombay retired from Service on the afternoon of 31st August, 1979.

#### The 22nd September 1979

No. A.19011/6/78-SI.—On attaining the age of Superannuation Shri D. S. Desikan, Deputy Assistant Drector General (MS), Government Medical Store Depot, Madras retired from service on the afternoon of 31st August, 1979.

> P. K. GHAI, Officer on Special Duty (Stores)

#### MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

#### VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 20th September 1979

No. F.2-1/79-Estt.(1).—The ad-hoc appointment of Shri O. P. Gupta in the post of Assistant Editor (Hindi) is further extended w.e.f. 1-9-1979 to 31-10-1979.

B. N. CHADHA, Director Administration

#### MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTUION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 19th September 1979

No. A.19023/60/78-A.III.—Consequent on his to the post of Deputy Scnior Marketing Officer (Group I) on ad-hoc basis, Shri R. C. Banerjee handed over charge of the post of Marketing Officer at Calcutta in the afternoon of 31-8-79.

#### The 22nd September 1979

No. A.19023/41/78-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri C. V. Neelagreevam, Marketing Officer (Group III), is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Hyderabad w.e.f. the afternoon of 16-8-1979, until further orders.

2. Consequent on his appointment as Marketing Officer (Group I) Shri Neelagreevam relinquished charge of the post of Marketing Officer (Group III) at Hyderabad in the afternoon of 16-8-79.

No. A.19025/65/78-A.III.—The short term appointments of the following officers to the posts of Assistant Marketing Officer (Group I) have been extended upto 31st October, 1979, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier:

#### S/Shri

- 1. R. S. Singh
- 2. B. N. K. Sinha
- 3. A. N. Rao
- 4. R. V. S. Yadav
- 5. M. P. Singh

#### S/Shri

- 6. H. N. **R**ai
- 7. D. N. Rao
- 8. S. P. Shinde
- R. C. Munshi
- 10. K. K. Tiwari
- 11. S. K. Mallik
- 12. S. D. Kathalkar
- 13. R. K. Pande
- 14. M. J. Mohan Rao
- 15. K. K. Sirohi
- 16. Smt. Ansuya Sivarajan
- 17. V. E. Edvin
- 18. S. P. Saxena
- 19. N. G. Shukla
- 20. R. C. Singhal
- 21. H. N. Shukla
- 22. K.i-G. Wagh
- 23. S. Suryanarayana Murthy
- 24. V. L. Vairaghar
- 25. S. R. Shukla
- 26. M. C. Bajaj
- 27. N. S. Chelapati Rao
- 28. K. Jayanandan
- 29. C. M. Girdhar
- 30. S. A. Shamsi
- 31. S. S. R. Sarma.

# The 24th September 1979

No. A-19024/2/79-A. III.—The short term appointment of the following officers to the posts of Chief Chemist has been further extended upto 31st Dec. 1979, or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier :-

- 1. Shri Chandra Prakasa
- 2. Shri A. A. S. Prakasa Rao
- 3. Shri N. Kasi Rao.

B. L. MANIHAR, Director of Administration for Agricultural Marketing Adviser

#### BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, 24th July 1979

No. V-32/Accts/Estt. Π/2891.—Consequent on his transfer to Directorate of Purchase and Stores as Assistant Accounts Officer, Shrl Vasant Balwant Vyapari, permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Office relinquished charge of the post of Asstt. Accounts Officer in this Research Centre on the forenoon of June 11, 1979.

#### The 31st July 1979

Ref. No. 5/1/79-Estt. II 3014-Controller, Bhabha Atomci Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Accounts Officers fo period shown against their names:

Sl. No. Name & Designation	Appointed to officiate as	Period		
2743-5-141102		From	To '	
1. Shri F. D'Souza	Asstt. Accounts	4-3-79	11-7-79	
Asstt. Accountant	Officer	(FN)	(AN)	
2. Smt. S. P. Mukherjee	Asstt. Accounts	1-2-79	11-7-79	
Asstt. Accountant	Officer	(FN)	(AN)	

#### The 2nd August 1979

No. 5/1/79-Estt. II/3043.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Admn. Officer II/Asstt. Personnel Officer for the period shown against their names:—

	Name &	Appointed to	Period		
No.	Designation	officiate as	From	To	
			(FN)	(AN)	
	ri D.P. Kulkarni P.O.	Admn. Officer 11	28-5-79	2-7-79	
	ri C.A. Deshmukh sistant	Assit. Personnel Officer	28-5-79	2-7-79	
	i S. G. Sapaliga distant	Do.	26-3-79	5-5-79	
	l N. K. Surve sistant	Do.	9-5-79	30-6-79	
	i U.R. Menon dstant	Do.	7-6-79	7-7-79	
	i J. A. Lasne istant	Do.	11-6-79	13-7-79	
7. Shr S.G	i M.R. Khatu I.C.	Do.	30-4-79	8-6-79	

#### The 20th August 1979

No. 5/1/79-Estt. II/3221.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Accounts Officer-II/Asstt. Accounts Officer for the period shown against their names:—

Sl. Name and	Appointed to	Period		
No. Designation	officiate as	From	То	
1. Shri K. J. George Asstt. Accounts Officer	Accounts Officer-II	14-5-79 (AN)	16-6-79 (AN)	
2. Shri R.B. Pillai Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	14-5-79 (FN)	16-6-79 (AN)	

Kum. H. B. VIJAYAK A Dy. Establishment Officer

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 19th Sciember 1979

No. RAPP/Rcctt./3(2)/79/S/444.—The Chief Project Engineer Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint the following Non-gazetted technical staff presently serving in the Rajasthan Atomic Power Project to the grade mentioned against each, in the same Project, in a temporary capacity with effect from the dates shown against each until further orders:—

Sl. Name & Designation No.		Post to which appointed	Date on which assumed charge	
1	2	3	4	
1.	Shri Kishan Chander Taneja, Foreman	Scientific Officer/Engir Grade SB	1-2-79 neer	
2.	Shri Kulwant Singh, Foreman	Do.	1-2-79	
3.	Shri Mohammed Shareef, Forer	nan Do.	1-2-79	
	Shri Prakash Chand Vaishya, Foreman	Do.	1-2-79	
5.	Shri Sukh Sagar Shukal, SA'C'	Do.	1-2-79	
6.	Shri Durgesh Chandra Sharma SA' C'	Do.	1-2-79	

1 2	3	4
7. Shri Shrikant Lakshman Kashikar, SA 'C'	Scientific Officer/ Engineer Grade SB	1-2-79
8. Shri Ramesh Kumar Sharn Foreman	na, Do.	1-2-79
9. Shri Hari Prakash Gupta,	SA 'C' Do.	1-2-79
10. Shri Lekh Raj Ola, SA 'C'	Do.	1-2-79
11. Shri Suresh Pandherjnath Malekar SA 'C'	Do.	1-2-79
12. Shri Om Prakash Mehta, D/Man 'C'	Do.	1-2-79
<ol> <li>Shri Bishan Dayal Chobey, D/Man 'C'</li> </ol>	Do.	1-2-79
	GOPAL Administrative ( for Chief Project	

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016,-theh 17th September 1979

No. AMD-113/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ajai Kumar Srivastava as Scientific Officer/Engineer Grade SB in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30th August, 1979, until further orders.

#### The 19th September 1979

No. AMD-1/6/79-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Mukund Singh, Permanent Assistant and Assistant Personnel Officer (Ad-hoc) of the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-9-1979 until further orders.

M. S. RAO Sr. Administrative & Accounts Officer

#### TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur-401504, the 18th September 1979

No. TAPS/1/19(3)/76-R.—On his reporting from the Office of the Accountant General, Rajasthan, the Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints Shri Vasant Khandekar, Section Officer in the Office of Accountant General, Rajasthan, as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 in the Tarapur Atomic Power Station on deputation basis for a period of two years with effect from 27-8-1979 (FN).

A. D. DESAI Chief Administrative Officer

#### DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SHAR CENTRE

Sriharikota-524124, theh 27th July 1979

No. SCF/P&GA/Estt./1/72.—Director, has accepted the resignation tendered by Fngineer-SB with effect from 13-2-1979.

R. GOPALARATNAM Head, P&GA Divn. for Director.

## SPACE APPLICATIONS CENTRE Ahmedabad-380053, the 1st August 1979

No. EST/ISCES/22.—The Director is pleased to appoint Shri K. D. Acharya as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forencom of June 7, 1979 for a period upto June 30, 1980.

No. EST/ISCES/23.—The Director is pleased to appoint Shri Virendrakumar C. Jain as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of June 15, 1979 for a period upto June 30, 1980.

#### The 2nd August 1979

No. SAC/EST/ISCES/18/79.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri Sudhir Dattatray Erande, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of July 27, 1979.

S. G. NAIR Head, Personnel & General Admn.

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th Septebmer 1979

No. A-32014/3/79-EA.—The 'Director General of Civil Aviation has been pleased to appoint the following officers, as Assit. Aerodrome Officer on regular basis with effect from the 1st September, 1979, in an officiating capacity and until further orders:—

S. No. Name			Station of posting
1. Shri H. S. Sandhu		<u> </u>	Amritsar
2. Shrl K. C. Jharia .	-		Jabalpur
3. Shrì H.D. Ghosal .			Belgaum
4. Shri V.S.R. Rao	-		Vijaywada
5. Shri P. K. Das .			Patna
<ol><li>Shri P. Raghyan</li></ol>	-		Madras
<ol><li>Shrì L.C. Chandwani</li></ol>			Juhu (Bombay)
8. Shri P. K. Dey .			Nagpur
<ol><li>Shri K. R. Pandulai</li></ol>			Trivandrum
<ol><li>Shri Gopal Singh</li></ol>			Amritsar
11. Shri M.R. Naidu			Nagpur
12. Shri M. K. Roy Chow	dhury		Dum Dum
13. Shri A.C. Sarkar .			Dum Dum
14. Shri S. D. Sinha 🗀			Dum Dum
15. Shri J. R. Soni			Varanasi
16. Shri P. N. Dhar			Palam
17. Shrì S.R. Das Sharma			Dum Dum
18. Shri R.D. Bajpai			Dum Dum
19. Shri J. L. Kapoor .			Palam
20. Shri M.G. Thorat			Nagpur
21. Shri Prem Kumar .			Palam
22. Shri M. Gopal .			Madras
23. Shri G.C. Page .	-		Santacruz.
24. Shri Y. L. Soni .			Jaipur

V. V. JOHRI Asstt. Director of Administration

#### New Delhi, the 18th September 1979

No. A. 32013/1/79-EC.—In continuation of this Deptt Notification No. A. 32013/7/78-EC, dated 26-4-79 and

No. A. 32013/7/78-EC dated 22-6-79, the Presidet is pleased to appoint the following four Technical officers at present working as Senior Technical Officer on ad-hoc basis to the grade of Senior Technical Officer on rgular basis with effect from the 3rd September, 1979 and to post them to the station indicated against each:—

S. No. Name			Station of posting		
1. Shri Vijay Panwar	,		ACS, Palam		
2. Shri K. K. Narayan			ACS, Calcutta		
3. Shri A. K. Bansal	•	•	Radio Constr. & Dev. Units New Delhi		
4. Shri K. P. B. Nair			Radio Constr. & Dev. Units, New Delhi		

2. These Senior Technical Officers will be assigned position in the combined eligibility list of Senior Technical Officer/Sr. Comm. Officer for higher permetten according to the date of their regular appointment in the grade subject to maintenance of inter-se seniority in the grade of Sr. Tech. Officer/Sr. Comm. Officer and subject to condition that in the case of officer appointed in the Civil Aviation Deptt. on the basis of the Engineering Services Examination their inter-se seniority in the said Examination for appointment as Tech. Officer/Comm. Officer will also be maintained.

No. A. 32014/3/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following two Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis with effect from the date indicated against each and to post them to the station indicted against each:—

SI. Name No	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking- over charge
1. Shri A. P. Sadanar	nd A.C.S.	A.C.S.,	27-7-79
	Muzaffarpur	Calcutta	(FN)
2. Shri R.S. Sokhey	ACS,	ACS,	30-7-79
	Charkhidadri	New Delhi	(FN)

#### The 20th September 1979

No. A.32012/3/78-ES.—Shri R. Sreenivasan, Administrative Officer (ad-hoc), Group 'B' post, in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras relinquished the charge of his duties on the afternoon of 31st July, 1979 on retirement from Govt. service on attaining the age of superannuation.

No. A.32012/3/78-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri M. O. Varghese, Superintendent, as Administrative Officer (Group 'B' post) with effect from the forenoon of 1st August, 1979, on ad-hoc basis in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras.

S. N. MOTWANI Officer on Special Duty

# OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 19th September 1979

No. 1/98/79-Est.—Shri G. S. Chhatwal, who has appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity in New Delhi Branch on ad-hoc basis, with effect from the 2nd July, 1977, has been reverted to his original post of Technical Assistant in the same Branch, with effect from the afternoon of the 7th April, 1979.

No. 1/257/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri G. C. D'Lima, Superviser, Bombay Branch, as Deputy Traffic Manager, in the same Branch, in an officiating capacity, on ad-hoc basis,

for the period from 18-6-1979 to 5-7-1979 (both days inclusive).

H. L. MALHOTRA Dy. Director (Admn.) for Director General

### VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-VIDYALAYA

Dehra Dun, the 20th September 1979

No. 16/113/67-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, has been pleased to permit Shri T. R. Soma Sunderam, Research Officer, Forest Research Centre, Coimbatore to retire from Govt. service w.e.f. 31-3-79 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

The 22nd September 1979

No. 16/69/66-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, has been pleased to permit Shri S. P. Misra, Librarian, Forest Research Institute & Colleges to retire from Govt. service w.e.f. 31-8-79 (A.N.) on attaining the age of Superannuation.

GURDIAL MOHAN

Kul Sachiv

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Patna, the 21st September 1979

No. II(7)2-ET/79/12194.—Sri S. R. Bhattacharjee, officiating Assistant Collector of Central Excise & Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31-8-1979 (A.N.).

D. K. SARKAR
Collector
Central Excise, Patna

# CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR-GENERAL (WORKS)

New Delhi, the 19th September 1979

No. 27-E/M(5)/69-EC.II(Vol.II).—Shri Mahendra Sharma, Executive Engineer (Civil), who has been working as Surveyor of Works III/II in the Office of the Superintending Surveyor of Works (N.2.), C.P.W.D., R.K. Puram, New Delhi, has retired voluntarily from Government service under the provision of F.R. 56 (K) with effect from 31-8-1979 (A.N.).

S. S. P. RAU
Deputy Director of Administration
for Director-General (Works)

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY) NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE Calcutta, the 3rd September 1979

No. G-65/B(HINDI).—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta is pleased to appoint on the recommenda-

tion of the Union Public Service Commission Shri Syed Mahfooz Hasan Rizvi as Hindi Officer in the National Test House, Alipore, Calcutta w.e.f. the forenoon of 21-8-1979 until further orders.

K. C. SEAL
Dy. Director (C)(I)
for Director, National Test House

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES In the matter of the Companies Act, 1956, and of Rumano Tourways Private Limited

Delhi, the 18th September 1979

No. 5190/15956.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ramano Tourways Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

G. B. SAXENA Asstt. Registrar of Companies, Delhi and Haryana

### Bombay, the 6th September 1979

No. 2844/Liq.—Notice is hereby given pursuant to section 445(2) of the Companies Act, 1956 that M/s. Malabar Steamship Company Limited has been ordered to be wound up by an order dated 31-7-1979 passed by the High Court of Maharashtra and that the Official Liquidator attached to the High Court of Maharashtra has been appointed as the Official Liquidator of the company.

(Sd./-) ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

# OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX Allahabad, the 21st September 1979

## INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 55.—Shri Ram Naresh (SC), Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Sultanpur has been promoted to officiate as Income-tax Officer (GR.B) in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, B-Ward, Sitapur on 17-7-1979 in the afternoon.

SHEIKH ABDULLAH, Commissioner of Income-tax, Allahabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 11th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/Jan.I(54)/78-79/951.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Jonapur, New Delhi (and more fully described in the schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 12-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. S. Mohinder Singh, M/s Nanak Singh & Sons through its partners.

through its partners.
2. Sh. Charanit Singh,
3. Sh. Manjit Singh,

r/o 19/11, Kalkaji, N. Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Prithi Lal Bhasin,2. Shri Pokh Raj sons of

Shri Nanak Chand 3. Shri Ashok Kumar

 Shi Ashok Kumar
 Sh. Suresh Kumar
 Ss/o Shri Dargai Dass all r/o 54/2, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 17 bighas 19 biswas situated in Village Jonapur, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 12-1-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 11-9-1979

Seal ;

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/971/Jan,II(17)/78-79.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land situated at Village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-1-1979

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, n respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Lakhmi Chand
  - S/o Shri Jugti Shri Charan Singh
  - Bharat Singh
  - 4. Shri Sardar Singh Ss/o Shri Neki

r to Neb Sarai, Tehsil Mehrauli, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Dugal Engineering Co. 192, Golf Links, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 118 Bighas 17 Biswas situated at village Neb Sarai, Tehsil Mehrauli Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 24-1-1979.

> MISS ANJANI OZA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/987/Jan,II(33)/78-79.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agr. land situated at village Gadaipur, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Ashok Diesh,
 Dr. Parshotam Diesh
 R/o W-137, G.K.-I, New Delhi.

(Transferor)

 Smt. Prem Kaur W/o Shri Jawahar Singh C/o Wadha Trading Co.,
 Gandhi Cloth Market, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gapette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agr. land measuring 22 bighas 7 biswas situated in village Gadaipur, N. Delhl. more specifically described in the instrument of transfer registered on 27-1-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 11th September 1979

Ref. No. IAC|Acq-I|SR-III|963|Jau-II(9)/79-79.— MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963) (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 93 Block C situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market values of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
15—276GI/79

Air Marshal Shri B. S. S. Bedi (Retd.)
 S/o Late Sh. B. M. R. Bedi
 R/o 13, Barakhamba Road, New Defhi

(Transferor)

 Sh. Jagmohan Bahl s/o Late Shri K. L. Bahl r/o A-2, Jangpura Extu., N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storeyed building on plot No. C-93 Defence colony. New Delhi measuring 401 sq. yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 19-1-79 bounded as under:—

North: Road
South: Service lane
East: Side Road
West: House No. C-94.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi

Date: 11-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/993/Jan.III(397)/78-79.— MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herehafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. S-160 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-1-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act, to the following persons, markely:—

Shri Om Parkash
 s/o Shri Bhola Nath
 r/o R-47, Greater Kailash-I, New Delhi.
 (Transferor)

(2) Smt. Uttam Kaur w/o Shri Dalip Singh, r/o E306, Greater Kailash-II, New Delhi, (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. S-160 measuring 306 sq. yds. situated in Greater Kailash-II, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 30-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1979

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALJ ROAD, NEW DELHI 110001

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-1/SR-III/960/Jan.II(67)/78-79.— MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C-567 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 19-1-79

 $f_{\rm OT}$  an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Fulendra Kumari Debi r/o P.O. Deograh, Distt. Sambalpur, Orissa, Now staying at 3, South Avenue, N. Delhi-I.

(Transferor)

(2) Sh. Paras Nath Tiwari r/o D-389, Defence Colony, N. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. C-567 measuring 325 sq. yds. situated in Defence Colony, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 19-1-1979 bounded as

North: Service lane East: Plot No. 566 South: Road

West: Plot No. 568.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1979

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANG-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI 110001

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/964/Jan-II(10)/78-79.— MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. E-368 situated at Greater Kailash-II,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 19-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sumitra Ghulati
w/o Late Sh. H. C. Ghulati,
through her attorney,
Smt. Sarla Ghulati
w/o late Sh. M. C. Ghulati
r/o 4/24, W.E.A. Karol Bagh, N. Delhi.
(Transferor)

 Sh. Ved Parkash Mehta s/o Shri Hari Chand Mehta
 Smt. Sharda Mehta, w/o Sh. Ved Parkash Mehta r/o K-102(, Kalkaji N. Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. E-368 measuring 249 sq. yds. situated in Greater Kailash-II, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 19-1-79 bounded as under:

East: Plot No. E/366

North: Road

West: Plot No. E/70

South: S. Lane.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Delhi/New Delhi

Date: 12-9-1979

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 20th September 1979

Ref. No. IAC|ACQ-1|1|SR-111|1-79|920.—Whereas, MISS ANJANI ÖZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 27-B, situated at Mayfair Gardens Hauz Khas Enclave Panch Sheil Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 2-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Mrs. Savitri Idnani W/o Shri M. B. Idnani R/o 24, Sharda Apartments, A Road, Church Gate, Bombay-400 002.

(Transferor)

(2) 1. Legal Heirs of Late Shri Raj Pal 2. Shrimati Santosh Kumari Rajpal R/o 2/34 Jangpura Extension, New Delhi-110014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A one and half storeyed building standing on a lease-hold plot No. 27-B, Mayfair Gardens Hauz Khas Enclave Punch Sheil Marg, New Delhi measuring 619.44 sqr. Yards, bounded as under;

North: House No. R-26 South: State Bank Staff Quarters. East: Main Road West: Service Road.

MISS ANJANI OZA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 20-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi-11000-, the 21st September 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/980/Jan-79/78-79.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S-534 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908); in the office of the Registering Officer at New Delhi on 29-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. S. Jamwal Chief Pilet Instructor, Delhi Flying Club Delhi.

(Transferor)

(2) Smt Lila Malhotra and Shri Ansheel Malhotra R/o S-534, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period explies later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A two and half storeyed building known as S-534 Greater Kailash-I, New Delhi built on plot measuring 499 Sq. yds., more specifically described in the instrument of transfer registered on 29-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 21-9-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi-110001, the 21st September 1979

Ref No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/976.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15(Shop) situated at Cinema Complex Building Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration—therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer vith the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) D.L.F. United Limited, 21-22 Narindra place, Parliament Street, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. Agya Rani W/o Shri Het Ram Gauri R/o F/13, Municipal Double Storey Market, Lodhi Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A Shop No. 15 (Ground Floor) measuring 231 Sq. Fts. situated in Cinema Complex Building Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 21-9-1979

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 20th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-/IIII1-79/970.— Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the competent authority under section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-6, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 29-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Om Prakash Sobti S/o Late Dr. Amolak Ram Sobti, R/o 1198, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Gyan Chand Dhandia S/o Shri Amar Chand Dhandia and 2. Shrimati Manju Kumari Dhandia W/o Shri Gyan Chand Dhandia both resident of 68/6, Tolstoy Marg, New Delhi-I.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A single storeyed house No. C-6. Greater Kailash-l, New Delhi measuring 560 sqr. Yards. More specifically described in the instrument of transfer registered on 24-1-1979 and bounded as under:

East: Plot No. C-8 West: Plot No. C-4 North: Service Lane South: Main Road,

MISS ANIANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 20-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi-110001, the 20th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/992.---Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 106 (1st Floor) situated at Cinema Complex Bullding, Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

16-276GI/79

(1) DLF United Limited, 21-22, Narindra place Parliament Street, New Delhi-110001.

(Transferor)

Shri Hazara Singh
 S/o Shri Ishar Singh
 Shri Harcharan Singh
 S/o Shri Hazara Singh
 S/o Shri Hazara Singh
 Shri Amrik Singh
 S/o Shri Hazara Singh
 R/o D-4, Westend, New Delhi-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 106 at 1st Floor measuring 1062 So Fts. Cinema Complex Building, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 20-9-1979

Scal:

National Place Parket 11-12

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME (1019Ref) TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Coll Shir Hazara Sageh

Shaldhi Morthagan Shah

OFFICE OF THE TISELETTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF PICOMETAX,
(133/AGQUISITION RANGE-1, 4/14A, ASAFI ALI ROAD,
NEW DELHI

Objection, 196maygototals adjulyablished wall property

Ref. No. JAC/ACQ-I/SR-III/1-79/28.—Whereas, I, Miss. of Value of the people of the series the 15 competent Authority under Section 269 h of the improvement of the 15 competent Authority under Section 269 h of the improvement of the interest of the saiding of the property, having a fair markets value excessing Rs. 25,000/- and bearing

Property No. 225 situated at Jor Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), hits Bechiuf ansterned thatel in the Registration (Act, 1/1/1908) (16 Per 1908) in the office of the Registration (Act, 1/1/1908) (16 New Delhi bid) (1/1/1909) of the Registration of the notice of the Registration of the notice of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe the state of air market; value of the report of the repor

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other associa which there for been disclosed by high transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

MIS+ ANDASE (DZA) Competent Authoraly

frequesting Assistant commissioner of Incometax.

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R/o C-104, Defence Colony, New Delhi.
(Transferor)

NOTICE, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

(2) The HV Rorkash Videapith A VAL R/o 23, Rajniwas Marg, Delhi-54.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOMETIAN

of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later, idled well

Ref. No 1AC, ACQ L/SR-iII/1-79/992 --

blithered: inhiistertaini morreq notto una yd (d)
stabngdikmoodnayabande audibricytroggia fildekomudele ... i she
laisthous att Ani. bebont side de brotheriddunadis loreferred to
as the baid Acti. have season to distable that the
inture scale property having a fair market sudne
exceeding Re. 25,000.4 and bearing

That No. 106 11-c Floor) sincred of Circums Compact stanting them for the senting the sent of the sent

New Delhi on 30-1-1979

for an apparent consideration which is less than the tain market calme of the aforesoid prenerty and I have consent to belove that the normalism when of the property as of resaid exceeds the apparent term market the property as of resaid exceeds the apparent term market and by an any thoughties per seat of each apparent apparent market and and that the consideration for each or expendent a apparent to between the pattern has not been much stand in the said instrument of transfer with the onject of

as to illusting the reduction of evaluous is the highlity of the transferor to pay fax under the said Act, in respect to any come arising from the transfer, and of

### THE SCHEDULE

A two and half storeyed house No. 225 Jorbah, New Delhi measuring 662.5 Sq. Yds., more specifically described in the instrument of transferned one 24-1 \$176 \text{Min.} 1 \text{ (6)}

on the more, a tiber a sets which he may been the control of the residence for the corporate like India's income text 5.1 for the coupers of the India's income text 5.1 for the 1222 or the earl Act or the Act of the 1822 of the 1822).

MISS ANJANI OZA Competent Authority.

, rat-emond for renoiseimmod that itself and property and property property of the said present the said present that the said aforesaid present by the issue of the recise property by the issue of the recise property by the issue of the recise property of Section 260D of the said Act. to the following performancy.

er , roats ar

# PARTEINI-SECTACH

ซื้อก็จกับป R . 198 Vinobba Pini i aget N . 201

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) i. Shi) lagding Cland

See Address Transport Address See Short Single South Single South Single See Jie Vincelle Peri, Laper Seens R. o. 216 Vincelle Peris, Laper Seens R. o.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT" COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,

Objections, if any, to the acquisition of the said projectly may be made in writing to the undersigned-New Delhi-110001, the 22nd September 1979

(a) by eny of the aloresaid persons within a period # Met. 3No. 10/10/14/00/10/SNATI / 11/79/919/40/. 24 10 Wher MAN I MESSIAN JANUE OZ MITTED add ni anima being that Computing Airthority and Section (669). of Incompositive springers ( with the appropriate to the propries a second and the second as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and more fully described in the Schedule analysis of the land more fully described in the Schedule analysis of the land more fully described in the Schedule analysis of the land more fully described in the Schedule analysis. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 1-1-1979 and the constant of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### REDUCE SCHEDULE

(1) (1) facultating the concealment of any racome of any moneya our other assets, which have not been orm which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 17:40 (Act, 19572P17 of 1957);

Compelent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Liv.

Acquisition Ringe L

Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(I) M/s. Roger Overseas (P) Ltd., 109, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (rorstenart) NOTICE UNDER NO 110N 28-1011 OF THE INCOME

1AN ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sudha Jajodia W/o Shri Mahendra Kumar Jajodia, B-62 Paschimi Mare TURMINE VOO Vasant Vihat, New Delhi.

(Transferee)

7999世

OFFICE OF THE INSPECTION ASSET FORMISSION R

Objections, if any, of Afre 1840114 of the said property may be made in writing to the undersigned hottlefelow

New Delhell 10001, the 22nd September 1919 of the word piases of the aforested biases within a period of 45 days from the date of publication of this notice the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice that the period of the conference of the conferen Incomeday Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding (b) by any other person interested in the said of introops? regulate parpriarity, in within 145 add yas from the disterning the " publication of this notice in the Official Gazette. word land more fully described in the Schedule annexed nereto'i, has been transferred under the Registration Act, 1908 clo of 1908) in the Office of the Registering Officer at safe of the peak paragraph of the Registering Officer at the safe ship of the peak paragraph of the safe valid of the natives and anneally and a have reason to believe that the fair market value of the hoteletty as storesmid secrets no apparent consideration therefore to more than affect per cent of such apparent consideration and that the onsolviation for such Bansler as agreed to between the

ray facilitating the influence or evenion of the inodos. of the transferor to pay tax under the taid Act, to esspect of any mount attains from the transfer. no/bas

nerther has not been truly stated in the said instrument of

mansfer with the object of :-

### THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 7 Bighas 18 Biswas situated in Village Nebsarai, Tehsil Mehrauli, New Delhi more specification describedation and landstanding the landstanding of the second state of the landstand of the anneys or other assets which have not then or WRE-1-1 ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 c) 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1#57);

> MISS ANJANI OZA Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I,

MERCHAPITATION pursuance of Section 1090 of the same Act. I hereby miliate proceedings for the acquaition of the aforesaid money by be sine on this notice under Date(1) 2219-1979 / her ode to close ... action noise entire k aine paisons, numity, Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 22nd September 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/956.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 216 situated at Vinobha Puri, Laj pat Nagar,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tharu Ram S/o Shri Behari Lal R/o 198 Vinobha Puri Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

1. Shri Jagdish Chand
 S/o Shri Sardari Lal
 2. Shri Banta Singh
 S/o Shri Rattan Singh
 R/o 216, Vinobha Puri, Lajpat Nagar,
 New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A Plot No. 216, Vinobha Puri, Lajpat Nagar, New Delhi measuring 400 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 18-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 22-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Lt. Col. I. P. Datta S/o Shri P. Datta R/o D.L.F. Khera Farm Carterpuri, Distt. Gurgaon (Haryana).

(Transferer)

R/o F-7, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi-110001, the 20th September 1979

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79/975.—Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-7, situated at Green Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Ground floor in two and half storeyed building known as F-7, Green Park, New Delhi built on plot measuring 311 Sq. yds., more specifically described in the instrument of transfer registered on 27-1-1979.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 20-9-1979

# THE FORM TYNS! (1)

Roo Did Kere have carried

NOTICE UNDER SECTION (289D(1)) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

R to 1-7 Green Plack Lew Delhi

المارين منورد الم

### GOVERNMENT OF INDIA

Ubjects TAATABZA DINET SABAM SHEET AG SAMTAG openly may be madeXATUMMOOM TO WANDISMMMOO

# ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

(a) by any of the forces of publication in the a pecial of the arms around the form the date of publication in the control of the publication of t

Ref. No. IAC/ACQ-I/SR-III/1-79-982.—
Whereas, I, MISS ANJANI OZA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market, value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. M-239 situated at Greater Kallash-II New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred runder the Registration. Act, 1908 (16 rof) 1999), that this office of the Registration officer at Newt Reliairon 30, 141970; can a cit) word that for an apparent consideration which is adject?

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or svasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which pught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Anse to ASE (1995)
Control of the following Assistant Common Section 1995 (1995)
As and thought to the Common Period (1995)
Define Section 1996)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice (queder apb-secration (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shif. Mithin Aggarwal
Wo Shri Sudarshan Aggarwal
R/o Shi Sudarshan Aggarwal
R/o M-16 Green Park Extension,
Most of the State of the Helphane Communication (1) Classic of the State of the

(2) Shri Satyal and Rishli MAHAMATOO S/o Late Dr. Narain Dass Kohli R/o A-117, Defence Colony, New Delhi.

CONTRACTOR THE EAST OFFICE AND CONTRACTOR

SIONER OF INCOMETAN

Objections, if any, to the acquisition of the said property may المحالية ا

11111111 44 (

(a) by lany-ordinating-Zafidutes and product twidthin a specified of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette I Date period of 30 days from the service of notice of the festedive Horsons, which being the Competent Authority amelique tiened of the of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to as the raid he's have reason to believe that the State of the fills of the fills of the state of the value of the state has be a transferred under the Registration Act, 1908 (16 Explanation in the deficiency of the Registering Officer at the contract of the left and explession, used herein and explession. blas off in AXX radical ni bennes and a property and the fan sovial and the fan apparent consideration which is less than the fan sovial est continue and apparent source of the alorestal property and it have reason to believe that the fair marker value of the fair marker value of the property as aconomid veceds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and shat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nameter with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the resolvent to pay thy under the said Act, in respect of any income prising them the transfers and or

THE SCHEDULE

Acalian Person Cec. M. se nwond anibling beyonds owt A sorm level of the finite ought to be disclosed by the table feed fone the purposes of the indian income tax. Act. 1922 (11 or 1922) of the lad he well-tax Act.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, bins off to 1982 house to communicate particles and the nonscious off and significant appropriate the nonscious off to ones in the series of the transfer of the control of the early in the series of the transfer of the control of the early in the early to the control of the early in the early of the early

(NOTICE) UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Mid ALGINSON /TYBINGBLYOD, R An Revit 675 (1m) Sever Colling (

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

, CAON IAS ANAE A, A11, A POINT NOITIZIUDOA Objections, if any, threshold of the said property may be made in writing to the undersigned...

New Delhi-110001, the 22nd September 1979

(a) by any of the atorraid persons within a period of

45 days from the date of publication of this name

45 days from the date of publication of this name

the versice of noting of the publication reprise of noting the publication of t

being the Competent Autibility utilder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

bind Bearing Noterials across a rathe exceeding Noterials across a rathe exceeding Noterials across a rathe exceeding of the rather than been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 16-1-1979

afonional aparento a makeration of which is letw false with their wither than a market a value of the molecular than a market a special of the molecular than a false a more than a fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

# THE SCHEET F

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the minimum of the first posses of the Indian Income tax Act, 1922 to be a strict of 1922 to the indian income tax Act, 1922 t

R. L. M. J. HULLRA. F. Courpet at Authority.

of Section 269C of the said A., I is section 1269C of the said A., I is section 1269C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1)<sub>2</sub>Shri Charanjeet I.al S/o Shri Devi Dayal R/o E-109, Karbala B. K. Dutt Colony, New Delhi.

THEO DEED THE THE SECOND REPORT OF THE THEO TO SECOND (Transferor)

(2) Smt; 8agas West Devi Mar 1997 1991 Wd/o Shri Ganga Parshad R/o 1192 Arjan Nagar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE LOSPIC BAG ASSISTANT

Objections if says to the undersigned property may be made in writing to the undersigned.

Diet agelon were der gat ein abei f

(a) by any of the aforesaid persons within a parion of A5. days from the date tof publication of this notice in the Official Gazette or a period of a aligne A30 days from the service of notice on the respective ad to Hear notice round viscous expires later; CHAMP TO AT COMMENT A TO THE STORY The Arthur and Arthur 1911 (b) 10 by range other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the control of this hotice in the Official Cazette. of 1903) in the office of the Projection Conject and the spinished of · · · · · · for an appropriate making to which in their than too can non-det saltar at the of a rid property, and I have reason to pur consistent of the same and second of the same s the current best and a confidence of the second of the second continuences. الأراج والمراجع الإلام المراجع والمراجع والمراجع والمراجع

and facilitation the reduction or evasion of the liability of the relation to may and under the said Act in the said of the sa

A shop No. 11, Khanna Market, New Delhi measuring 27.7 Sq. Yds. more specifically described in the instrument of transfer registered on 16-1-1979.

yet technically the event with the second of second of ago number of the event which have not been or which with a latter over the transferse like the empty of the event of the order of the Vallence ACO INAINANCESIMO of the extract of the Washings

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,

Delhi/New Delhi.

Many that to 1965 and 197 have a received an expension of the maintaining to the maintaining the maintaining the maintaining the maintaining the maintaining and the maint

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/190/78-79.—Whereas, I. R. K.

MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair farket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 415.55 sq. yards situted in New Lajpat Nagar, Pakhowal Road, Ludhiana bearing Plot No. 120 situated at Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/Shri Mangat Ram, Darshan Kumar & Om Parkash ss/o Shri Durga Dass R/o Village Mansuran, Distt. Ludhiana,

(Transferor)

(2) Shri Satish Soi s/o Shri Sham Lal, R/o B-VII-635, Pindi Street, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 415.55 sq. yds. situated in New Lajpat Nagar, Pakhowal Road, Ludhiana bearing No. 120.

(The property as mentioned in the Registered deed deed No. 4017 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

> R. K. MALHOTRA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

Seal .

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 6th September 1979

Rs. No. LDH/R/107/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Shop-cum-Godown property over a plot measuring 177.7/9 sq. yds. bearing No. 71, New Grain Market, Mullanpur situated at Mullanpur

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by morehan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

17-276GI/79

 Smt. Kulwant Kaur w/o Shri Lachhman Singh c/o M/s. Seikhon Cold Storage, Adda Mullanpur Dakha, Distt, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Devi w/o Shri Nauhria Mal c/o M/s Raghbir Parshad Subhash Chand, Fertilizer Dealers, Mullanpur Mandi, Distt. Ludhiana.
(Transferee)

(3) Shri Nauhria Mal c/o M/s Raghbir Parshad Subhash Chand, Mullanpur Mandi. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop-cum-Godown property No. 71, Grain Market, Mandi Mullanpur.

(The propery as mentioned in the Registered deed No. 5627 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asset. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/R/108/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 100 sq. yds, bearing No. 71, Grain Market, Mullanpur situated at Mullanpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Kulwant Kaur w/o Shri Lachhman Singh c/o M/s. Seikhon Cold Storage, Adda Mullanpur Dakha, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Mrs. Reshma Devi w/o Shri Mata Ram c/o M/s. Raghbir Parshad Subhash Chand, Fertilizer Dealer, Mandi Mullanpur, Distt. Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 100 sq. yds, bearing No. 71, Grain Market, Mullanpur.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5628 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. I.DH/R/115/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- bearing

No. Plot No. 3-K. Sarabha Nagar, Ludhiana measuring 800 sq. yards situated at Ludhiana,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Amrik Singh s/o Shri Puran Singh, R/o Sunet, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh s/o Shri Rekha Singh, R/o 601, Ferozepur Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 3-K, Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana measuring 800 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5897 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana,)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

Scal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. KNN/55/78-79.—Whereas, I. R. K. MAI HOTRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 15 karnals 2 marlas situated at Village Rahaun, Distt. Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1822) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Gian Singh, Shri Harbans Singh and Shri Santosh Singh ss/o Shri Bela Singh, r/o Rahann, near Khanna.

(Transferors)

(2) Shri Baljit Singh s/o Shri Amar Singh, Old Cinema Road, Khanna, Teh, Samrala,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 15 kanals 2 marlas, situated in Village Rahoun, Teh. Samrala,

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1654 of January, 1979 of the Registering Officer, Khanna.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/193/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot of land measuring 764 sq. yds. situated in Taraf Sekhewal, Ludhiana-Khasra No. 1221/279. situated at Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sakandra Rani Jain w/i Shri Siri Pal Jain, Il. No. 121, Ghati Gujran near Division No. 4, Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s. Pasrur Jain Duggar Bradari through Shri Madan Mohan Steetal, President of the Society, Katra Nauhrian, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot measuring 764 sq. yds situated in Taraf Sekhewal on G.T. Road, Bye-pass, Ludhiana bearing Khasra No. 1221/279.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4020 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

#### SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. 1.DH/192/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiena

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Double storeyed incomplete building situated in Taraf Sekhewal on G.T. Road, Bye Pass opposite to Road connecting G.T. Road, Ludhiana bearing Kh. No. 1221/279 situated at I udhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in January, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt Sakandra Rani Jain w/o Shri Siri Pal Jain, H. No. 121, Ghati Gujran near Division No. 4, Ludhiana.

(Transferors)

(2) M/s. Pasrur Jain Duggar Baradari through Shri Madan Mohan Steetal, President of the Society, Ketra Nauhrian, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House property situated in Taraf Schhewal on G.T. Road, Bye Pass Ludhiana bearing Khasra No. 1221/279.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4019 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhlana.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

FORM I.T.N.S.

(1) Shri Darbara Singh s/o Shri Puran Singh, Village Plassi Teh, Anandpur Sahib,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. APS/8/78-79.—Whereas, 1, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiona

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 118 kanals 4 marlas situated at Village Bela Ramgarh, Teh. Anandpur Sahib (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anandpur Sahib in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Gurdev Singh s/o Shri Harbhajan Singh, Shri Jagtar Singh and Shri Avtar Singh ss/o Shri Harbans Singh r/o Village Bela Ramgarh, Teh. Anandpur Sahib. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 118 kanals 4 marlas situated in Village Bela Ramgarh, Teh. Anandpur Sahib.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1702 of January, 1979 of the Registering Officer, Anandpur sahib).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

#### FORM ITNS----

 Shri Avtar Singh s/o Shri Sohan Singh, r/o E-37, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/173/78-79.—Whereas, J. R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiona

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House property No. B-XX/838, Krishna Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana constructed over a plot measuring 330 sq. yards situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Mrs. (Dr.) Amarjit Kaur w/o Shri Jagmohan Singh, B-XX/838, Krishna Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House property No. B-XX/838, Krishna Nagar, Ferozepur Road, Ludhiana, constructed over a plot measuring 330 sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3790 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 6-9-1979

NOTICE UNDER SECTION, 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/207/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhisma

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 3097 sq. yards situated in Sarabha

Nagar, Ludhiana bearing No. 19-C situated at Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from 'the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--18--276GI/79

(1) Smt. Gurcharan Kaur d/o Shri Kehar Singh, Shri Gurmail Singh,
Shri Gurdev Singh sons of Shri Kehar Singh,
r/o 21-Fort Street, Varley West Mid-Land England,
at present Village Barsal, Tehail Jagraon, Distt.
Ludhiana.

(Transferors)

(2) (1) Shri Vijay Kumar, Shri Ashish Kumar and Shri Ashok Kumar Munjal s/o Shri Daya Nand,

Vijay Kumar (2) Smt. Rekha Munjal w/o Shri

Munjal,
(3) Smt. Shobana Munjal w/o Shri Ashish Kumar,

(4) Smt. Neclam Munjal w/o Shri Ashok Kumar all r/o 21-R. Model Town, Ludhiana.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3097 sq. yards bearing No. 19-C Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4065 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhia).

R. K. MALHOTRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACOUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/208/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. B-XVI-185/8 situated on Link Road, Gill Chowk, Ludhiana constructed over a plot measuring 77½ sq. yards situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Joginder Singh s/o Shri Sujan Singh, 177-R, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Gian Singh. 69, Teacher Colony, Shashtri Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. B-XVI/185/8, Link Road, Bill Chowk, Ludhlana. (The property as mentioned in the Registered deed No. 4074 of January, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/203/78-79.—Whereas, J, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 3 kanals 6 marlas situated at Giaspure, Teh, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforetaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) S. Sucha Singh s/o Shri Rulia and Ind Kaur d/o Shri Rulia, r/o Giaspura, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s P.S. & Sons, G. T. Road, Ludhiana through S/Shri Pritam Singh, Harbans Singh, Gurcharan Singh, Balwant Singh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanal 6 marlas situated in Giaspura, Ludhiana Tehsil.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4054 of January, 1979 of the Registering Authority Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

Scal

#### FORM LTNS .-

(1) Smt. Suhagwenti w/o Shri Ram Rakha Sharma, r/o Kothi No. 99-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

OF INCOME-TAX

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. LDH/255/78-79.—Whereas, I, R. K. MAI HOTRA

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sad Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Kothi No. 99-L situated at Model Town, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in February, 1979

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Kailash Rani w/o Shri Om Parkash, r/o 93-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Kothi No. 99-L, measuring 584.7/9 sq. yds. situated in Model Town, Ludhiana,

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4409, February, 1979 of the Registering Officer, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 6-9-1979

### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 6th September 1979

Ref. No. PTA/297/78-79.—Whereas. I. R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiema

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Residential House at Badungar, Patiala situated at Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in March, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Singh s/o Jiwan Ram, r/o Bandugar, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Ram Chand, r/o Bandugar Road, (adjacent to house of Ram Lok) Patiala.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Residential House at Bandugar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6070 of March, 1979 of the Registering Authority; Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1979

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/9/79-80.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludbiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 19 Biswa (935 sq. yds.) situated in Bandugar Teh. Patiala situated at Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Diffice of the Registering Officer at Patiala in April, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Prem Nath Soth s/o Sohan Lal General Attorney of Shri Vinod Kumar s/o Shri Modan Lal and Ashok Kumar s/o Shri Madan Lal, r/o Chikas Hotel, New Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh e/o Jagir Singh, r/o Tohra, Teh. Nabha Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 19 biswas (935 Sq. yds.) Situated in Bandugar Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 192 of April, 1979 of the Registering Authority, Patlala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/215/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. I and measuring 2 kanals situated at Tripari Saidan, Patiala, situated at Patiala,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Patlala in January, 1979

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurinder Singh Grewal 3/0 Shri Hardev Singh Grewal, Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Lal Inder Singh s/o Shri Sukhinder Singh, 27-D, Model Town, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuse the property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2 kanals situated at Tripari Saidan. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5118 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Imagecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. DS/55/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhisma

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land measuring 51 kanals 8 marlas situated at Village Mashigaon Sub-Teh. Dudhan Sudhan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dudhan Sudhan January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 4922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Manohar Singh s/o Shri Ram Singh, r/o 1012/3 Khalsa Mohalla, Patiala, G. A. of Shri S. Maya Singh s/o S. Gurdit Singh, Smt. Parmeshwari Kaur w/o Late Shri Hira Singh and Virinder Singh, Narinder Singh, Kulbir Singh, Gurdit Singh ss/o Shri Late Hira Singh r/o Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Prem Singh s/o Tulsa Singh, r/o Atam Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

(4) M/s. Rulda Ram Nanak Chand, V. Mashigaon, Sub-Teh. Dudhan Sudhan Distt. Patiala. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 51 kanals 8 marlas situated in Mashigaon Teh. Dudhan Sudhan.

The property as mentioned in the Registered Deed No. 719 of January, 1979 of the Registering Authority, Dudhan Sudhan Distt. Patiala.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated : 11-9-1979

Scal

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. CHD/265/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1.½ storeyed house No. 1243, Sector 19-B, Chandigarh constructed over a plot measuring 175 sq. yds. situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—276GI/79

- Shri J. L. Nanda s/o Shri Diwan Chand Nanda, r/o H. No. 1191, Sector 18-C, Chandigarh (Manager, New Bank of India, Sector 17, Chandigarh).

  (Transferor)
- (2) Dr. H. C. Gupta s/o Shri R. C. Gupta, Mrs. Sudesh Gupta w/o Shri H. C. Gupta, both r/o 188, Sector 16-A, Chandigarh, (Transferce)
- (3) (1) Shri Narinder Kumar Goyal s/o Lt. Shri Sita Ram r/o 259-Industrial Area, Chandigarh.
  - (2) Dr. Sarita Malhotra w/o Shri Anil Malhotra, Ist Floor, H. No. 1243, Sector 19-B, Chandigarh. [Person in occupation of the Property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property No. 1243, Sector 19-B, Chandigarh.

The property as mentioned in the Registered deed No. 808 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1979

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. PTA/230/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 5 kanals 6 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala,

(and more fully described in 'he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurinder Singh s/o Shri Hardev Singh Grewal, r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferors)

(2) Smt. Jagbir Kaur, Dalbir Kaur ds/o Shri Gurcharan Singh, r/o Kothi No. 133, Punjabi Bagh, Bhupindra Road, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 5 kanals 6 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala,

The property as mentioned in the Registered deed No. 5343 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1979

(1) Shri Harjit Singh s/o Shri Hardev Singh Grewal, Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. PTA/259/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 2 kanals 4 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Paliala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nauce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Harjit Singh s/o Shri Manjit Singh of Sunam, c/o Harjit Singh s/o Shri Hardev Singh Grewal, Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanals 4 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

The property as mentioned in the Registered Deed No. 5614 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. CHD/279/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Built up booth No. 11, Sector 27-D, Chandigarh over a plot measuring 24.97 sq. yards situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Kundan Lal s/o Shri Sukh Dayal, r/o H. No. 3592, Sector 37-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Narwant Singh Bagga s/o Shri Santosh Singh, Bagga and Amarjit Singh Bagga s/o Shri Narwant Singh Bagga, r/o H. No. 3095, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferce)

(3) Dr. B. S. Nanda, Booth No. 11, Sector 27-D, Chandigarh, [Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Booth No. 11, Sector 27-D, Chandigarh built over a plot measuring 24.97 sq. yards.

The property as mentioned in the Registered deed No. 908 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. CHD/277/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 608, measuring 1014 sq. yards situated at Sector 36-B, Chandigarh,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979,

for an apparent consideration which less fair market value of the aforesaid property, and the T have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kartar Singh Lauly s/o Shri Gurdit Singh, c/o The Indian Plywood Manufacturing Co.; Dandeli, North Canara (Karnataka) through his attorney Shri Baldev Singh Nagra s/o Shri Harbans Singh Nagra, r/o H. No. 14/3, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harminder Singh Bala s/o Shri Gursaran Singh Bala, r/o H. No. 453/35-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a pariod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 608, Sector 36-B, Chandigarh measuring 1014 sq. yards.

The property as mentioned in the Registered deed No. 902

of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana the 11th September 1979

Ref. No. CHD/282/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 50, measuring 500.5 sq. yards situated at Street C, Sector 28-D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January/February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri M. L. Khanna s/o Shri I. D. Khanna through General Attorney, Shri S. K. Kapoor s/o Shri Amolak Ram Kapoor of Housing Board—Haryana, Kothi No. 64, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Harbir Singh Chadha s/o Shri Harnam Singh Chadha, Chadha Agricultural Farm, Village Behlana, P.O. Chandigarh U.T. at present r/o 3068, Sector 28-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 50, Street C. Cector 28-D Chandigarh measuring 500.5 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 917 of January/February, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dated: 11-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Jatinder Singh s/o Jagjit Singh, Through G.A. Shri Jagbinder Singh S/o Jagjit Singh R/o N-149, Sector 8, R.K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lekh Raj Bashamboo s/o Sh. Billa Mal, R/o H. No. 113, Sewak Colony near State College of Education, Patiala. (Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/276/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House property No. 5170/5-B, situated at Sewak Colony, Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in February, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property No. 5170/5-B, Sewak Colony, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 5757 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

 Shri Janeshwar Kumar s/o Shri Amir Chand, R/o Anaj Mandi, Nabha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-8IONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No NBA/114/78-79.—Whereas I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhlana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot measuring 177.78 sq. yards situated in New Anaj Mandi situated at Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Nabha in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Smt. Bimla Devi w/o Shri Harl Kishan, s/o Shri Channa Ram, C/o M/s. Ruldu Ram Jagan Nath, Grain Market, Nabha.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 177.78 sq. yards situated at New Anaj Mandi, Nabha.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2593 of February, 1979 of the Registering Officer, Nabha).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana,

Date : 11th Sep 1979

PART III-SEC. 1]

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Gurinder Singh Grewal S/o Shri Hardev Singh Grewal, R/o Birbrian Road, Lahori Gate, Patiala

(Transferor)

(2) Shri Jai Parshad s/o Shri Ram Sarup, R/o 27-D, Model Town, Patiala.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PAT/214/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 2 kanals 4 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

20-276GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the cate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 2 kanals 4 marlas situated at Tripari Saidan,

(The property as mentioned in the Registered Deed 'No. 5117 of January 1979 of the Registering Officer, Patiala).

> R. K. MALHOTRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/211/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land measuring 3 kanals situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hardev Singh Grewal
 S/o Shri Harcharan Singh Grewal
 R/o Bibrian Road
 Patiala (Lahore Gate)
 (Transferor)

(2) Shri Jagdish Kumar S/o Shri Sham Lal, R/o Bahera Road Patiala. Shri Prem Chand s/o Shri Nand Lal R/o Bhindian Street, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 3 kanals situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5034 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. SOL/21/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 418 Sq. mts. situated at Jawahar Park, Solan (H.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Solan in March, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Dewaru Ram s/o Shri Jharkhu Ram, R/o Solan, Teh. & Distt. Solan (H.P.)

(Transferor)

(2) Shri Sudipto Mukherjee S/o Shri P. N. Mukherjee, R/o 168, Sector 8, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herea. as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 418 Sq. mts. situated in Jawahar Park, Solan (H.P.) (Khewat Khatuni No. I/I Min. Khasra No.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 68 of March, 1979 of the Registering Authority, Solan).

> R. K. MALHOTRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. SRD/195/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

In pecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 5 kanal 5 marlas situated at Village Brahman Majra, Teh. Sirhind (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Silhind in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be eve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kawarjit Singh alias Kawaljit Singh S/o Shri Harkirat Singh of Village Kotla Bhaika Teh. Sirhind.

(Transferor)

(2) M/s. Guru Tcg Bahadur Cold Store & Ice Factory Brahman Majra P.O. Sirhind Teh. Sirhind,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanals 5 Marlas situated in Village Brahman Majra Teh. Sirhind.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3172 of January, 1979 of the Registering Authority, Sirhind.)

R. K. MALHOTRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/203/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 3 kanals 5 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harjit Singh s/o Shri Hardev Singh, Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Smt Sujlita Kaur w/o Shri Dhanwant Singh and Smt. Abhinash Sethi w/o Harmohan Singh Sethi, R/o Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 5 marlas situated at Tripari Saidan, Patlala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4921 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/213/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 6 kanals 10 marlas

situated at Tripari Saidan, Patiala (and more fully described in the schedule

annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Harbans Kaur w/o Shri Hardev Singh, R/o Lahore Gate, Bibrian Street, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Singh Bhalla s/o Prem Singh of Patiala, Smt. Satnam Kaur w/o Shri Tirath Singh of Chandigarh, C/o Smt. Harbans Kaur w/o Sh. Hardev Singh Grewal Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 6 kanals 10 marlas situated at Triparl Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5116 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. RAJ/24/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Two Godowns at Town Ship, Ghandi Colony, situated at Rajpura, Town No. 2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajpura in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) factlitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Santosh Rani w/o Shri Sukhdev Raj Kochar R/o Sham Nagur Rajpura.

(Transferor)

- (2) Smt. Kirpal Kaur w/o Sh Kartar Singh S/o Sahib Singh R/o Gopalpur Teh. Rajpura.
- (3) M/s. The Punjab State Coop, Supply & Marketing Federation Ltd; Markfed Branch Office Rajpura Distt. Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two Godowns at Town Ship, Ghandhi Colony, Rajpura Town No. 2.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3122 of January, 1979 of the Registering Officer, Rajpura.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. RAJ/21/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition

Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 25 bighas 4 biswas situated at Ajraur tch. Rajpura Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajpura in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Mehtab Singh s/o Kartar Singh R/o F1/21, Model Town, Delhi, Mukhtare-e-aam Smt. Ram Ditti Wd/o Sant Singh R/o Village Ajraur Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Dewinder Singh, Rajinder Singh, Mnjit Singh Ss/o Jagjit Singh s/o Atma Singh, Harjit Singh, Ranjit Singh, Balwinder Singh Ss/o Didar Singh s/o Atma Singh R/o Ajraur Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 25 bighas 4 biswas situated in Village Ajraur Teh. Rajpura.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3004 of January 1979 of the Registering Authority, Rajpura.)

> R. K. MALHOTRA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANΛ, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. DS/53/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land measuring 91 kanal 16 marlas situated at Mashigaon Sub. Teh. Dudhan Sudhan (Patiala) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dudhan Sudhan in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—276GI/79

(1) S. Maya Singh s/o Gurdit Singh, Smt. Parmashwari Kaur wd/o Late S. Hira Singh, Virinder Singh, Narinder Singh, Kulbir Singh and Gurdip Singh s/o late Hira Singh R/o Malland Colony, Bombay.

(Transferors)

(2) S. Gurbachan Singh s/o S. Manohar Singh, Harbhan Singh s/o Ram Singh, Purana Gadda Khana, Patiala.

(Transferces)

(4) Firm Rulda Ram Nanak Chand (Mortgagee) Village Mashigaon, Sub. Teh. Dudhan Sudhan, Distr. Patiala.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land 91 kanals 16 marlas situated in Village Mashigaon, Sub-Teh. Dudhan Sudhan Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 696 of January 1979 of the Registering Authority, Dudhan Sudhan Distt. Patiala.)

R. K. MALHOTRA.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/210/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 5 kanals 5 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jaswant Keur w/o Shri Harider Singh Grewal, R/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Raghu Nath s/o Shri Piara Lal and Shri Mukhtiar Singh S/o Shri Waryam Singh, R/o 22-Hargobind Nagar, Sirhind Road, Patiala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 5 kanals 5 marlas situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5024 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. PTA/216/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

As per Schedule

Land measuring 3 kanals 1 marla

situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Shri Harjit Singh s/o Shri Hardev Singh, Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Harjit Singh s/o Shri Manjit Singh of Sunam, C/o Shri Ranjit Singh s/o Hardev Singh, Bibrian Street, Lahori Gate, Patiala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanals 1 marla situated at Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5135 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. DS/56/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 25 kanals 14 marlas—1/3rd share situated at V. Mashigaon, Sub-Teh Dudhan Sudhan (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dudhan Sudhan in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, inp ursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S. Bhagwan Singh s/o Sant Singh R/o Itamuman Bazar, Jammu through S. Manohar Singh s/o Ram Singh, G.A. 1012/3, Khalsa Mohalla Patiala.

(Transferor)

(2) S. Prem Singh s/o Tulsa Singh, R/o Atama Nagar, Ludhiana.

(Transfree)

(3) M/s. Rulda Ram Nanak Chand, V. Mashigaon, Sub-Teh. Dudhan Sudhan,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 kanals 14 marlas 1/3rd share—stuated in Mashlgaon S. Teh. Dudhan Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 742 of January, 1979 of the Registered Authority, Dudhan Sudhan Distt. Patiala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlane.

Date: 11th Sep 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIÓN RANGE, LUDHIANA.

Ludhiana, the 11th September 1979

Ref. No. CHD/261/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Show Room Plot No. 25, Sector 26, Madhya Marge,

Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the Registering Officer at and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- M/s. Hazara Singh Inder Singh, 94-Grain Market, Chandigarh, through its partners,
  - 1. Shri Krishan Kumar s/o Shri Inder Singh,
  - Shri Niranjan Singh s/o Shri Inder Singh,
     Shri Purshotam Singh s/o Shri Inder Singh
  - Shri Purshotam Singh s/o Shri Inder Singh, Through Attorney Shri Krishan Kumar and
  - 4. Shri Chiranjit Lal s/o Shri Inder Singh.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Usha Kapoor w/o Dr. Viney Kapoor,
  - Mrs. Aruna Kapoor w/o Lt. Cdr. A. K. Kapoor,
     Mrs. Aruna Kapoor w/o Sh. Vinod Kumar
  - 4. Mrs. Anu Kapoor w/o Sh. Anil Kapoor,

Kapoor,

- 5. Mrs. Shashi Kapoor w/o Shri Rajiv Kapoor,
- Sh. Vinod Kapoor s/o Shri Siri Ram Kapoor, All R/o 528, Sector 10-D, Chandigarh.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pensos, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Show Room Plot No. 25, Sector 26, Madhya Marg, Chandigarh measuring 762.96 sq. yards.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 797 of January, 1979 of the Registering Officer, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11th Sep 1979

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. LDH/U/78-79/181,—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-I-1053, situated on Sant Road, Near Old Dayanand Hospital, Ludhiana situated at Sant Road, Near Old Dayanand Hospital, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Januay, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Tarawanti wd/o Shri Kali Chand Saggar, B-I-1053, Sant Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Prem Kumar Chohda s/o Sh. Sat Dev Chahda B-I-1053, Sant Road, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential house No. B-I-1053, Sant Road, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered Deed No. 3912 of January, 1979 of the Registering Authority, Ludhiana.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 13th Sep 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. DS/57/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agricultural land measuring 43 bighas & 13 biswas situated at V. Narangwala, Sub-Teh. Dudhan Sudhan, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dudhan-Sudhan in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Mohinder Singh adopted son of Sh. Dalip Singh r/o Narangwala, Sub-Teh. Dudhan Sudhan, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) S/Sh. Sher Singh, Avtar Singh, Sucha Singh and Gurmeet Singh sons of Sh. Jagir Singh, r/o V. Nancwala Distt. Ambala. now at V. Narangwala, Sub-Teh, Dhudhan Sudhan.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 43 bighas 13 biswas situated at village Narangwala Sub-Teh. Dudhan Sudhan, Distt. Patiala.

(The immovable property as fully described in Registration Deed No. 749 of January, 1979 of the Registering Authority, Dudhan Sudhan).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 13-9-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE** OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. RAJ/23/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 48 bighas 15 biswas (Khasra No. 197/326 to 331) at Pawala Teh. Rajpura, Distt. Patiala. situated at Village Pawala, Teh. Rajpura, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in Jan. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to \*between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Inderjit Kaur w/o Sh. Sawan Singh r/o Kotla Suleman, Teh. Sirhind, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Amar Kaur w/o Shri Ishar Singh, and S/Shri Kartar Singh, Sant Singh, Balwant Singh Ranjit Singh & Mangal Singh sons of Sh. Rampat Rai r/o Village Pawala, Teh. Rajpura.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 48 bighas 15 biswas (khasra No. 197/326 to 331) situated at Village Pawala, Teh. Rajpura.

(The property as mentioned in the Registration deed No. 3108 of Jan. 79 of the Registering Authority, Rajpura)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 13-9-79

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. PTA/221/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/2 share in land measuring 34 kanals 8 marlas with 1/2 share in building constructed thereon.

situated at V. Ghalohri Teh, & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—276GI79

 Manju Bala d/o Asha Rani wd/o Sh. Dev 3harat r/o Sanauri Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Dr. Napinder Singh Chahal s/o Kaka Singh r/o Sanori Gate, Adda Patiala.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days fron the date of publication of this notice in the C fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein us are defined in Chapter XXA of the sail Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in land measuring 34 kanals 8 marlas and 1/2 share in building constructed thereon, situated at Vil. Galhori Teh & Distt. Patiala

(The property as mentioned in the Registered Dec 1 No. 5238 of Jan. 1979 of the Registering authority, Patia a).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition F:ange,
Lud niana.

Date: 13-9-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. AML/102/78-79.—Whereas, I, R. K. MAI HOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marekt value exceeding Rs. 2,5000/- and bearing No.

Plot of land measuring 45443 sq. fts. at Mandi Gobindgarh, situated at Mandi Gobindgarh, Tehsil Amloh, Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Krishan Chander Gulati s/o Sh. Babu Ralla Ram Ward No. 3, Mandi Gobindgarh.

(Transferor)

(2) M/s Sulckh Ram Benarsi Dass Steel Rolling Mills. Mandi Bobindgarh (through Shri Amarjit Singh, Partner) c/o the firm.

(Transfree)

(3) M/s. Sulekh Ram Banarsi Dass Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 45443 sq. fts. situated at Mandi Gobindgarh.

(The property as mentioned in the Registration deed No. 1599 of Jan. 1979 of the Registering authority, Amloh.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 13-9-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. CHD/266/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 2231, Sector 22-C, Chandigarh situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January. 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gian Singh r/o House No. 2231, Sector 22-C Chandigarh.
  - (Transferor)
- (2) Sh. Ajmer Singh r/o H. No. 2231, Sector 22-C Chandigarh. (Transferee)
- (3) (1) Sh. Bijan Lal (Ground Floor)
  - (2) Sat Pal Gupta (First floor)
  - (3) Sh. Harmesh Sharma (Second floor)
  - (4) Sh. Gian Singh allr/o H. No. 2231 Sector 22-C, Chandigarh.[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential house No. 2231, Sector 22-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 818 of January, 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Alquisition Range, Ludhians

Date: 13-9-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. PTA/217/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Incornatax Act, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

4 sto ed shop cum house No. 2145/2 & 2146/2 situated on Main Sirhindi Bozar, Patiala.

situated at Sirbindi Bazar, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has t en transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patia a in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Dr. Krishan Kumar s/o Sh. Murari Lal, Sirhindi Bazar, Patiala. (Transferor)

- (2) (1) Sh. Ashok Kumar Sethi s/o Sh. Amrit Lal, and
  - (2) Smt. Raj Rani w/o Sh. Ashok Kumar r/o 2145/2 and 2146/2, Sirhindi Bazar, Patiala. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop cum house No. 2145/2 & 2146/2 situated on Main Sirhindi Bazar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5136 of January, 1979 of the Registering Authority, Patiala).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 13-9-79

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. CHD. 267/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 4 bighas 3 biswas situated in V. Badheri U. T. Chandigarh, situated at V. Badheri, U. T. Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Chandigarh in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Ripudaman Singh s/o Sh. Khem Singh Grewal, of Bombay, through general attorney Sh. J. S. Dhillon 659/16, Chandigarh.

(Transferor)

Smt. Jaswant Kaur w/o Sh. Ujagar Singh,
 V. Badheri, U.T. Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 bighas 3 biswas in Village Badheri, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 822 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 13-9-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. PTA/209/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing Plot No. 7, measuring 400 sq. yds, situated on Main Jagdish

Plot No. 7, measuring 400 sq. yds, situated on Main Jagdish Ashram Road, Patiala

situated at Main Jugdish Ashram Roaa, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Bharatinder Singh s/o Sh. Palwinder Singh r/o of Patiala.

(Transferor)

(2) Smt. Santokh Kaur w/o Sh. Gurdial Singh through Sh. Maghu Singh, Kartar Singh Street, Mukatsar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereinf as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 400 sq. yds. situated at Main Jagdish Ashram Road, Patiala (The property as mentioned in the Registered deed No. 5006 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Patiala.)

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 13-9-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. CHD/272/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing 2; storey house No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh

situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Hardeep Singh s/o Late S. Harnam Singh r/o H. No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Harsh Khanna w/o Sh. Kewal Kumar Khanna, r/o House No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferee)

\*(3) 1. Dr. D. K. Rai (Homeopath)
2. Sh. Surjeet Singh Bajwa, and
r/o H. No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh
[Person in occupation of the property]

\*(4) The Director, Social and Welfare Department Haryana, Chandigarh,

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Residential house No. 2652, Sector 22-C, Chandigarh (The property as mentioned in the Registered deed No. 867 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Chandigarh).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 13-9-79

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. LDH/174/78-79.—Whereas, I. R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

B-VI-1082 (Old) Bew No. B-IX-S-495, Old Samrala Road, Ludhiana.

situated at Old Samrala Road, Ludhiana.

Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Harvinder Singh s/o Sh. Sujan Singh Sahni r/o R-276, Greater Kailash-I, New Delhi-48 (Transferor
- (2) Smt. Jaswant Kaur w/o Sh. Jeet Singh through M/s Sardar Namkeen & Sweet Shop, B-IV-508, Mcena Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

\*(3) M/s Winter Woolie Hosiery Mills, Old Samrala Road, Ludhiana. [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share in H. No. B-IX-495, Opposite Ahata Jang, Purana Samrala Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3791 of Jan. 79 of the Registering Authority, Ludhiana).

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 13-9-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CFNTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 13th September 1979

Ref. No. LDH/204/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-VI-1082 (old) Now No. B-IX-S-495 situated at Old Samrala Road, Ludhiana,

situated at Samrala Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23—276G1/79

 S. Jaswinder Singh Sahni s/o Sh. Sujan Singh Sahni B-JI-1321, Sujan Singh Street, Benjman Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S. Jit Singh s/o Sh. Lal Singh c/o M/s Jit Singh Charan Singh, Halwai. Shop No. 304, Chauri Sarak, Ludhiana.

(Transferee)

\*(3) M/s Winter Woolie Hosiery Mills, Old Samarala Road, Ludhiana [Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms nd expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Share in property No. B-IX-495, Old Samrala Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4056 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Ludhiana

R. K. MALHOTRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 13-9-79

#### FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

8054

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI-110002

New Delhi, the 15th September 1979

Ref. No. MKL/24/78-79.---Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agricultural land measuring 15 kanals 11½ marlas situated at Malerkotla

instrument of transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malerkotla in January 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, to the following persons, namely:—

(1) Md. Imran, md/ Mushtag, Amran Ali 88/0 Umar Din r/o Ahmedgarh (Malerkotla).

(Transferor)

[PART III--SBC, 1

(2) Shri Sukhdev Singh Garcha s/o Sh. Kehar Singh, BXX/658, Gurdew Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals 11½ marlas at Male-kotla.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 103 of January, 1979 of Sub-Registrar, Malerkotla).

R. K. MALHOTRA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-9-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1979

Ref. No. MKL/23/78-79.—Whereas, I, R. K. MALHOTRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agril land measuring 15 kanals 11½ marlas situated at Malerkotia

(and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malerkotla in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax nader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

- (1) Md. Imran, Md. Mushtaq & Md. Amran Al; sons of Shri Umer Din r/o Ahmedgarh (Malerkotal) (Transferors)
- (2) Shri Jagdish Singh Garcha s/o Shri Kehar Singh, B-XX-658, Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 kanals  $11\frac{1}{2}$  marlas at Malerkotta.

(Property as mentioned in Registration No. 102 of Jan. 1979 of the Registering Authority, Malerkotla).

R. K. MALHOTRA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Ludhiana.

Date: 15-9-1979

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th July 1979

C.R. No. 62/22677/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 25 situated at II Cross Malleswaram Bangalore-560003, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Rajajinagar Bangalore Doc. No. 3263/78-79 on 3-1-79, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri S. T. Shivaramaiah s/o Sri Suryanarayanaiah, No. 25, IJ Cross Malleswaram Bangalore-560003. (Transferors)
- (2) Sri Mustafa Khan s/o Mahaboob Khan, No. 397, Orgampet K.G.F.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Registered Document No. 3263 [78-79, dated 3-1-1979]

House property being No. 25, II Cross Malleswarum, Bangalore-560003, bounded by :--

East : Sri Rangachari's house.

West: Municipal road.

North: Sri K. M. Channabasaiah's house,

South: If Cross road,

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

#### OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 30th July 1979

C.R. 62/23295/79-80/ACQ/B.—Whereas, I,

P. RANGANATHAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to be the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1039/14, situated at 1 Main Road, IV Block, Rajajinagar, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Rajajinagar Bangalore Doc. No. 4331/78-79 on 2-1-1979 for an apparent Consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) (1) Shri M. V. Thippaswemy, S/o Late Sri M. Viswanathaiah,
  - (2) Smt. M. Parvathamma W/o Late Sri M. Viswanathaiah.
  - (3) Kum. M. V. Shashikala Rep. by Sri M. V. Thippaswamy, Prop. Thippaswamy Transports, V. P. Extn. Chitradurga. (Transferor)
- (2) Shri S. G. Srinivasan, Advocate, No. 1039/14, 1st Main Road, IV Block, Rajajinagar, Bangalore-560001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4331/78-79, dated 2-1-1979] House property bearing No. 1039/14, I Main Road, IV Block, Rajojinagar, Bangalore-560001.

North: Site No. 1038.

South: Property of Sri Kondajji Rasappa.

East: 80 feet I Main Road, West: Conservancy Jane.

P. RANGANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 30-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **BANGALORE-560001** 

Bangalore-560001, the 2nd August 1979

C.R. No. 62/22898/79 80/Acq./B.--Whereas, I, P. RANGANATHAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. old No. 7, New No. 10, situated at 'T. Ramaswamy, layout, III cross, H Siddaiah road, Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore Doc. No. 3464/78-79 on 27-1-79 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Smt. Laxmi Devi w/o Sri C. M. M. Sharma, No. 13/13, Pampa Mahakavi road, Shankarapuram, Shankarapuram, Bangalore-4,

(Transferor)

- (2) (1) Shri Yusufullakhan, (2) Shri Samiulla Khan,

  - (3) Obcdulla Khan, (4) Ziaulla Khan, (5) Shafiulla Khan

All sons of Sri Kareem Khan. All residing at old No 7, New No. 10, T. Ramaswamy layout H. Siddaiah road, Bnagalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered document No. 3464/78-79 dated 27-1-1979] Old No. 7, New No. 10, T. Ramaswamy layout, III Cross, H. Siddaiah road, Bangalore,

Boundries :

North: Sri S. E. Venugopal's property. South: Sri Kumar and Muthu's property.

East: Ill Cross and

West: Sri Syed Habib, Sajjan and Mohammed Usman's property.

> P. RANGANATHAN Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 2-8-1979

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 31st July 1979

C.R. No. 62/22990/79-80/Acq/B.-Whereas, J. P. RANGANATHAN

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 25,000/- and bearing

No. 149, situated at 11th Main 32nd Cross, IV Block, Jayanagar, East, Bangalore-560011,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Javanagar, Bangalore, Doc. No. 3075/78-79 on 19-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- \*n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri M. Vellaian, s/o Sri Manickam Chettiar, No. 18/2/215m Ashoknagar, Tirupati Town, Chittoor Distt. (A.P.).

(2) Shri K. T. Desiappan, s/o Sri K. T. Thirumalaiswamy Chettiag. Flat No. 6, First Floor, "NINE ACES", Co-operative Housing Society, 18th Main Road, Khar, Bombay-400 052. (Transferee)

(3) (1) Hamcedul Hag, (2) K. V. Paulrose, (3) Chrankar Prabhu, 1 Floor

(4) Shri Krishnaji Rao,(5) Shri Vasudeva Rao,(6) Shri Kashi P. Ground Floor

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3075/78-79 dated 19-1-1979]

A portion of the premises No. 149, 11th Main, 32nd Cross, IV Block, Jayanagar, Bangalore-560011. Boundries:

East: Private Property. West: 11th Main Road, North: Cross Road and South: Private property.

> P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Dated 31-7-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 17th August 1979

C.R. No. 62/22854/79-80/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. vacant building site No. 51, situated at Madras sapper officers House Building Co-operative Society Ltd., Doddigunta. Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar Bangalore Doc. No. 2945/78-79 on 19-1-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferge for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. S. P. Puri No. 14, Palace road, Bangalore. (Transferor)

(2) Fr. A. C. Koshy agent for (His Holiness Moran Mar Baselins Mar Thoma Mathews/The Catholic of the East and Malambace, Metropolitan) vicar, St. Gregorious Orthodox Syrian Church, Hosur road, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2945/78-79, dated 19-1-1979]

Vacant building site No. 51, Madras sapper Officers House Building Co-operative Society Ltd, Doddigunta, Bangalore. Boundaries:

E: Site No 12 N: Site No 50 W: Road and S: Road

P. RANGANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 17-8-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 17th August 1979

C.R. No. 62/22972/79-80/ACQ/B.—Whereas I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Vacant site No. 274, situated at Binnamangla Defence colony, HAL Road, II Stage, Bangalorc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore. Document No. 2835/78-79 10-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the snid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Brigadier K. Kesave Nayak (Retd) S/o Late K. R. Nayak, No. 190, V Cross, Vasanth Nagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) 1. Sri V. R. Shivaprasad, S/o Mr. Ramaiah, Room No. 56 B.M.C. Gents Hostel, Palace Rd, Bangalore.

V. R. Muralidhar, S/o Mr. Ramaiah, Room No. 27, B.V.B. Engineering College, Vidyanagar, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2835/78-79 dated 10-1-1979]

Vacant site No. 274, Binnamangla, Defence Coloney, HAL Road, If Stage, Bangalore.

Boundaries :

nauries:
East: 100; Road
West: Site No. 262
North: Plot No. 275 and
South: Plot No. 273 and 272.

P. RANGANATHAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

Date: 17-8-1979

Scal:

24-276GI/79

#### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 17th August 1979

C.R. No. 62/22987/79-80/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Building premises bearing old No. 2, New No. 23, constructed on Northern half portion of plot No. 17, situated at Kengal Hanumanthaiah Road, (Division No. 26), Shantinagar, Bangalore-27,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore, Document No. 3228/78-79 on 31-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. B. G. Krishnan, S/o Late B. V. Garudachar, 2. B. K. Rama Prakash J. Dr. B. K. Aruna Kumar

  4. B. K. Udayakumar

  Nos. 2 and 3 being represented by father power of attorney holder Shri B. G. Krishnan and Residing at Chikka Audugodi, Bangalore. (Transferor)
- (2) Sri D. H. Sivarudraiah,S/o. Late D. Hutchaveerappa,No. 23, Kengal Hanumanthaiah Road, Shanthinagar, Bangalore-27.

(Transferee)

(3) M/s. Bharati Medical Stores, M/s. Arrow Systems. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 3228/78-79 dated 31-1-1979)

Building premises bearing old No. 2, New No. 23, constructed on Northern half portion of plot No. 17, Kengal Hanumanthaiah Road, (Division No. 62), Shanthinagar, Bangalore-27.

Boundries :-

East: The house of late Rangaswamy Sastry West: Kengal Hanumanthalah Road,

North: The house of late Shri Hanumanthalah bearing

South: House No. 24, of the Vendors sold to a third party.

> P. RANGANATHAN Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

> > 11.3

Date: 17-8-1979

Seal;

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 18th August 1979

C.R. No. 62/22922/79-80/Acq/B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN,

being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4-5-11 & 4-5-12 situated at Ambalapady Ward, Mudanidambur village, Udipi Taluk, S. K.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udipi, Document No. 898/78-79 on 3-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri A. Ram Mohan Rao, Chairman & Director. The Shankar Vittal Motor Co. Ltd., Ajantha Falni. Mangalore.
   Krishnamorthy Rao Aroor, Managing Director, The Shanka Vittal Motor Co., Ltd., "Gayathri" Falnir Mangslore.
   A. Sripathi Rao, General Manager, Arvind Motors, "Alankar" Falnir, Mangalore.
   A. Ramesh Rao, Managing Director, The Shankar Transport Co., (Pr.) Ltd., Koppa Town. (Transferor)
- (2) Sri K. Satishchandra Hegde, S/o S. Hiriyanna Hegde "Alankar" Ajjarkad, Udupi Town.
  (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2. [Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(Registered Document No. 898/78-79 dated 31-1-79)
House property situated in Ambalapady ward of the Udupi Municipality in Mudnidambur village of Udupi Taluk. S. K. in all 68 cents land R.C.C. Building "Alankar" bearing No. 4-5-11 and out house tiled building No. 4-5-12.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Dated: 18-8-1979

(1) Smt. Akhtar Laqa Begum Alias Suriya Begum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Swaleh Ali Khan and Husain Ali Khan Alias Salman Mian,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, 57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 7th August 1979

Ref. No. 5-178/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos, 573 and 569 situated at Village Vamanpuri Tehsil Sadar Rampur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land Nos. 569 and 573 measuring 24 Bigha situate at Village Vamanpuri Tehsil Sadar Rampur and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G no. 134 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar Rampur on 18-1-1979.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 7th August 1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57-RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1979

Ref. No. N-28/Acq.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land 6,75 Biswa situated at Village Bastauli, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 2-1-1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Suresh Chandra Srivastava

(Transferor)

(2) Shri Nand Kishoro and Chandra Kalani.

(Transferce)

(3) Seller (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land measuring 6 Biswa 15 Biswansi situate at Village Bastauli, Lucknow and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37-G No. 503 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar Lucknow on 2-1-1979.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Lucknow

Date: 6-8-1979.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 18th August 1979

Ref. No. Acq.23-I-2440(839)/1-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 19-A situated at Kalanala, Opp: Dadasaheb Mandir, Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 24-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rameshchandra Tribhovandas Trivedi, Kalanala,
 Opp: Dada Saheb Mandir, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Shri Gunvantray J. Trivedi, as a Power of Attorney Holder of Shri Mukesh Gunvantray Trivedi, Karta of H.U.F. of Mukesh Gunvantray, Kalanala, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building bearing Plot No. 19/A standing on land 774-10 sq. mtre. situated at Kala-nala, Opp: Dadasaheb's Mandir, Bhavnagar, duly registered by Registering Officer, Bhavnagar, vide sale-deed No. 137-24-1-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 18-8-79.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Rambhai Bhailalbhai; Flat No. 9, Impala House, Vishwas Colony, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Rashmilal Ambalal; Flat No. 9, Impala House, Vishwas Colony, Baroda.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad the 7th September 1979

Ref. No. 719 Acq. 23-1381/6-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat No. 9,

situated at Impala House, Vishwas Colony, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 18-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Flat No. 9, situated at Impala House, Vishwas Colony, Baroda duly registered at No. 88 on 18-1-1979 by the registering authority at Baroda.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 7-9-1979.

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th September 1979

Ref. No. P.R. No. 723 Acq.23-1382/6-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 40

situated at Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Mrudulaben Bhikhabhai Patel; 6, Krishna Housing Society, Sanand, Dist. Kaira. (Transferor)
- (2) Shri Harendra Shantilal Patel & others, Wadi, Rang Mahal, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 40, Vishwas Colony, Race Course Road, Baroda admeasuring 5143/6 sq. ft. duly registered with registering authority at Baroda on 17-1-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 7-9-1979

Soal :

#### 8069

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD

Ahmedabad the 7th September 1979

Ref. No. P.R. No. 724 Acq.23-1340/7-5/79-80.—Where-us, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 751 & 752 situated at Umbergaon, Dist. Valsad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 5-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsold property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
25—276GI/79

 Mr. Badruddin H. Masalawala; Masalawala Nivas, Zuhu Lane, Andheri, West Bombay-58.

(Transferor)

(2) Mr. Champaklal P. Zaveri; C1/2 Eden Hall, Dr. A. B. Road, Opp. I otus Cinema, Worli, Bombay-400018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building admeasuring 3924 sq. yds. situated at Umbergaon, Dist. Valsad bearing C.S. No. 751-A, 752 duly registered with registering authority, Pardi on 51-1979.

S. C. PARIKH.

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad the 7th September 1979

Ref. No. R. No. 725.Acq. 23-1340/7-5/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Survey No. 754 Umbergain, Dist. Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pardi on 5th January 1979

for an aparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Badruddin H. Masalawala; Masalawala Nivas, Zuhu Lane, Andheri, West Bombay-58.

(Transferor)

(2) Mr. Champaklal P. Zaveri; C-1/2, Eden Hall, Dr. A. B. Road, Opp. Lotus Cinema, Worli, Bombay-400 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing open city Sur. No. 754 situated at Umbergaon, Dist, Valsad, duly registered with registering authority at Pardi on 5-1-1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 7-9-1979

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Bhayya Biharilal Devkalidin & Others, Outside Talav Darwaja, Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Nathji Commercial Corporation through: partner Shri Mohanfal L. Patel, 4, Jaishrinagar, Junagadh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th September 1979

No. Acq.23-I-2060(847)/II-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri, land adm, 3788-3 sq. yd. at the bank of river, Junagadh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 4788-3 sq. yd. situated at the bank of river, Junagadh, duly registered by Sub-Registrar, Junagadh, vide sale-deed No. 28/8-1-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ahmedabad

Date: 7-9-1979

(1) Bhaiyya Biharilal Devkalidin, outside Talav Darwaja, Junagadh.

(Transferor)

(1) Shri Nathji Commercial Corporation, through:
partner Shri Mohanlal P. Patel,
4, Jaishrinagar, Junagadh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 7th September 1979

No. Acq. 23-I-2026(848)/11-1/79-80.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Agri. land adm. 4640-01 sq. yds. situated at the bank of river, Junagadh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Junagadh on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 4640-01 sq. yds. situated at the bank of river. Junagadh, duly registered by S. R. Junagadh, vide sale-deed No. 29/8-1-1979 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 7-9-1979

1 CHEN TINS ----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 13th September 1979

Ref. No. P.R. No. 727/Acq.23-II/6-1-/79-80.--Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R: 25,090/and bearing

No. Open land situated at Karelibag, "Nivruti Colony", opp: Training College, Baroda

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Baroda on 18-1-1979,

for an apparent, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ugreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chandubhai Rambhai Patel, Alkapuri, "Ruchana", Sampatrao Colony, Baroda.

(Transferor)

(1) Shab Chaturbhuj Hiralal, 2. Ramaben Chaturbhuj Mehta Pole, Patvani Khadki, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land situated at Karelibag, Nivruti Colony, Opp: Training College, Baroda, adm. 3465 sq. ft. duly registered in the month of January, 1979.

S. C. PARIKH,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 13-9-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 13th September 1979

Ref No. P.R. No. 728/Acq.23-II/19-2/79-80.—hcreas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Block No. 381 situated at Village: Vav, Tal. Kamrej (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kamrej on 20-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Vasantrai Dahyabhai Patel, Village: Vav, Tal. Kamrej.

(Transferors)

(2) 1. Shri Singarasing Masasing,
 2. Shri Amarsing Mangalsing Baroda Rayon, Anajwala Bldg., Udhna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land admeasuring A-16, G-39, situated at village Vav, Tal. Kamrej, duly registered in the month of January, 1979 with registering authority at Kamrej.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad.

Date: 13-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Navnitbhai Vijubhai Modi 355, Linking Road, Khar, Bombay. Pardi on 16-1-1979

#### (2) Shri Ramabhai Durlabhbhai Patel, 3/585 Moti Sheri, Golemandi Surat (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST'I, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IF,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 15th September 1979

Ref. No. P.R. No. 738 Acq. 23/19-7/79-80.—Whereas, J. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable perpetty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Bungalow No. 72 in Shantiniketan Society situated at Vasta devdi Road, Lal Darwaja, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Surat on 8-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shantiniketan Society, No. 422 Vastadevoli Road Lal Darwaja Surat registered on 8-1-79 with Surat Sub Registrar.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 15-9-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (4) Mr., Fremy Hormasji, Madraswala Nearoze Mansion, Tardyo Road, Bombay-400 007.

(2) Smt. Piroja Sohrabji Irani, Lalbaug Nirmal Deep Dr. Moos Road, Thana,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAN,

ACQUISITION RANGE-II.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRMA ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad the 18th September 1979

Ref. No. 755/Acq. 23-II-1346/20-1/79-80.—Whereas, I, S. S. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House No. 36, Plot No. 17, situated at Devka, Taluka: Daman.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Daman on 31-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building situated at Devka-Daman duly registered on 31-1-1979 with registering authority at Daman-House No. 36, Plot No. 17.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 18-9-1979,

Seat ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE; ASHRMA ROAD,

AHMEDABAD-380009

Abmedabad, the 18th September 1979

Ref. No. P.R. No. 756—Acq 23-II/7-5/79-80.—WWhereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'sall Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 19, Nutan Nagar Society, Pardi, situated at Killa Pardi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Offiger at Pardi on 16-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Chanchal Kumar Kaliprassan Mukarji, Villa Pardi, Distt. Bulsar.

(Transferor)

(2) Smt. Mayaben Dulsukhbhai Patel, Nutan Nagar Housing Colony, Pardi, Distt. Bulsar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building situated at Nutan Nagar Housing Colony, Pardi registered on 18-1-1979 with registering authority at Pardi.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 18-9-1979.

(1) Wing Comd, Jaimal Singh (Retd.) C-279, Defence Colony, N. Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vibhu Shankur, C-294, Defence, Colony, New Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 4/14A, ASAF ALI ROAO, NEW DELHI

New Delhi-110001, the 12th September 1979

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/Jan 1/929(20)/78-79.— Whereas, I, MISS ANJANI OZA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. C-279 situated at Defence Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 8-1-1979

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. C-279 measuring 325 sq. yd. situated in Defence Colony, New Delhi more specifically described in the instrument of transfer registered on 8-1-79.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Delhi/ New Delhi

Date: 12-9-1979

Seal:

PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI AND PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD, 1979